VPL

वर्ष 11 अंक 5
पृष्ठ 12
नई दिल्ली, मंगलवार
14 अक्टूबर 2025
मूल्य: 4 रुपये

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in

DELHI/2015/65411
डाक पंजीयन सं.-DL(S)-17/3531/2018-20

03 दिल्ली की मुख्यमंत्री ने छठ पूजा की तैयारियों पर नजर रखने के... | 06 एनडीए का सीट बँटवारा : को बड़-छोटड्ड?- ऋषभदेव शर्मा | 11 कलाई का स्पिनर होने के कारण कुलदीप को पिच से ज्यादा मदद मिली: वाशिंगटन

"हर दिन एक नया सूरज है, एक नई शुरुआत है, इसे व्यर्थ न जाने दो।"

Saurabh Shivhare

@saurabh_SS19

SIGNATUREGLOBAL (INDIA) LIMITED
CIN NO.: L70100DL2000PLC104787
7053-121-121

नए आपराधिक न्याय कानून लागू करना 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार: अमित शाह

जयपुर, (भाषा) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार बताते हुए सोमवार को कहा कि इससे लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय मिलेगा।

उन्होंने कहा कि तीन नए कानून लागू होने के बाद राजस्थान में सजा दिलाने की दर 42 फीसदी से बढ़कर 60 फीसदी हो गई है और इनके पूरी तरह से लागू होने के बाद यह दर 90 फीसदी तक पहुंच जाएगी। शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों पर राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में शाह ने कहा कि तीन नए कानूनों के संपूर्ण कार्यान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी। शाह ने कहा, ''मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि इक्कीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा 'रिफॉर्म' हमारे तीन आपराधिक न्याय कानूनों को आगे लागू करना है। इसके संपूर्ण क्रियान्वयन के बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक

आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी, इसका मुझे पूरा विश्वास है।''

पुरानी व्यवस्था के तहत न्याय में होने वाली देरी पर शाह ने कहा कि कुछ मामले बिना सजा के 25 से 30-30 साल तक चलते रहते थे। उन्होंने कहा, ''लोगों को समय पर न्याय नहीं मिलता था। अब इससे मुक्ति मिल जाएगी।''

शाह ने नए कानूनों के तहत प्रकियाओं की समयसीमा तय किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा, "जब हमने समयसीमाएं तय कीं तब सबके मन में संशय था कि क्या ऐसा हो पायेगा? लेकिन सिर्फ एक साल हुआ है, देश में पचास प्रतिशत से ज्यादा चार्जशीट (आरोप पत्र) समय पर होने लगे हैं।" उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है एक और साल में ये नब्बे प्रतिशत तक पहुंच जायेंगे।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राजस्थान में सजा कराने की दर 42 प्रतिशत थी, जो इन कानूनों के अमल में आने के एक ही साल में बढ़कर 60 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन कानूनों पर पूर्ण अमल होने के बाद यह दर 60 प्रतिशत से बढ़कर 90 प्रतिशत तक हो जाएगी। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि भारत सरकार ने नयी प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए लाखों पुलिसकर्मियों, हजारों न्यायिक अधिकारियों और फोरेंसिक प्रयोगशालाओं व जेल कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। शाह ने कहा कि इन सुधारों से अदालत में प्रत्यक्ष रूप से पेश होने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''आरोपियों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा, जबकि पुलिस अधिकारी, बैंक कर्मचारी, डॉक्टर और फोरेंसिक विशेषज्ञ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो सकेंगे। इससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे विचाराधीन कैदियों के पुलिस हिरासत से भागने की संभावना भी कम हो जाएगी।

शाह ने कहा कि देश में लागू तीन नए आपराधिक कानून लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा, ''पूरे देश में किसी के भी साथ अन्याय होता है तो वो अदालत में जाना पसंद नहीं करता। हमारी न्यायिक व्यवस्था की छवि न्याय समय पर ना मिले, ऐसी बनी है। मैं विश्वास के साथ बताने आया हूं आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन कानून आपको समय पर, सुलभ तरीके से, सरलता से न्याय देने का काम करेंगे।'' शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ईज ऑफ लिविंग' के लिए ढेर सारे परिवर्तन किए लेकिन इन कानूनों के अमल के साथ 'ईज ऑफ जस्टिस' के लिए भी बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। उन्होंने कहा, ''इन कानूनों के माध्यम से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दंड की जगह न्याय से प्रेरित होकर काम करेगी।''

शाह ने कहा कि पूरे देश में इन नये कानूनों का सटीक क्रियान्वयन हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के माध्यम से सभी राज्यों को इन कानूनों पर अमल में सहायता और अनुपालन में मार्गदर्शन मिल रहा है। शाह ने कहा कि अंग्रेजों द्वारा संसद में पारित पुराने कानून अंग्रेजी शासन को बचाने के लिए बने कानूनों की जगह भारतीयों द्वारा बनाए गए, भारतीय संसद में पारित हुए और भारतीयों को न्याय दिलाने वाले कानूनों की शुरुआत एक ऐतिहासिक बात है। उन्होंने कहा कि तीन नए कानून, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) तीन साल की व्यापक प्रक्रिया के बाद तैयार किए गए थे।

कनाडा की विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात के दौरान भारत-कनाडा संबंधों खास तौर पर व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में सहयोग को रेखांकित किया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल जून में हुई कनाडा यात्रा को याद करते हुए कहा कि उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ "बेहद सार्थक" बैठक की थी। बयान में कहा गया है, "प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और लोगों के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए हुए सहयोग का जिक्र किया।

मोदी ने कहा कि वह कार्नी के साथ होने वाली आगामी मुलाकातों का इंतजार कर रहे हैं। अनीता आनंद रविवार शाम नयी दिल्ली पहुंची थीं। वह तीन देशों की अपनी यात्रा के क्रम में चीन और सिंगापुर भी जाएंगी।

खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के भारत से संभावित संबंध होने से जुड़े तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद 2023 में भारत और कनाडा के बीच संबंध बेहद खराब हो गए थे। हालांकि, अप्रैल में संसदीय चुनावों में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी की जीत और उनके प्रधानमंत्री बनने के साथ ही दोनों देशों ने संबंधों को सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं। जून में कनाडा के कनानास्किस में हुए जी7 शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी और कार्नी के बीच हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी आई है।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की हालत स्थिर, अस्पताल से मिली छुट्टी

बेंगलुरु, (भाषा) पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की हालत "चिकित्सकीय रूप से स्थिर" है और उन्हें सोमवार को छुट्टी दे दी गई। उनका इलाज कर रहे अस्पताल ने यह जानकारी दी। ज

नता दल (सेक्युलर) प्रमुख 92 वर्षीय देवेगौड़ा को छह अक्टूबर को बुखार और मूत्रमार्ग में संक्रमण की जांच के लिए पिछले सप्ताह बेंगलुरु स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मणिपाल अस्पताल के अधिकारियों ने कहा, "हमारे माननीय पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की हालत चिकित्सकीय रूप से स्थिर है और उन्हें अब छुट्टी दी जा रही है।"

बाद में, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में देवेगौड़ा ने कहा कि वह जल्द ही अपने आधिकारिक कामकाजों को फिर से शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, "कुछ दिन अस्पताल में रहने के बाद मैं घर लौट आया। ईश्वर की कृपा से मेरा स्वास्थ्य स्थिर हो गया है। मैं उन चिकित्सकों का आभारी हूं जिन्होंने मेरा इलाज किया।

कफ सिरप मामला: तमिलनाडु सरकार ने दवा कंपनी का लाइसेंस रद्द किया, कंपनी बंद की

चेन्नई, (भाषा) तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी का विनिर्माण लाइसेंस पूरी तरह से रद्द कर दिया गया है, जिसने मिलावटी कफ सिरप कोलड्रिफ का कथित तौर पर उत्पादन किया था। कंपनी को अब बंद करने का आदेश भी जारी किया जा चुका है। राज्य सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी।

राज्य औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों ने एक निरीक्षण के दौरान पाया कि कफ सिरप में 48.6 प्रतिशत डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) नामक एक पदार्थ मौजूद था, जो कि एक जहरीला पदार्थ है। यह दवा मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत से कथित तौर पर जुड़ी है।

अधिकारियों ने यह भी पाया कि कंपनी में उचित अच्छी विनिर्माण प्रथाओं (जीएमपी) और अच्छी प्रयोगशाला प्रथाओं (जीएलपी) का अभाव था और उन्होंने 300 से अधिक गंभीर और बड़े उल्लंघन दर्ज किए। कंपनी के मालिक जी. रंगनाथन को हाल ही में मध्य प्रदेश के एक विशेष जांच दल ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले दिन में, प्रवर्तन

निदेशालय की एक टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के एक मामले में श्रीसन फार्मास्युटिकल्स और उसके कुछ अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की थी। सरकार ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा, ''श्रीसन फार्मास्युटिकल्स का दवा निर्माण लाइसेंस पूरी तरह से रद्द कर दिया गया है और कंपनी को बंद किया जा रहा है। तमिलनाडु स्थित अन्य दवा निर्माण कंपनियों का विस्तृत निरीक्षण करने के आदेश दिए गए हैं।''

प्रतिबंधित कोलड्रिफ कफ सिरप पीने के बाद अब तक मध्य प्रदेश के कम से कम 22 बच्चों की संदिग्ध तौर पर गुर्दे खराब होने के कारण मौत हो चुकी है। इनमें से अधिकतर छिंदवाड़ा जिले के परासिया के रहने वाले थे। कुछ अन्य बच्चों का महाराष्ट्र के नागपुर के अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। छिंदवाड़ा के कई बच्चों को उन्नत स्वास्थ्य देखभाल के लिए नागपुर के अस्पतालों में ले जाया गया था, जहां उनकी मौत हो गई थी।

'रचनात्मक विनाश' नाम की अवधारणा पर शोध के लिए तीन अर्थशास्त्रियों को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम, (एपी) आर्थिक विकास पर नवाचार के प्रभाव की व्याख्या और 'रचनात्मक विनाश' नाम की एक प्रमुख आर्थिक अवधारणा पर शोध के लिए जोएल मोकिर, फिलिप एगियन और पीटर हॉविट को सोमवार को इस साल के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई।

नोबेल समिति ने कहा कि विजेता अर्थशास्त्र के प्रति विपरीत, लेकिन पूरक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोकिर एक आर्थिक इतिहासकार हैं, जिन्होंने ऐतिहासिक स्रोतों का इस्तेमाल करके दीर्घकालिक रुझानों का गहन अध्ययन किया, जबकि हॉविट और एगियन ने यह समझाने के लिए गणित का सहारा लिया कि 'रचनात्मक विनाश' कैसे काम करता है। 'रचनात्मक विनाश' से आशय उस आर्थिक अवधारणा से है कि जब एक नया और बेहतर उत्पाद या प्रौद्योगिकी बाजार में दस्तक देती है, तो पुराने उत्पाद बेचने वाली या पुरानी प्रौद्योगिकी

का इस्तेमाल करने वाली कंपनियां घाटे में आ जाती हैं।

नीदरलैंड में जन्मे मोकिर (79) नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से, फ्रांस में जन्मे एगियन (69) कॉलेज डी फ्रांस और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से तथा कनाडा में जन्मे हॉविट (79) ब्राउन यूनिवर्सिटी से हैं। मोकिर ने समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' से बातचीत में अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जीतने पर विस्मय जाहिर किया। उन्होंने कहा, "लोग हमेशा ऐसा कहते हैं, लेकिन इस मामले में मैं सच कह रहा हूं-मुझे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि ऐसा कुछ होने वाला है।" मोकिर के मुताबिक, उनके छात्रों ने उनसे नोबेल पुरस्कार जीतने की संभावनाओं के बारे में पूछा था। उन्होंने बताया, "मैंने उनसे कहा कि मेरे अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जीतने के बजाय पोप चुने जाने की संभावना ज्यादा है... और वैसे भी मैं यहूदी हूं।"

मोकिर अगले कुछ महीने में 80 साल के हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने कहा कि उनका रिटायर होने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, "यह उस तरह का काम है, जिसे करने का मैंने सपना देखा।" एगियन ने भी नोबेल पुरस्कार जीतने पर विस्मय जाहिर किया। उन्होंने स्टॉकहोम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में फोन के माध्यम से कहा, "मैं जो महसूस कर रहा हूं, उसे शब्दों में बयां नहीं कर पा रहा हूं।"

एगियन ने कहा कि वह नोबेल पुरस्कार राशि अपनी शोध प्रयोगशाला में लगाएंगे। दुनिया में जारी व्यापार युद्धों और बढ़ते संरक्षणवाद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "मैं अमेरिका में संरक्षणवादी रवैये का स्वागत नहीं करता हूं। यह विश्व के विकास और नवाचार के लिए अच्छा नहीं है।" विजेताओं को अर्थशास्त्र की एक प्रमुख अवधारणा 'रचनात्मक विनाश' को बेहतर ढंग से समझाने और उसका परिमाणन करने का श्रेय दिया गया। कहा जाता है कि अर्थशास्त्री जोसेफ शुम्पीटर ने 1942 में अपनी किताब 'पूंजीवाद, समाजवाद और लोकतंत्र' में 'रचनात्मक विनाश' की अवधारणा पेश की थी।

अधिक मूल्य वाली फसलें उगाने, आय बढ़ाने के लिए समूह खेती पर जोर दिया

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समूह खेती की वकालत करते हुए सुझाव दिया है कि छोटे और सीमांत किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए अधिक मूल्य वाली फसलें उगाने और छोटे खेतों को मिलकर बड़ी जोत तैयार करने पर विचार करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों के साथ बातचीत की। किसानों के साथ यह संवाद 35,440 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख योजनाओं का शुभारंभ करने से पहले हुआ। इस मौके पर मोदी ने 24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपये के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया।

संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ''उन्होंने एक चरणबद्ध नजरिया अपनाने का सुझाव दिया। इसके तहत भूमि के एक हिस्से पर प्राकृतिक खेती का परीक्षण करना और बाकी पर पारंपरिक तरीकों को जारी रखना शामिल है।''विभिन्न राज्यों के कई किसानों ने प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक युवा उद्यमी ने अपनी एरोपोनिक आधारित आलू बीज खेती का प्रदर्शन किया, जिसमें आलू बिना मिट्टी के ऊर्ध्वाधर संरचनाओं में उगाए जाते हैं।

बयान के मुताबिक, इसे देखकर मोदी ने मजाकिया अंदाज में इसे 'जैन आलू' कहा, क्योंकि ऐसी उपज जैन धर्म को मानने वालों के आहार नियमों के अनुरूप हो सकती है, जो जमीन के नीचे उगने वाली सब्जियों से परहेज करते हैं।

हरियाणा के हिसार जिले के एक किसान ने बताया कि उन्होंने चार साल पहले काबुली चना उगाना शुरू किया था और अब तक प्रति एकड़ लगभग 10 क्विंटल उपज प्राप्त कर चुके हैं। मोदी ने फसल को बदलकर खेती करने के बारे में पूछा, खासकर यह कि क्या इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में मदद मिलती है और क्या दलहनी फसलों को कृषि प्रणाली में शामिल करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

जवाब में, किसान ने कहा कि ऐसी फसलों को शामिल करना फायदेमंद साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि चना जैसे दलहन उगाने से न केवल अच्छी फसल मिलती है, बल्कि मिट्टी को नाइट्रोजन से भी समृद्ध किया जाता है।

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दलहन की खेती न केवल किसानों की आय बढ़ाती है, बल्कि देश की पोषण सुरक्षा में भी योगदान देती है। बयान के अनुसार प्रधानमंत्री ने 'समूह खेती' के विचार को प्रोत्साहित किया, जहां छोटे और सीमांत किसान एक साथ आकर अपनी जमीन को साझा कर सकते हैं, और उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने तथा बाजारों तक बेहतर पहुंच पाने के लिए अधिक मूल्य वाली फसलों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।''एक किसान ने इस मॉडल का एक सफल उदाहरण देते हुए कहा कि लगभग 1,200 एकड़ में अब काबुली चना की खेती हो रही है, जिससे पूरे समूह के लिए बेहतर बाजार पहुंच और बेहतर आय प्राप्त हो रही है।

मोदी ने सरकार द्वारा बाजरा और ज्वार जैसे मोटे अनाज (श्री अन्न) को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की, खासकर पानी की कमी वाले क्षेत्रों में। उन्होंने कहा, ''जहां पानी की कमी है, वहां बाजरा जीवन रेखा है। बाजरे का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है।'' एक स्वयं सहायता समूह की महिला किसान ने 2023 में समूह में शामिल होने और अपनी पांच बीघा जमीन पर मूंग की खेती शुरू करने का अपना अनुभव साझा किया।

ईपीएफओ से अब 100 प्रतिशत तक की निकासी कर सकेंगे सदस्य, न्यासी मंडल ने दी मंजूरी

नयी दिल्ली, (भाषा) कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को अपने सात करोड़ से अधिक सदस्यों को आंशिक निकासी के नियमों में बड़ी छूट देते हुए पात्र राशि के 100 प्रतिशत तक की निकासी की मंजूरी दे दी। सेवानिवृत्ति कोष निकाय के केंद्रीय न्यासी मंडल (सीबीटी) की बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने की। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि अब ईपीएफओ के अंशधारक सदस्य भविष्य निधि में कर्मचारी एवं नियोक्ता के हिस्से सहित पात्र शेष राशि का 100 प्रतिशत तक निकाल सकेंगे।

इसके साथ आंशिक निकासी के जटिल 13 प्रावधानों को आसान बनाने हुए अब तीन श्रेणियों में शामिल कर दिया गया है। इनमें आवश्यक जरूरतें (बीमारी, शिक्षा, विवाह), आवासीय जरूरतें और विशेष परिस्थितियां शामिल हैं।b शिक्षा और विवाह के लिए निकासी की सीमा क्रमशः 10 और पांच बार कर दी गई है। विशेष परिस्थितियों में निकासी के लिए अब कारण बताने की भी जरूरत नहीं होगी, जिससे कई दावे अब अस्वीकार नहीं होंगे।

इसके अलावा सभी आंशिक निकासी के लिए न्यूनतम सेवा अवधि को भी अब घटाकर 12 महीने कर दिया गया है। ईपीएफओ ने यह भी तय किया है कि सदस्यों को अपनी अंशदान राशि का 25 प्रतिशत न्यूनतम शेष राशि के रूप में हमेशा बनाए रखना होगा। इससे सदस्य उच्च वार्षिक ब्याज सहित चक्रवृद्धि लाभ के जरिये अपने लिए बड़े सेवानिवृत्ति कोष का निर्माण कर सकेंगे।

साथ ही, पूर्व निकासी की अवधि भी बढ़ा दी गई है। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के परिपक्वता-पूर्व अंतिम निपटान की अवधि को दो महीने से बढ़ाकर 12 महीने और अंतिम पेंशन निकासी अवधि को दो महीने से बढ़ाकर 36 महीने कर दिया गया है।आंशिक निकासी के नियमों को उदार बनाने की इस पहल से सदस्य सेवानिवृत्ति के लिए की गई बचत या पेंशन अधिकारों से कोई समझौता किए बगैर अपनी तात्कालिक वित्तीय जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।ईपीएफओ के न्यासी मंडल ने 'विश्वास योजना' भी लागू करने का फैसला किया है जिसका उद्देश्य भविष्य निधि अंशदान में विलंब पर लगने वाले दंड को कम करना और लंबित मुकदमों को समाप्त करना है।

'विश्वास योजना' के तहत, अर्थदंड की दर को एक प्रतिशत प्रति माह तक सीमित कर दिया गया है। यह योजना छह महीने के लिए लागू होगी और जरूरत पड़ने पर छह महीने के लिए आगे बढ़ाई जा सकती है। इसके अलावा सीबीटी ने 'इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक' के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) को भी मंजूरी दी, जिससे कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (ईपीएस-95) पेंशनधारकों को घर पर ही 'डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र' (डीएलसी) जारी किया जा सकेगा। प्रत्येक प्रमाणपत्र का शुल्क मात्र 50 रुपये होगा, जिसे ईपीएफओ वहन करेगा।

इसके साथ ईपीएफओ 3.0 पहल के तहत भविष्य निधि सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए सदस्य-केंद्रित डिजिटल परिवर्तन की रूपरेखा को भी मंजूरी दी गई। इसमें कोर बैंकिंग समाधान को क्लाउड एवं एपीआई-आधारित मॉड्यूल से जोड़ा जाएगा।

इसका उद्देश्य तेजी से, स्वचालित दावे, तुरंत निकासी, बहुभाषी स्वयं-सेवा और सहज पेरोल-संबद्ध योगदान सुनिश्चित करना है। केंद्रीय न्यासी मंडल ने ईपीएफओ के ऋण पोर्टफोलियो के लिए चार कोष प्रबंधकों का पांच साल के लिए चयन भी मंजूर किया, ताकि निवेश की विविधता और सदस्यों के भविष्य निधि बचत पर रिटर्न सुनिश्चित किया जा सके। मांडविया ने बैठक के दौरान ईपीएफओ की प्रमुख डिजिटल पहल का उद्घाटन किया, जिससे सेवा वितरण में पारदर्शिता, दक्षता और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव सुनिश्चित होगा। श्रम मंत्रालय ने कहा कि इस निर्णय से ईपीएफओ के सदस्यों को वित्तीय सुरक्षा के साथ आधुनिक, डिजिटल और आसान सेवाओं का लाभ मिलेगा।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध की चिंता से शेयर बाजार में गिरावट

नयी दिल्ली, (भाषा) स्थानीय शेयर बाजार में दो कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 174 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 50 अंक की गिरावट आई। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच आईटी तथा दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीनी वस्तुओं पर एक नवंबर से 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा से वैश्विक बाजारों में गिरावट आई, जिसका असर घरेलू बाजार पर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 173.77 अंक यानी 0.21 प्रतिशत टूटकर 82,327.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 457.68 अंक तक लुढ़क गया था।

पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 58 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,227.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे अधिक 2.67 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट अलग हुए वाणिज्यिक वाहन कारोबार में शेयर प्राप्त करने के लिए शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि से एक दिन पहले हुई। इसके अलावा, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं।

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एक्सिस बैंक शामिल हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''अमेरिका-चीन के बीच नए सिरे से बढ़ते व्यापार तनाव ने सोमवार के शुरुआती कारोबार में मुनाफावसूली को बढ़ावा दिया। यह निवेशकों की बढ़ी हुई सतर्कता को बताता है। हालांकि, इस सप्ताह भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के अमेरिका की यात्रा की खबरों ने बाजार की धारणा को बेहतर बनाया है। इससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में संभावित सफलता और बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते के सफल समापन को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं।''

छोटी कंपनियों से जुड़े बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 0.43 प्रतिशत और मझोली कंपनियों के मिडकैप में 0.18 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई में सूचीबद्ध 2,627 शेयरों में गिरावट आई, जबकि 1,664 शेयरों में तेजी आई। वहीं 168 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''शुल्क वृद्धि की चिंताओं...खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की संभावना संबंधी बयान के बाद...ने वैश्विक इक्विटी बाजारों में जोखिम से बचने के रुख को बढ़ावा दिया। इससे घरेलू बाजार में धारणा प्रभावित हुई।''एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। अवकाश के कारण जापान के बाजार बंद रहे। यूरोप के बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका में वित्तपोषण की समस्या के कारण कुछ विभागों में कामकाज ठप (शटडाउन) होने और अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते व्यापार तनाव के कारण पूरे एशिया में जोखिम से बचने की धारणा देखने को मिली। इसके कारण घरेलू बाजार में सप्ताह की शुरुआत सतर्कता के साथ हुई।''

सहारा समूह की संपत्तियां अदाणी प्रॉपर्टीज को बेचने से संबंधित याचिका पर होगी सुनवाई

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) की महाराष्ट्र में एम्बी वैली और लखनऊ में सहारा शहर समेत विभिन्न संपत्तियों को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति मांगने वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करेगा।

उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश की विशेष पीठ मंगलवार को दोपहर दो बजे याचिका पर सुनवाई करेगी। एक वकील ने सहारा समूह की एक कंपनी के कर्मचारियों का वेतन जारी करने की मांग वाली एक अलग याचिका पर सुनवाई का सोमवार को अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सहारा कम्युनिकेशंस के कर्मचारियों का वेतन 2014 से ही रुका हुआ है।

सहारा संपत्तियों के एक खरीदार की ओर से पेश हुए एक अन्य वकील ने एक शीर्ष अदालत से उस याचिका को भी सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया जिसमें बाजार नियामक सेबी को कुछ संपत्तियों की बिक्री से संबंधित दस्तावेज जारी करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

एसआईसीसीएल ने महाराष्ट्र में एम्बी वैली और लखनऊ में सहारा शहर सहित विभिन्न संपत्तियों को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति मांगते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। अधिवक्ता गौतम अवस्थी के माध्यम से दायर याचिका में 'सहारा समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को छह सितंबर, 2025 की 'टर्म शीट' में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने की' अनुमति मांगी गई है।

सहारा समूह से संबंधित लंबित मामलों में दायर अंतरिम आवेदन में कहा गया है कि एसआईसीसीएल और सहारा समूह अदालती मंजूरी मिलने के बाद बड़ी कठिनाई से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए हैं। इससे हासिल राशि को बाजार नियामक सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया गया। इसमें कहा गया कि ''कुल 24,030 करोड़ रुपये की मूल राशि में से, सहारा समूह ने अपनी चल एवं अचल संपत्तियों की बिक्री/परिसमापन के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की है और उसे सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया है।''

सोना 1,950 रुपये बढ़कर 1,27,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर, चांदी का भी नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, (भाषा) अमेरिका-चीन के बीच नए व्यापारिक तनाव के बीच सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतें 1,950 रुपये बढ़कर 1,27,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार को 1,26,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,950 रुपये बढ़कर 1,27,350 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,25,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषण (जिंस और मुद्रा) के उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''अमेरिका-चीन के बीच नए व्यापारिक तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग में फिर से तेजी आने से सोने की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।'' अमेरिकी प्रशासन द्वारा चुनिंदा चीनी उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क वृद्धि की घोषणा और चीन द्वारा दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की धमकी ने वैश्विक अनिश्चितता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है। त्रिवेदी ने कहा, ''यह भू-राजनीतिक तनाव, साथ ही सुरक्षा चाहने वाले निवेशकों की निरंतर मांग से सोना मजबूत हो रहा है।''सर्राफा संघ के अनुसार, हाजिर बाजारों में चांदी की कीमतों में भी ज़बर्दस्त तेजी देखी गई। सोमवार को यह 7,500 रुपये की छलांग के साथ 1,79,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। शुक्रवार को यह 1,71,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना लगभग दो प्रतिशत बढ़कर 4,084.99 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

कर्तव्य परायण शिक्षक स्वत: सिद्ध शिक्षण केंद्र है उसके समीप बैठना ही शिक्षा है: विनोबा भावे

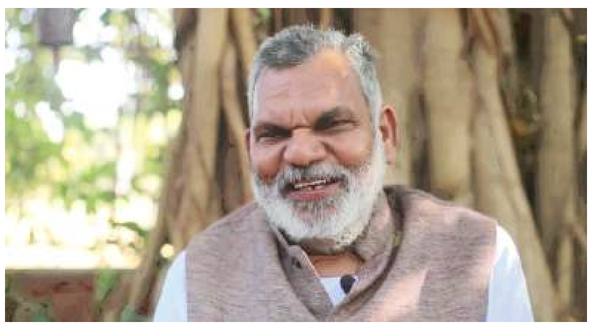

शिक्षकों को पहले आचार्य ही कहा जाता था।आचार्य अर्थात आचारवान। स्वयं आदर्श जीवन का आचरण करते हुए राष्ट्र से उसका आचरण सुंदर ढंग से करा लेनेवाला ही आचार्य होता है। ऐसे आचार्यों के पुरुषार्थ से ही राष्ट्रों का निर्माण हुआ है। हिंदुस्तान की नई रचना ऐसे ही आचारवान शिक्षकों के बिना संभव नहीं। बाबा की प्रमुख चिंता यही थी कि राष्ट्र का सुशिक्षित वर्ग आज निष्प्रभ और अत्यंत निष्क्रिय होता जा रहा है। इसका एक मात्र उपाय राष्ट्रीय शिक्षण की आग सुलगाना ही है। पर वह अग्नि होनी चाहिए। अग्नि की दो शक्तियां मानी गयी हैं। एक स्वाहा और दूसरी स्वधा।

ये दोनों शक्तियां जहां हैं वहां अग्नि है। स्वाहा का अर्थ है_ आत्माहुति देने की,आत्मत्याग की शक्ति। स्वधा का अर्थ है_ आत्म_ धारणा की शक्ति। ये दोनों शक्तियां हमारे राष्ट्रीय शिक्षण में जागृत होनी चाहिए। इन शक्तियों के जागृत होने पर ही वह राष्ट्रीय शिक्षण कहलाएगा। बाकी सब मृत,निर्जीव एवं कोरा शिक्षण है। बाबा कहते थे कि ऊपर_ऊपर से दिखाई देता है कि अब तक हमारे राष्ट्रीय शिक्षकों ने बड़ा आत्मत्याग किया है। बाबा कहते थे कि फुटकर स्वार्थ_त्याग अथवा गर्भित_त्याग के मानी आत्मत्याग नहीं है। उसकी अपनी कसौटी होती है। जहां आत्मत्याग की शक्ति होती है वहां आत्मधारणा की शक्ति भी होती है। आत्मधारणा की शक्ति अगर न हुई , तो कोई किसलिए त्याग करेगा? जो आत्मा अपने को खड़ा नहीं रख सकता, वह कूदेगा कैसे? मतलब आत्मत्याग की शक्ति में आत्मधारणा पहले से ही शामिल है। यह आत्मधारणा की शक्ति स्वधा राष्ट्रीय शिक्षकों ने अभी तक सिद्ध नहीं की है। इसलिए आत्म_ त्याग करने का जो आभास हुआ,वह आभास मात्र ही है। पहले स्वधा उसके बाद स्वाहा। राष्ट्रीय शिक्षण को अर्थात राष्ट्रीय शिक्षकों को अब स्वधा संपादन की तैयारी करनी चाहिए। शिक्षकों को केवल शिक्षण की भ्रामक कल्पना छोड़कर स्वतंत्र जीवन की जिम्मेदारी,जैसी कि किसानों पर होती है,अपने ऊपर लेनी चाहिए और विद्यार्थियों को भी उसमें उत्तरदायित्व पूर्वक भाग लेकर उसके चारो ओर शिक्षण की रचना करनी चाहिए, अथवा अपने_आप होने देनी चाहिए। इसी में थोड़ा स्वतंत्र समय प्रार्थना स्वरुप वेदाभ्यास के लिए भी रखना चाहिए। प्रत्येक कर्म ईश्वर की उपासना का ही हो, फिर भी सुबह शाम उपासना के लिए देना ही पड़ता है। यही न्याय वेदाभ्यास अथवा शिक्षण पर लागू करना चाहिए। जीवन की जिम्मेदारी के काम ही दिन के मुख्य भाग में करने चाहिए, और इन सभी को शिक्षण का ही काम समझना चाहिए।साथ ही एक दो घंटे शिक्षण के निमित्त भी देना चाहिए। बाबा बताते थे कि राष्ट्रीय जीवन कैसा होना चाहिए? इसका आदर्श अपने जीवन में उतारना राष्ट्रीय शिक्षक का कर्तव्य है। यह कर्तव्य करने से उसके जीवन में अपने आप उसके आसपास शिक्षा की किरणें फैलेंगी और उन किरणों के प्रकाश से आसपास के वातावरण का काम अपने आप हो जाएगा।

इस प्रकार का शिक्षक स्वतःसिद्ध शिक्षण केंद्र है। उसके समीप रहना ही शिक्षण पाना है। मनुष्य को पवित्र जीवन बिताने का ध्यान रखना चाहिए। शिक्षा की फिक्र रखने के लिए वह जीवन ही समर्थ है। उसके लिए केवल शिक्षण की लालच रखने की जरूरत नहीं। आज श्रद्धेय गौतम भाई जी ने गुरुबोध सार वर्ग में बताया कि बाबा की मां बाबा से कहती थीं कि विन्या कड़क बनो ढीले नहीं। मिट्टी सरल होती है तो उसे हांथ से भी खोद डालते है। इसका सार कहती थीं कि नारियल बनो टमाटर नहीं। फल प्राप्त करने में कुछ परिश्रम करना पड़े, छूते ही फूट जाना यह ठीक नहीं।

क्राफ्टरूट मेला 2025 ने रचा सफलता का नया इतिहास, पहले दिन ही बिक्री पहुँची एक करोड़ पार

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

लखनऊ के ऐतिहासिक बारादरी प्रांगण में गुजरात की प्रसिद्ध संस्था क्राफ्टरूट द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय क्राफ्टरूट मेला 2025 इस बार भी अपने भव्य स्वरूप और अभूतपूर्व सफलता के कारण चर्चा का केंद्र बना हुआ है। 10 अक्टूबर से प्रारंभ हुए इस मेले का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के माननीय उद्योग मंत्री श्री नंद गोपाल नंदी जी के कर कमलों द्वारा एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

क्राफ्टरूट संस्था का उद्देश्य देशभर के हस्तशिल्प और कारीगरों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपने उत्पादों को सीधे बाजार तक पहुँचा सकें। संस्था की प्रमुख संचालिका श्रीमती अनारबेन पटेल ने बताया कि इस बार मेले में देश के 22 राज्यों के कारीगर अपने हस्तनिर्मित उत्पाद लेकर पहुँचे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लखनऊवासियों के उत्साह ने इस प्रदर्शनी को नई ऊँचाइयाँ दी हैं, क्योंकि पहले ही दिन की बिक्री एक करोड़ रुपये के पार पहुँच गई, जो क्राफ्टरूट के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। श्रीमती पटेल ने बताया कि इस प्रदर्शनी की सफलता में श्रीमती गीता देसाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जो पूरे वर्ष इस आयोजन की योजना तैयार करती हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आगामी क्राफ्टरूट मेले का आयोजन भोपाल और कोच्चि (केरल) में किया जाएगा।

इस मेले को उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का भी आशीर्वाद प्राप्त हुआ है, जिनके संरक्षण में देशभर में ऐसे आयोजन निरंतर हो रहे हैं। लखनऊ की जनता हर वर्ष इस मेले की प्रतीक्षा करती है, जहाँ परंपरा, कला और संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिलता है। 14 अक्टूबर को इस भव्य मेले का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा, जो इस सांस्कृतिक पर्व का यादगार समापन होगा।

म्यूचुअल फंड योजनाओं के ट्रस्टी एक चेतावनी प्रणाली विकसित करें: सेबी प्रमुख

मुंबई, (भाषा) बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को म्यूचुअल फंड कंपनियों के ट्रस्टी से निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए ऐसी सशक्त 'त्वरित चेतावनी प्रणाली' विकसित करने को कहा, जो अनियमितताओं का शीघ्र पता लगाकर समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित कर सके। पांडेय ने यहां 'लीडरशिप डायलॉग फॉर ट्रस्टीज ऑफ म्यूचुअल फंड्स' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रस्टी म्यूचुअल फंड प्रणाली की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने की पहली पंक्ति हैं। ऐसे में ट्रस्टी को सेबी की पहल के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता बने रहने के बजाय सक्रिय रूप से निवेशकों की सुरक्षा में भागीदारी करनी चाहिए।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख ने कहा, ''जब जरूरत हो, ट्रस्टी के पास सवाल उठाने, मामले को आगे बढ़ाने और जरूरी होने पर दखल देने का अधिकार है। यह अधिकार उनके ऊपर निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए निडर और निर्णायक कदम उठाने का नैतिक दायित्व भी डालता है।'' सेबी प्रमुख ने ट्रस्टी को निवेशकों के भरोसे की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनकी भूमिका औपचारिक न होकर नैतिक एवं संस्थागत है, जो सतत निगरानी और जवाबदेही की मांग करती है।

पांडेय ने ट्रस्टी से ऐसी प्रणाली विकसित करने को कहा जो अनियमितताओं एवं खामियों का पता लगाएं और समय पर कदम उठाने में मदद करें। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रस्टी को डेरिवेटिव, ईएसजी निवेश, वैकल्पिक परिसंपत्तियों और जोखिम विश्लेषण जैसे नए क्षेत्रों की समझ बढ़ानी होगी और इसके लिए निरंतर प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि म्यूचुअल फंड उद्योग के नए क्षेत्रों—जैसे पैसिव फंड, अंतरराष्ट्रीय निवेश, टोकनाइज्ड एसेट्स और एआई-आधारित पोर्टफोलियो प्रबंधन में विस्तार के साथ ट्रस्टी की भूमिका अधिक रणनीतिक होती जा रही है।

चौहान ने अधिकारियों को रबी सत्र के लिए समय पर उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

नयी दिल्ली, (भाषा) कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को अपने मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आने वाले महीनों में रबी (सर्दियों) की फसलों की बुवाई शुरू होने के साथ ही उर्वरकों की ''सुचारू और समय पर'' आपूर्ति सुनिश्चित करें। एक समीक्षा बैठक में, चौहान ने अधिकारियों को किसी भी व्यवधान को रोकने के लिए रसायन और उर्वरक मंत्रालय के साथ निकट समन्वय स्थापित करने को भी कहा। देश के कुछ हिस्सों में मुख्य रबी फसल गेहूं की बुवाई शुरू हो गई है। कृषि मंत्री ने खरीफ फसलों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेते हुए रबी बुवाई की तैयारियों की समीक्षा की। मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि जहां अत्यधिक वर्षा ने कुछ क्षेत्रों में फसलों को प्रभावित किया है, वहीं अन्य क्षेत्रों को अच्छे मानसून से लाभ हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप फसलों की अच्छी वृद्धि हुई है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि इससे ''रबी की बुवाई और समग्र उत्पादन को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है।'' देश भर में जलाशयों का भंडारण स्तर पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। मंत्री ने कहा कि अभी तक, 161 प्रमुख जलाशयों में पिछले वर्ष के संग्रहण का 103.51 प्रतिशत और 10 वर्षों के औसत संग्रहण का 115 प्रतिशत जल है, जो ''कृषि उत्पादकता के लिए सकारात्मक परिदृश्य'' को दर्शाता है। खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 6.51 लाख हेक्टेयर बढ़कर 1,121.46 लाख हेक्टेयर हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि टमाटर और प्याज की बुवाई सुचारू रूप से चल रही है। प्याज की खेती का रकबा फसल वर्ष 2024-25 के 3.62 लाख हेक्टेयर से बढ़कर अब 3.91 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि आलू का रकबा उक्त अवधि के 35 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 43 हजार हेक्टेयर हो गया है। इस वर्ष टमाटर खेती का रकबा पिछले वर्ष के 1.86 लाख हेक्टेयर से बढ़कर अब 2.37 लाख हेक्टेयर हो गया है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सरकारी गोदामों में चावल और गेहूं का स्टॉक निर्धारित बफर मानदंडों से अधिक है, जो स्थिर आपूर्ति स्थिति का संकेत देता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने छठ पूजा की तैयारियों पर नजर रखने के लिए समिति गठित की

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा उत्सव की तैयारियों की निगरानी के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

एक अधिकारिक बयान के अनुसार, कला, संस्कृति और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समिति छठ पूजा के आयोजन के लिए उपयुक्त स्थानों को चिह्नित करेगी और सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा, स्वच्छता, परिवहन और समग्र सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करेगी।

कपिल मिश्रा के नेतृत्व वाली समिति के सदस्यों में लक्ष्मी नगर के विधायक अभय कुमार वर्मा, संगम विहार के विधायक चंदन कुमार चौधरी, मटियाला के विधायक संदीप सहरावत और बादली के विधायक दीपक चौधरी शामिल हैं।

मिश्रा ने कहा, ''छठ पूजा न केवल पूर्वांचल की बल्कि दिल्ली की भी सांस्कृतिक पहचान है। यह हमारी सामूहिक आस्था और एकता का प्रतीक है। दुर्भाग्य से, पिछली सरकारों ने जानबूझकर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था की अवहेलना की।''

मंत्री ने कहा, ''हालांकि, इस बार दिल्ली सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में त्योहार मनाए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, प्रकाश और चिकित्सा सुविधाओं की बेहतरीन व्यवस्था हो।''

मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं और दिल्लीवासियों से इस त्योहार में उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लेने के साथ स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस बार छठ पूजा और भी भव्यता के साथ मनाई जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष यह उत्सव शहर भर में लगभग 1,000 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इनमें यमुना नदी के किनारे, मुनक नहर और कई कृत्रिम तालाब शामिल होंगे।

अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने संबंधित विभागों को सभी स्थलों पर साफ-सफाई, पानी का छिड़काव, सुरक्षा और बेहतर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग को त्योहार के मद्देनजर स्वच्छ जल सुनिश्चित करने के लिए यमुना से जलकुंभी हटाने का काम सौंपा गया है।

राहुल गांधी मंगलवार को पूरण कुमार के परिवार से कर सकते हैं मुलाकात

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कथित तौर पर खुदकुशी करने वाले भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी वाई पूरण कुमार के परिवार से मंगलवार को मुलाकात कर सकते हैं।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि मंगलवार शाम राहुल गांधी का चंडीगढ़ पहुंचने का कार्यक्रम है, जहां वह कुमार के परिजन से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाएंगे। इससे पहले, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुमार की पत्नी अमनीत कुमार को पत्र लिखकर संवेदना जताई थी।

कुमार 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने सात अक्टूबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मार ली थी। कुमार को हाल ही में रोहतक के सुनारिया स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के महानिरीक्षक के रूप में तैनात किया गया था।

कांग्रेस ने केरल में युवक की 'आत्महत्या' मामले में आरएसएस के खिलाफ प्राथमिकी की मांग की

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस ने केरल में एक युवक की कथित आत्महत्या के मामले को लेकर सोमवार को केंद्र और राज्य की वाम मोर्चा सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि प्राथमिकी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का नाम क्यों नहीं है, जबकि युवक ने 'सुसाइड नोट' में इस संगठन का नाम लिया है।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि ''यौन शोषण के शिकार'' 26 वर्षीय आनंदु अजी की मौत के मामले की प्राथमिकी में आरएसएस का नाम शामिल होना चाहिए तथा समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उस पर फर्जी कहानी गढ़ने और इस मामले को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।

इस मामले में आरएसएस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''आनंदु अजी के साथ बचपन से जो हुआ, उससे वह 22 साल तक लड़ता रहा, लेकिन आखिर में उसने हार मान ली और जान दे दी...आरएसएस की स्थापना का 100 साल मनाया जा रहा है, सिक्का जारी हो रहा है, डाक टिकट जारी हो रहा है और अंदर कुछ और ही चल रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम आनंदु अजी और ऐसे लाखों बच्चों को न्याय दिलाना चाहते हैं, तो हमें इस संगठन को बेनकाब करना होगा।''

खेड़ा ने कहा कि आरएसएस की जांच होनी चाहिए और आरोपियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि समाज में इस तरह की संस्था चलाने वालों के लिए उदाहरण बन जाए।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को दावा किया था कि तकनीकी विशेषज्ञ अजी ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरएसएस के कई सदस्यों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले की गहन जांच होनी चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरुप्रकाश ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्य विपक्षी दल हमेशा दलित विरोधी और वंचित विरोधी रहा है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस इस मामले को राजनीतिक रंग देने और कहानी गढ़ने की कोशिश कर रही है।

बुजुर्गों को सम्मोहित कर लूटने के आरोप में 'लिफाफा गिरोह' के तीन सदस्य गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली में बुजुर्ग नागरिकों को लिफ्ट देने, सम्मोहित करने और उनके आभूषण व नकदी लूटकर उनकी जगह नकली आभूषण रख देने के आरोप में 'लिफाफा गिरोह' के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान रोशन (52), सागर (35) और दीपक (43) के रूप में हुई है। सभी आरोपी दिल्ली के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार, तीनों लोग फर्जी नंबर प्लेट वाली कार में यात्रा करते थे और अकेले यात्रा कर रहे वरिष्ठ नागरिकों को लिफ्ट देकर निशाना बनाते थे।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हरि नगर पुलिस थाने में 18 जुलाई को एक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें एक महिला ने आरोप लगाया था कि तीन लोगों ने उसे अपनी कार में लिफ्ट देने की पेशकश की, उसे सम्मोहित किया और उसके सोने के झुमके और चार हजार रुपये नकद छीन लिए।''

बाद में उसे पता चला कि उसे जो लिफाफा दिया गया था, उसमें उसके कीमती सामान की बजाय नकली आभूषण थे।

शिकायत के बाद, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और संदिग्धों का पता लगाने के लिए स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) तकनीक का इस्तेमाल किया। अपराध में इस्तेमाल की गई कार का रजिस्ट्रेशन नंबर फर्जी पाया गया।

पुलिस को 11 अक्टूबर को स्वर्ग आश्रम रोड के पास गिरोह की गतिविधि के बारे में सूचना मिली। उन्होंने बताया कि जाल बिछाया गया और रात करीब आठ बजकर 15 मिनट पर थोड़ी देर पीछा करने के बाद उनकी कार को रोक लिया गया। तीनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

पुलिस ने कार की मूल नंबर प्लेट, 22 कागज के लिफाफे, नकली आभूषण और अपराध में प्रयुक्त कार अपने कब्जे में लीं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 24 मई को हरि नगर पुलिस थाने में दर्ज एक अन्य मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

पुलिस के अनुसार, कार का मालिक रोशन पहले भी हत्या समेत 12 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और वह अस्थायी वाहन चालक है। सागर पर 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि दीपक के खिलाफ एक मामला दर्ज है और वह ठेके पर हाउसकीपर का काम करता है।

अधिकारी ने कहा, ''उन्होंने कबूल किया कि वे आसानी से पैसा कमाने के लालच में आ गए थे और इसी तरीके से उन्होंने बुजुर्गों को निशाना बनाना शुरू किया था।'' उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है।

चैतन्यानंद मामले में अदालत ने कहा, पीड़ितों की संख्या के कारण अपराध की गंभीरता कई गुना बढ़ गई

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को स्वयंभू धर्मगुरु चैतन्यानंद सरस्वती की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पीड़ितों की संख्या के कारण अपराध की गंभीरता कई गुना बढ़ गई है।

सरस्वती उस मामले में न्यायिक हिरासत में है जिसमें उस पर 17 छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोप है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीप्ति देवेश ने कार्यवाही के दौरान कहा कि वर्तमान चरण में जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता। उन्होंने याचिका पर सुनवाई 27 अक्टूबर तक स्थगित कर दी। बचाव पक्ष के वकील ने जोर दिया कि सरस्वती को इस मामले में फंसाया गया है। इस पर न्यायाधीश ने मौखिक टिप्पणी में कहा, ''पीड़ितों की संख्या के कारण अपराध की गंभीरता कई गुना बढ़ जाती है।''

इससे पहले, आरोपी के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को झूठा फंसाया गया और पीड़ित लड़कियों को धमकी देकर झूठा मामला दर्ज कराया गया।

न्यायाधीश ने कहा, ''आप कह रहे हैं कि उसे (आरोपी को) फंसाया गया है। लेकिन पीड़ित तो 16 हैं। एक, दो या शायद तीन को भी उकसाना संभव है, लेकिन सभी 16 को कैसे राजी किया जा सकता है?''

सरस्वती के वकील ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 232 (किसी व्यक्ति को झूठा साक्ष्य देने के लिए धमकाना) को छोड़कर सभी कथित अपराध जमानती हैं और इस अपराध, जिसे बाद में जांच के दौरान जोड़ा गया, में अधिकतम तीन साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यहां एक निजी प्रबंधन संस्थान के पूर्व अध्यक्ष सरस्वती को कथित अपराधों से जोड़ने वाला कोई तथ्य नहीं है और बीएनएस धारा 232 का मामला नहीं बनता। वकील ने कहा, ''आरोप हैं कि उन्होंने होली पर अपने शिष्यों पर रंग डाला और उनसे हाथ मिलाया। कृपया आरोपों पर गौर करें। कोई यौन अपराध नहीं है।''

न्यायाधीश ने जवाब दिया, ''सभी 16 पीड़ितों के बयान। क्या वे ठोस सबूत नहीं हैं?''

कार्यवाही के दौरान, निजी प्रबंधन संस्थान के वकील ने अदालत को बताया कि सरस्वती के दुष्कर्म के बारे में भारतीय वायु सेना की एक महिला ग्रुप कैप्टन से ईमेल मिलने के बाद वर्तमान मामला सामने आया।

जांच अधिकारी (आईओ) ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ताओं के व्हाट्सएप चैट उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि उनके मोबाइल फोन में ''संदेश हटा देने'' की सुविधा थी, और संवाद के केवल स्क्रीनशॉट हैं।

जांच अधिकारी ने कहा, ''तीन महिलाएं भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने छात्राओं पर संवाद को डिलीट करने का दबाव बनाया।''

अदालत द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या तीनों महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है, जांच अधिकारी ने कहा कि उन्हें केवल ''निरूद्ध'' किया गया है। इसके बाद अदालत ने सरस्वती के वकील के अनुरोध पर ज़मानत याचिका पर सुनवाई 27 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

दिल्ली में नकली इंजन ऑयल निर्माण इकाई का भंडाफोड़, सरगना सहित पांच गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल ब्रांड के लेबल के तहत नकली लुब्रिकेंट तेल बनाने और पैक करने वाली एक अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ करने का दावा किया है और इसके सरगना को गिरफ्तार किया है।

एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया, ''करीब 4,000 लीटर नकली तेल के साथ-साथ 'सील', 'गर्म' और 'लेबल' करने के कार्यों में इस्तेमाल होने वाली मशीनें भी जब्त की गईं। आरोपी स्थानीय बाजारों से कच्चा तेल और पैक करने के लिए सामग्री खरीदते थे और नकली 'लुब्रिकेंट' को वर्कशॉप और खुदरा विक्रेताओं को रियायती दामों पर बेचते थे।''

उन्होंने बताया कि शाहदरा निवासी आरोपी नवीन सिंघल (50) उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी स्थित एक परिसर में चार मजदूरों के साथ फैक्ट्री संचालित कर रहा था। सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस के एक दल ने एक निजी कंपनी के प्रतिनिधि की उपस्थिति में परिसर पर छापा मारा और बड़े पैमाने पर जालसाजी का कारोबार पकड़ा।

पुलिस ने बताया कि यह इकाई प्रमुख ब्रांडों के नकली 'कंटेनर', 'स्टिकर' और 'होलोग्राम' का उपयोग करके घटिया लुब्रिकेंट तेल को वापस भरने (रिफिल) करने और पैक करने में लगी हुई थी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी स्टॉक को असली या जरूरत से ज्यादा बताकर बेचते थे। यह गिरोह हर महीने लगभग 8,000 से 10,000 लीटर नकली तेल बनाता था और लगभग पांच लाख रुपये कमाता था।

पुलिस ने बताया कि सिंघल 2004 से इसी तरह के अवैध व्यापार में संलिप्त है और उसके खिलाफ उत्तर-पूर्वी दिल्ली में तीन मामले दर्ज हैं, जिनमें से दो मामले कॉपीराइट अधिनियम के तहत दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है।

उत्पीड़न की शिकायत के चलते एम्स-दिल्ली के हृदय रोग सर्जरी विभाग के प्रमुख को हटाया गया

नयी दिल्ली, (भाषा) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-दिल्ली ने यौन शोषण के आरोपों के चलते डॉ. ए .के बिसोई को हृदय रोग सर्जरी विभाग (सीटीवीएस) विभाग के प्रमुख के पद से हटा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एक महिला नर्स द्वारा डॉ. बिसोई के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत की जांच लंबित है।

सूत्रों के अनुसार, एम्स नर्सिंग यूनियन ने संस्थान के निदेशक और प्रधानमंत्री कार्यालय में डॉ. बिसोई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। डॉ. बिसोई पर कार्यस्थल पर कर्मचारियों को धमकाने और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि डॉ. बिसोई महिला कर्मचारियों को निशाना बनाते हुए 'अश्लील, गैर-पेशेवर और अपमानजनक भाषा' का बार-बार इस्तेमाल करते थे।

एम्स प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से कार्डियो थोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग का प्रभार वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वी देवगौरू को सौंप दिया है।

एम्स की ओर से 11 अक्टूबर को जारी एक ज्ञापन के मुताबिक, ''सीटीवीएस विभाग की एक महिला नर्सिंग अधिकारी की ओर से दिनांक 30.09.2025 को विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. बिसोई के खिलाफ प्राप्त की गयी शिकायत के मद्देनजर निदेशक ने सीटीवीएस विभाग के प्रमुख का प्रभार सीटीवीएस के प्रोफेसर डॉ. वी. देवगौरू को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक सौंप दिया है। एम्स नर्सिंग यूनियन की ओर से भी डॉ. बिसोई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। '' एम्स नर्सिंग यूनियन ने नौ अक्टूबर को पीएमओ को दी शिकायत में कहा कि डॉ. बिसोई महिला नर्सिंग स्टाफ और नर्सिंग बिरादरी को निशाना बनाते हुए बार-बार अश्लील, गैर-पेशेवर और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे।

बिहार चुनाव: निर्वाचन आयोग ने पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम का वितरण शुरू किया

नयी दिल्ली, (भाषा) इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रभाव क्षमता में उम्मीदवारों का विश्वास बढ़ाने के लिए, निर्वाचन आयोग ने छह नवंबर को होने जा रहे बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण से पहले ईवीएम और पेपर ट्रेल इकाइयों का किसी पूर्व निर्धारित क्रम के बिना वितरण शुरू कर दिया है।

आयोग की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा ईवीएम प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के माध्यम से किसी पूर्व निर्धारित क्रम के बिना (रैंडमाइजेशन) मशीनों का वितरण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा दूसरा वितरण मंगलवार को किया जाएगा।

चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि प्रथम 'रैंडमाइजेशन' के बाद कुल 54,311 बैलट यूनिट (बीयू), 54,311 नियंत्रण यूनिट (सीयू) और 58,123 वीवीपीएटी (वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) यूनिटों को 45,336 मतदान केंद्रों वाले 121 विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी पूर्व निर्धारित क्रम के आवंटित किया गया।

बिना किसी पूर्व निर्धारित क्रम वाली ईवीएम और वीवीपीएटी की निर्वाचन क्षेत्रवार सूची सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उनके संबंधित जिला मुख्यालयों पर साझा की गई। इन ईवीएम और वीवीपैट को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संबंधित विधानसभा के 'स्ट्रांग रूम' में संग्रहित किया जाएगा।

चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने के बाद, बिना पूर्व निर्धारित क्रम वाली पहली मशीनों की सूची पार्टियों के साथ साझा की जाएगी।

अदालत कुमार सानू की व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करेगा

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह गायक कुमार सानू की उस याचिका पर बुधवार को आगे सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने अपने नाम, आवाज, गायन शैली और तकनीक सहित अपने व्यक्तित्व एवं प्रचार अधिकारों की रक्षा का अनुरोध किया है।

उच्च न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई की और सानू के वकील से कुछ स्पष्टीकरण मांगा तथा मामले को 15 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध किया।

न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील ने आपत्तिजनक यूआरएल की एक सूची पेश की और उनकी समीक्षा के लिए समय मांगा है। फेसबुक और इंस्टाग्राम का मालिकाना हक रखने वाले मेटा प्लेटफॉर्म के वकील ने कहा कि वे इन यूआरएल की समीक्षा करेंगे और यह बताने के लिए समय मांगा कि वे किन यूआरएल को हटाएंगे।

याचिका में सानू ने अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की रक्षा का अनुरोध किया है, जिसमें उनका नाम, आवाज, गायन शैली और तकनीक, गायन के तौर-तरीके, चित्र, व्यंग्यचित्र, फोटो और हस्ताक्षर शामिल हैं।

गायक ने तीसरे पक्ष द्वारा अनधिकृत या बिना लाइसेंस के उपयोग और व्यावसायिक दोहन के खिलाफ भी रक्षा का अनुरोध किया है।

अधिवक्ता शिखा सचदेवा और सना रईस खान के माध्यम से दायर याचिका में कॉपीराइट अधिनियम के प्रावधानों के आधार पर सानू को उनकी प्रस्तुति में प्रदत्त नैतिक अधिकारों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया गया है। याचिका में दावा किया गया है कि प्रतिवादी गायक का नाम, आवाज, समानता और प्रचार अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं। हाल में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, उनके पति अभिषेक बच्चन, फिल्मकार करण जौहर, तेलुगू अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन, 'आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक श्री श्री रविशंकर और पत्रकार सुधीर चौधरी ने भी अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की रक्षा का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था और अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत प्रदान की थी।

सानू ने उनके प्रदर्शन और आवाज से संबंधित ऐसे ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग का मुद्दा उठाया है, जो उनकी बदनामी करते हैं और उन्हें ''अप्रिय हास्य'' का विषय बनाते हैं, जिससे उनके प्रदर्शन में उनके नैतिक अधिकारों का उल्लंघन होता है।

उन्होंने अपनी आवाज, गायन शैली और तकनीक, गायन के तरीके, तथा उनके चेहरे के साथ छेड़छाड़ करके कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करके बनाई गई सामग्री का भी मुद्दा उठाया है।

वैश्विक मृत्यु दर गिरने के बावजूद नहीं थम रहीं युवाओं की मृत्यु की दर: लैंसेट अध्ययन

नयी दिल्ली, (भाषा) विश्वभर में मृत्यु दर में 67 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद युवाओं की मृत्यु दर में कमी नहीं आयी है जिसके मुख्य कारणों में आत्महत्या, शराब और मादक पदार्थों का अत्यधिक सेवन शामिल हैं। यह जानकारी वैश्विक अध्ययन में सामने आई है, जो 'द लैंसेट' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

यह अध्ययन 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) 2023' का हिस्सा है, जिसमें करीब 3,10,000 स्रोतों और 14,000 से अधिक शोधकर्ताओं व विशेषज्ञों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। वर्ष 2023 में चीन में सर्वाधिक 1.07 करोड़ मौतें दर्ज की गईं। इसके बाद भारत में 98.5 लाख और अमेरिका में तीन लाख से अधिक मौतें हुईं। जनसंख्या के अनुपात को ध्यान में रखते हुए मृत्यु दर में भारत 73वें स्थान पर रहा जबकि चीन और अमेरिका क्रमशः 166वें और 160वें स्थान पर थे।

अध्ययन में पाया गया कि भारत 30 लाख से अधिक मौतों के साथ कोविड से मौतों वाले पांच देशों की सूची में सबसे ऊपर है। इसके बाद अमेरिका में 12.1 लाख और रूस में 10 लाख से अधिक मौतें हुई हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि उच्च रक्तचाप, वायु प्रदूषण, धूम्रपान और मोटापे सहित 88 कारकों को नियंत्रित कर लगभग 50 प्रतिशत मौतों और अक्षमताओं को टाला जा सकता है। उन्होंने यह भी पाया कि 1950 से जीवन प्रत्याशा में 20 वर्ष से अधिक की वृद्धि हुई है। महामारी से पहले महिलाओं की औसत जीवन प्रत्याशा 76 वर्ष थी, जबकि पुरुषों में यह 71 वर्ष से अधिक थी। वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन के निदेशक डा. क्रिस्टोफर म्युअरे ने कहा, ₹दुनिया में वृद्धों की तेजी से बढ़ती आबादी और बदलते जोखिम कारक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों का नया युग लेकर आए हैं।

जनपद में चला महिला सुरक्षा और जागरूकता अभियान

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, अमरोहा।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जनपद के सभी थानों में छात्राओं और महिलाओं को सुरक्षा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समानता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का संचालन पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन और नोडल अधिकारी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान के दौरान मिशन शक्ति टीमों ने स्कूल, कॉलेज, बाजार, गांव और बस स्टैंडों पर जाकर महिलाओं और छात्राओं को बाल विवाह, गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध, पॉक्सो एक्ट, और अन्य महिला सुरक्षा कानूनों की जानकारी दी। साथ ही उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 112 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में बताया गया। जनपद के महिला थाना, सैदनगली, नौगावां सादात, गजरौला, हसनपुर, रहरा, रजबपुर, बछरायूं और मंडी धनौरा थानों की मिशन शक्ति टीमों ने छात्राओं और महिलाओं को पंपलेट वितरित कर जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, संवेदनशील विषयों पर खुलकर संवाद को प्रोत्साहित करना और एक सुरक्षित एवं सशक्त समाज का निर्माण करना रहा।

तिगरी गंगा मेला होगा पहले से अधिक भव्य

- सुरक्षा और सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम, डीएम ने तैयारियों लिया जायजा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, गजरौला।

इस वर्ष तिगरी गंगा मेले को पहले से भी अधिक भव्य और आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। मेले में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मेले परिसर में 4500 से अधिक शौचालय बनाए जा रहे हैं, जबकि 2000 हैंडपंपों के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए एक कोतवाली और 66 अस्थायी पुलिस चौकियां स्थापित की जाएंगी। पूरा मेला क्षेत्र 21 सेक्टरों में विभाजित किया गया है, जहां सफाई और व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मेला 28 अक्तूबर से प्रारंभ होकर 5 नवंबर को मुख्य स्नान के साथ संपन्न होगा। इस दौरान 30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने स्वयं तैयारियों की कमान संभाल ली है और अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

गजरौला कोतवाली क्षेत्र के तिगरी गंगा घाट पर लगने वाले इस पारंपरिक मेले को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

विद्यार्थियों ने देखा प्रधानमंत्री का लाइव प्रसारण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, अमरोहा।

विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025 के अंतर्गत जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया। राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भावी पीढ़ी के कर्णधार हैं और विकसित, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने स्वदेशी उत्पादन और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों की टीमें आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल, समृद्ध भारत विषयों पर अपने विचार और दो मिनट की वीडियो 31 अक्टूबर तक पोर्टल vbb.mic.gov.in पर अपलोड करेंगी।

जनपद, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विजेताओं को एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में डीआईओएस प्रवेश कुमार सहित अनेक शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर विवाहिता का शव कब्र से निकाला, पोस्टमार्टम को भेजा

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता, धनौरा।

धनौरा क्षेत्र के गांव शेरपुर में करीब छह माह पूर्व हुई एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। कोर्ट के आदेश पर सोमवार को पुलिस ने विवाहिता के शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मिली जानकारी के अनुसार, बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव वलीपुर निवासी रवीना की शादी लगभग सात वर्ष पूर्व धनौरा क्षेत्र के गांव शेरपुर निवासी शाहिद के साथ हुई थी। करीब छह माह पहले रवीना ने एक बेटी को जन्म दिया था। डिलीवरी के कुछ ही समय बाद उसकी मृत्यु हो गई थी। उस समय दोनों पक्षों ने बीमारी के कारण मौत बताकर शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया था।

बाद में मृतका के भाई शफी पुत्र इतवारी को सूचना मिली कि उसकी बहन की हत्या ससुराल वालों ने की है। इस पर उसने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद शफी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिस पर कोर्ट के आदेश पर ससुराल पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

सोमवार को सीओ अंजलि कटारिया और थाना प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ कब्रिस्तान पहुंचे और रवीना के शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

> मृतका के भाई शफी की ओर से कोर्ट के आदेश पर ससुराल पक्ष के लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। कब्र को खुदवाकर मृतका के शव के कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।
> **– बालेंद्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक, मंडी धनौरा**

विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के तहत संगोष्ठी आयोजित

विकास को लेकर साझा किए विचार

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता, धनौरा।

नगर पालिका सभागार में विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने की, जबकि अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार वर्मा सहित सभी सभासदों ने नगर और प्रदेश के विकास के लिए अपने-अपने विचार साझा किए। संगोष्ठी में सतत विकास, नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और बेहतर नगरीय सेवाओं पर विस्तार से विमर्श हुआ।

पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज नई सोच, नई ऊर्जा और नए संकल्पों के साथ एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विकास यात्रा में हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के अग्रदूत हैं; युवा परिवर्तन के वाहक हैं; और मातृशक्ति समाज की रीढ़ हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना ही नहीं, बल्कि 25 करोड़ प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को साकार स्वरूप देना है। इस अवसर पर राजीव दीक्षित, दुलीचंद गिहार, अंशुल, अफजाल अहमद, गौरव धारीवाल, जगत सिंह, इरशाद, अनवर, राजू बादशाह, नौशाद, शाहनवाज, राजेन्द्र कुमार, सतीश कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि, नागरिक मौजूद रहे।

ट्रेड फेयर के तहत अमरोहा में रोजगार मेला आयोजित, 86 अभ्यर्थियों का चयन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, अमरोहा।

ट्रेड फेयर के अंतर्गत अमरोहा में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 240 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें से 86 अभ्यर्थियों का चयन कुल 7 कंपनियों द्वारा किया गया। इन कंपनियों में करीब 300 रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया संचालित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरदीप सिंह ढिल्लों मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने सभी प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा युवक और महिला मंगल दल को खेल किट वितरित की गई।

मेले में राजकीय आईटीआई अमरोहा और राजकीय आईटीआई गजरौला के प्रधानाचार्य, नोडल अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस का विशेष अभियान, आठ वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता, अमरोहा/बछरायूं। गिरफ्तारी अभियान के तहत अमरोहा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ वारंटी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में की गई। जानकारी के अनुसार, वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान में थाना सैदनगली पुलिस ने 2, थाना बछरायूं पुलिस ने 2, थाना आदमपुर पुलिस ने 3 और थाना रजबपुर पुलिस ने 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि फरार अपराधियों को शीघ्र न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाया जा सके।

27वीं जनपदीय विद्यालयी क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, अमरोहा। राजकीय मिनी स्टेडियम में सोमवार को 27वीं जनपदीय विद्यालयी क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी का स्वागत अंगवस्त्र, पट्टिका, कैप और बुके भेंट कर किया गया। तत्पश्चात उन्होंने ध्वजारोहण, गुब्बारे और सफेद कबूतर उड़ाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना से हुई, जबकि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अन्य विद्यालयों की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिलाधिकारी ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जान्हवी यादव ने प्रतिभागियों को शपथ दिलाई। सिख इंटर कॉलेज के छात्र लविश को उड़ीसा में आयोजित खेल प्रतियोगिता में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने 800 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया और विजेताओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।जिलाधिकारी ने कहा कि खेल में जीत या हार से ज्यादा अपना सर्वश्रेष्ठ देना और टीम भावना जरूरी है। उन्होंने युवाओं को मेहनत, ईमानदारी और लगन से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरती और आत्मविश्वास बढ़ता है। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी, विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किसान भूरे सिंह की हत्या के खुलासे की मांग को लगाया जाम, पुलिस जांच में जुटी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, अमरोहा।

अमरोहा जिले के देहात थाना क्षेत्र में किसान भूरे सिंह की हत्या ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। रविवार शाम हाशिमपुर और रायपुर गांव के बीच आयोजित एक दावत के दौरान अज्ञात हमलावरों ने भूरे सिंह को गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया और अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया ने तीन थानों की फोर्स के साथ तुरंत घटना स्थल का निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार, दावत का आयोजन निरंजन सिंह ने किया था और इसमें पूरे गांव के लोग आमंत्रित थे। जैसे ही अधिकांश लोग खाना खाकर चले गए, हमलावरों ने घटना को अंजाम दिया। भूरे सिंह की सिर में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तुरंत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की।

सोमवार को मृतक के परिजनों ने हत्या के खुलासे की मांग करते हुए जोया अमरोहा मार्ग पर ट्रैक्टर ट्राली लगाकर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल भेजा गया। पुलिस ने परिजनों से वार्ता कर शीघ्र खुलासे का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खुलवाया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक के परिजन एक पुराने मुकदमे का हवाला देते हुए हत्या के लिए दो भाइयों अनुज और मनोज पर शक जता रहे हैं। दोनों आरोपी हत्या के बाद से फरार हैं। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल में जुटी है और जल्द ही हत्या का खुलासा करने का दावा किया है।

भूरे सिंह की हत्या ने इलाके में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि आरोपी तुरंत पकड़ में आएं और न्याय हो। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच कर हत्या की साजिश और जिम्मेदारों को उजागर किया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में भी सुरक्षा बढ़ा दी है और जांच टीम सक्रिय हो गई है। परिजन लगातार पुलिस से संपर्क बनाए हुए हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई अहोई अष्टमी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, अमरोहा। जनपद में अहोई अष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। भारतीय संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक यह पर्व संतान की सुख-समृद्धि और लंबी आयु की कामना के लिए महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। सुबह से ही महिलाएं रोली, मोली, चावल और पूजा सामग्री लेकर मंदिरों में पहुंचीं और इष्टदेव के समक्ष संतान की मंगलकामना की। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर अहोई माता का पूजन किया तथा दिन में कथा सुनने के बाद बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। शाम को सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद तारों को देखकर व्रत का पारण किया गया। महिलाओं ने बताया कि कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाने वाला यह व्रत संतान की खुशहाली के लिए किया जाता है।

मुख्य डाकघर में सिपाही और पत्नी से मारपीट के विरोध में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, गिरफ्तारी की मांग

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो, अमरोहा।

अमरोहा के मुख्य डाकघर में अपने बच्चे का आधार कार्ड बनवाने गए सिपाही और उसकी पत्नी के साथ कथित मारपीट के विरोध में पीड़ित महिला ने परिजनों और ग्रामीणों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने पोस्टमास्टर और गार्ड की गिरफ्तारी और बर्खास्तगी की मांग करते हुए ज़िला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

जानकारी के अनुसार, नौगावां सादात के कोराल गांव निवासी सिपाही शुभम त्यागी अपने परिवार के साथ बच्चे का आधार कार्ड बनवाने गए थे। आरोप है कि डाकघर के कर्मचारी फॉर्म देने से इनकार कर रहे थे। इस बीच सिपाही ने कर्मचारियों का वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू किया, जिस पर कर्मचारियों ने उनका फोन छीन लिया और कथित तौर पर मारपीट की। गार्ड लटूर सिंह और पोस्टमास्टर अमित यादव पर सिपाही और उनकी पत्नी के साथ मारपीट और फायरिंग करने का आरोप है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सोमवार को प्रदर्शन में महिला ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सेवा से बर्खास्तगी की दोहराई मांग की।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बछरायूं में महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता, बछरायूं।

मिशन शक्ति 5.0 के विशेष अभियान के अंतर्गत पठियापुर में महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं को पैम्पलेट वितरित किए और सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबर व साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित रखने, आपातकालीन स्थिति में सही सहायता प्राप्त करने और साइबर अपराध से सतर्क रहने के लिए आवश्यक जानकारी देना था।

पुत्रों के दीघार्यु होने की कामना पर माताओं ने उपवास रखकर की अहोई अष्टमी की पूजा

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

गजरौला। संतानों की दीघार्यू के लिए नगर क्षेत्र में अहोई अष्टमी का पर्व आस्था व उल्लास के साथ मनाया गया। वहीं अनेक महिलाओं ने संतान प्राप्ति की कामना के लिए भी वृत रखा और अहोई माता की पूजा अर्चना की।

बता दें कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को यह व्रत किया जाता है जोकि करवा चौथ के चार दिन बाद मनाया जाता है।

गजरौला व ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं ने अपने बच्चों की लंबी उम्र और उनके बेहतर स्वास्थ्य व खुशहाली की कामना के लिए व्रत रखा। महिलाओं ने सुबह से ही पर्व की तैयारी की। वहीं अहोई अष्टमी को लेकर बाजारों में भी खूब चहल पहल बढ़ी रही। बता दें कि अहोई अष्टमी पुरातनकाल से महत्वपूर्ण पर्व है, इस दिन माताएं निर्जल व्रत रखकर अपने बच्चों की दीघार्यु की कामना करती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी अहोई का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं ने सुबह से ही उपवास रखा और शाम के समय अहोई का पूजन कर पुत्रों की लंबी आयु की कामना की।

अवैध पटाखा व्यापार पर सिविल लाइन पुलिस की कार्रवाई, दो गिरफ्तार व भारी मात्रा में बरामदगी

कोसर चौधरी ब्यूरो नेशनल एक्सप्रेस

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने जिला कप्तान संजय कुमार वर्मा के निर्देशन पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अवैध पटाखा रखने और बेचने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है और बड़ी मात्रा में पटाखे बरामद किए हैं।

थाना सिविल लाइन के प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सुनील कुमार और उप निरीक्षक रेशम पाल सिंह की टीम ने मुखबिर की सूचना पर सुपर मार्केट के पास एक मकान पर छापा मारा। इस दौरान अवैध रूप से विक्रय के लिए रखे गए भारी मात्रा में पटाखों के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के नाम हैं - टिकू पत्र नसीम, निवासी मोहल्ला नंबर-62, कम्बल वाली गली, निकट चन्द्रा टाकीज, थाना कोतवाली और रिजवान पुत्र उस्मान, निवासी मोहल्ला नंबर-66, निकट हनुमान चौक गौशाला, थाना कोतवाली। दोनों ही मुजफ्फरनगर नगर के रहने वाले हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दौरान जो पटाखे बरामद किए गए, उनमें शामिल हैं- 20 पैकेट राजन मार्का चकरी, 10 पैकेट राजन मार्का विग चकरी, 3.5 पैकेट तुर्की मार्का बिजली बम, 10 पैकेट रंगोली मार्का अनार, 40 पैकेट स्काई स्क्रैपर मार्का पटाखे, 10 पैकेट मैजिकल पॉप मार्का आतिशबाजी, 10 पैकेट साउंड रॉकेट मार्का आतिशबाजी, 100 पैकेट रेड कलर मार्का आतिशबाजी, 50 पैकेट पेनसिल कलर मार्का आतिशबाजी, 50 पैकेट कबीरा फुलझड़ी मार्का आतिशबाजी, 10 पैकेट 555 आतिशबाजी। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ थाना सिविल लाइन पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर दिया है और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। वैधानिक कार्यवाही जारी है। पुलिस का कहना है कि इस तरह के अभियान को लगातार जारी रखते हुए अवैध पटाखा व्यापार पर अंकुश लगाया जाएगा।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने गौ संरक्षण केंद्रों का किया निरीक्षण

- हरा चारा उपलब्धता पर दिए निर्देश

कोसर चौधरी / समीर कुमार नेशनल एक्सप्रेस

मुजफ्फरनगर,बघरा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा जितेन्द्र गुप्ता ने आज विकासखंड बघरा स्थित दो गौ संरक्षण केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बृहद गौ संरक्षण केंद्र बुढीना कला तथा अस्थाई गौ आश्रय स्थल धौलड़ा का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, दोनों गौ आश्रय स्थलों पर केयरटेकर अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए उपस्थित पाए गए। पशुधन प्रसार अधिकारी राजीव द्वारा केंद्रों में उपलब्ध बीमार गोवंश की चिकित्सा की गई है, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार की उम्मीद है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ जितेंद्र गुप्ता ने गोवंश के भोजन की व्यवस्था का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। यह ल्लङ्क्षशी किया गया कि गोवंश को भूसे की सनी खिलाने की उचित व्यवस्था की गई है। हालाँकि, निरीक्षण में यह बात भी सामने आई कि पशुओं को हरा चारा समय से उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इस कमी को गंभीरता से लेते हुए श्री गुप्ता ने तत्काल प्रभाव से सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने केयरटेकर को निर्देशित किया कि वह ग्राम प्रधान से तालमेल बनाते हुए यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में और समय पर हरा चारा उपलब्ध हो सके।

ईंट भट्टा मालिक और उसके बेटे पर आदिवासी व्यक्ति से मारपीट और नाबालिग से काम कराने का आरोप

पालघर, (भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक ईंट भट्टा मालिक और उसके बेटे पर एक आदिवासी मजदूर के साथ मारपीट करने और उसकी नाबालिग बेटी से जबरन मजदूरी करवाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने पालघर जिले के वाडा तालुका निवासी आदिवासी व्यक्ति को नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच ठाणे जिले में अपने ईंट भट्टे पर काम पर रखा था। इसके लिए उन्होंने पीड़ित को 45,000 रुपये दिए, लेकिन कोई कानूनी अनुबंध नहीं किया गया था। पुलिस के अनुसार, काम के तरीके से असंतुष्ट होकर आरोपियों ने मजदूर के साथ कथित रूप से मारपीट की और उसे अपशब्द भी कहे। इसके अलावा उन्होंने उसकी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी से ईंट भट्टे पर जबरन काम करवाया। यह मामला तब सामने आया जब रविवार को कुछ आदिवासी कल्याण कार्यकताओं ने वाडा क्षेत्र का दौरा किया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर सोमवार को ईंट भट्टा मालिक और उसके बेटे के खिलाफ बंधुआ श्रम प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, और अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।ईंट भट्टा मालिक और उसका बेटा ठाणे जिले के पड़घा के निवासी हैं।

कांग्रेस ने मेट्रो स्टेशन का नामकरण नेहरू के नाम पर नहीं करने पर भाजपा पर हमला बोला

मुंबई, (भाषा)। मुंबई कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यहां लाइन-3 के साइंस सेंटर मेट्रो स्टेशन का नाम पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम पर जानबूझकर नहीं रखा। मुंबई कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सचिन सावंत ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट में कहा कि नेहरू का योगदान इतना महान और अविस्मरणीय है कि भाजपा चाहे जितना भी उनका अपमान करे या उनकी विरासत को बदनाम करने की कोशिश करे, उसके ये प्रयास व्यर्थ ही रहेंगे।

उन्होंने कहा कि पूरे देश को पता है कि वर्ली क्षेत्र, जहां यह मेट्रो स्टेशन है, नेहरू साइंस सेंटर के नाम से जाना जाता है। सावंत ने आरोप लगाया कि भाजपा को नेहरू के नाम से एलर्जी है , इसलिए उन्होंने जानबूझकर स्टेशन का नाम केवल साइंस सेंटर रखा। उन्होंने इसे पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की स्मृति का गहरा अपमान करार दिया और कहा कि उनकी दूरदृष्टि ने भारत की वैज्ञानिक सोच, औद्योगिक प्रगति और आधुनिक दृष्टिकोण की नींव रखी। सावंत ने कहा, यह कृत्य भाजपा की छोटी मानसिकता, असहिष्णुता और प्रतिशोधी रवैये को उजागर करता है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भाजपा ने दिल्ली के नेहरू मेमोरियल म्यूजियम और लाइब्रेरी का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय कर दिया था और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) का नाम बदल कर माई भारत कर दिया था।

सावंत ने कड़ा विरोध करते हुए मांग की कि वर्ली मेट्रो स्टेशन का नाम भारत के पहले प्रधानमंत्री के नाम पर रखा जाए। उन्होंने कहा, दुनिया देख रही है कि भारत के महान नेता के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है। भाजपा की विकृत मानसिकता न केवल इतिहास को मिटा रही है, बल्कि देश की प्रतिष्ठा और वैश्विक छवि को भी धूमिल कर रही है। हम इस शर्मनाक कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं। गत सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुंबई मेट्रो लाइन-3 के अंतिम चरण का उद्घाटन किया, जो आचार्य अत्रे चौक और कफ परेड के बीच है। इसके साथ ही मुंबई के पहले भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर अक्वा लाइन का 33.5 किलोमीटर लंबा पूरा हिस्सा 9 अक्टूबर से चालू हो गया।

संक्षिप्त समाचार

लातूर में दो समूहों के बीच झड़प में एक व्यक्ति गिरफ्तार, घायल व्यक्ति का उपचार जारी

लातूर, (भाषा)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में एक ट्रैक्टर चालक को नौकरी पर रखने को लेकर हुए विवाद के बाद दो समूहों के बीच झड़प में एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस निरीक्षक बी.डी. भुसनूर ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह घटना रविवार को अहमदपुर तहसील के हदोलती गांव में हुई। उन्होंने बताया कि गांव में एक समूह के सदस्यों ने दूसरे पक्ष पर पथराव किया। दोनों समूहों के बीच झड़प और पथराव का एक वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया।

अधिकारी ने बताया कि घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और दोनों पक्षों के 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि नरसिंह पवार के एक ट्रैक्टर चालक को अरबाज पठान ने अपने वाहन के लिए काम पर रखा था, जिसके बाद पवार ने पठान से उसके चालक को काम पर रखने का कारण पूछा। उन्होंने बताया कि इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई। उन्होंने बताया कि पवार ने पठान पर कुल्हाड़ी से कथित तौर पर हमला किया, जिससे पठान को गंभीर चोटें आईं और उसकी उंगली भी टूट गई। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग पठान के समर्थन में सामने आए और पवार का समर्थन करने वाले लोगों पर पथराव किया। पुलिस ने बताया कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। अधिकारी ने बताया कि पठान को लातूर के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं, जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों समूहों के 13 लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास के आरोप में मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि बाद में पुलिस ने नरसिंह पवार को गिरफ्तार कर लिया और इलाके में स्थिति नियंत्रण में है।

मराठी के बारे में टिप्पणी पर मनसे पदाधिकारी महिला ने दूसरी महिला को थप्पड़ मारा

ठाणे, (भाषा)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की एक महिला पदाधिकारी द्वारा एक महिला को थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इससे पहले महिला को कथित तौर पर मराठी भाषा के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते सुना जा सकता है। पुलिस ने सोमवार को पुष्टि की कि शुक्रवार रात ठाणे जिले के कलवा रेलवे स्टेशन पर हुई इस घटना के संबंध में कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में एक महिला कलवा रेलवे स्टेशन पर मनसे की एक पदाधिकारी के पति के साथ हुए विवाद के दौरान मराठी भाषा के बारे में आपत्तिजनक शब्द कहने के लिए माफी मांगती हुई दिखाई दे रही है। माफी मांगने के बाद, मनसे पदाधिकारी महिला को थप्पड़ मारते और उसे चेतावनी देते हुए दिखाई दे रही है। ठाणे राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की वरिष्ठ निरीक्षक अर्चना दुसाने ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझ गया है। उन्होंने बताया, शुक्रवार रात हुई इस घटना में एक पुरुष और एक महिला शामिल थे। वह व्यक्ति मनसे की एक पदाधिकारी का पति है। मराठी और मराठी मानुष के बारे में आपत्तिजनक शब्द कहने और गाली देने वाली महिला के माफी मांगने के बाद, दोनों पक्षों ने वहीं मामला सुलझा लिया। अधिकारी ने बताया कि बाद में दोनों ने जीआरपी से संपर्क किया और बताया कि उनका समझौता हो गया है और फिर वे परिसर से चले गए। कलवा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अशोक उत्तेकर ने भी बताया कि उन्हें इस घटना के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है।

ठाणे जिले में प्लास्टिक फैक्टरी में आग लगी, कोई हताहत नहीं

ठाणे,(भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के औद्योगिक इलाके में सोमवार को एक प्लास्टिक का उत्पादन करने वाले कारखाने में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाहपुर तालुका के आसनगांव स्थित एक कारखाने में सुबह करीब 10 बजे लगी आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आपदा प्रबंधन केंद्र के प्रमुख वसंत चौधरी ने कहा, कई दमकल केंद्रों की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं और अभियान अभी जारी है।

उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर चार दमकल गाड़ियों के साथ पानी के 10 टैंकरों को तैनात किया गया है। अधिकारी ने कहा, ृबड़ी मात्रा में प्लास्टिक सामग्री मौजूद होने के कारण आग को पूरी तरह से बुझाने में समय लग रहा है क्योंकि यह धीरे-धीरे जलती है और इससे घना धुआं और दुर्गंध निकलती है। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या मशीनरी का अधिक गर्म होना हो सकता है। स्थानीय पुलिस और आपदा प्रबंधन टीमों ने सावधानी बरतते हुए इलाके की घेराबंदी कर दी है और आसपास के श्रमिकों और निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

कोल्हापुर में महिला बनकर विधायक को ब्लैकमेल करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

ठाणे, (भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक युवक को महिला बनकर विधायक को ब्लैकमेल करने और उससे धन उगाही की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (वागले एस्टेट) प्रशांत कदम ने बताया कि ठाणे पुलिस ने रविवार को आरोपी मोहन ज्योतिबा पवार (26) को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 308(3) (जबरन वसूली) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया। कदम के मुताबिक, पुलिस ने पहले एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया था, लेकिन जांच के दौरान घटना में पवार के शामिल होने की बात सामने आई, जिसके बाद उसे कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर खुद को महिला के रूप में पेश करके विधायक को कई अश्लील फोटो, वीडियो और चैट संदेश भेजे, उन्हें ब्लैकमेल किया तथा 5-10 लाख रुपये की मांग की। कदम के अनुसार, जांच दल ने तकनीकी जानकारी और आरोपी की ओर से इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच की, जिससे पता चला कि वह कोल्हापुर का रहने वाला है।

उन्होंने बताया कि विधायक का भरोसा जीतने और उन्हें यह विश्वास दिलाने के लिए कि वह एक महिला के साथ बातचीत कर रहे हैं, आरोपी ने उन्हें अपनी बहन के आधार कार्ड की तस्वीर भेजी। कदम ने कहा, मामले में केवल एक ही व्यक्ति शामिल था और न तो आरोपी की बहन, न ही कोई अन्य महिला अपराध में संलिप्त थी।ह्व उन्होंने बताया कि आरोपी की विधायक से जान-पहचान उस समय हुई थी, जब वह कोल्हापुर में अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रवास पर थे।

हत्या के प्रयास के मामले में व्यक्ति को सात साल की सजा, दो अन्य बरी

ठाणे, (भाषा)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 2020 में पुरानी दुश्मनी के चलते एक व्यक्ति की हत्या का प्रयास करने के जुर्म में दोषी को सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस बी अग्रवाल की अदालत ने 10 अक्टूबर को सजा सुनाते हुए पीड़ित की गवाही, चिकित्सीय साक्ष्यों और आरोपी की निशानदेही पर बरामद हमले में इस्तेमाल किये गये हथियार को आधार बनाया।

मामले में दो अन्य सहआरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। आदेश की प्रति सोमवार को उपलब्ध कराई गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी आकाश शुकलाल भोई (23) ने 10 फरवरी, 2020 को महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक मंदिर के प्रवेश द्वार पर चाकू और एक अन्य हथियार से सुमित विष्णु गावित पर हमला किया, जिससे पीड़ित के सिर, छाती और पीठ पर गहरे जख्म आए। इसके बाद वर्तकनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। अदालत ने पाया कि यह हमला सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था, जिसकी वजह छह महीने पहले हुआ एक झगड़ा था। इसमें कहा गया है कि अभियोजन पक्ष बिना किसी संदेह के भोये का अपराध सिद्ध करने में सफल रहा है और उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत दंडित किया जा सकता है। अदालत ने भोये को सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई तथा एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया, जिसके अदा न करने पर उसे अतिरिक्त एक वर्ष का साधारण कारावास भुगतना होगा। अदालत ने निर्देश दिया कि जुमार्ने की राशि पीड़ित को दी जाए।

आवारा कुत्तों के आतंक पर आक्रोशित दिखे सभासद, जमकर हुआ हंगामा

- एनएसए डॉ. अजय शाही और जेई निर्माण कपिल कुमार के खिलाफ लगाये आरोप, हटाये जाने की मांग

कोसर चौधरी ब्यूरो नेशनल एक्सप्रेस

मुजफ्फरनगर। नगरपालिका परिषद् की बोर्ड मीटिंग में आवारा कुत्तों के आतंक को लेकर सभासद काफी आक्रोशित नजर आये। सभासदों पर इस पर हुई कार्यवाही और तैयारी को लेकर बोर्ड मीटिंग के दौरान अधिकारियों से जवाब तलब किये। ऐसे में नगर स्वास्थ्य अधिकारी और सभासदों के बीच जमकर बहस होने पर हंगामा खड़ा हो गया। सभासदों ने कार्यवाही की मांग की तो अधिकारी ने इस्तीफा देने की चेतावनी भी दे डाली। बोर्ड मीटिंग के दौरान जब ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह ने एजेंडे के प्रस्ताव संख्या 651 को सदन के सामने रखा तो सभासद राजीव शर्मा, मनोज वर्मा, नौशाद खां, रजत धीमान आदि ने इस पर ऐतराज जताया। इसमें शहर में 1000 बन्दरों को पकड़ने के लिए 966700 रुपये खर्च करते हुए मैसर्स वान्या कन्स्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर्स मुजफ्फरनगर को टैण्डर स्वीकृति मांगी गई थी। सभासदों ने कहा कि इससे पहले भी बंदर पकड़ने के लिए टैण्डर किया गया, लेकिन कुछ काम नहीं हुआ। इस ऐतराज के बीच ही सभासद राजीव शर्मा और मनोज वर्मा ने शहर में आवारा कुत्तों के आतंक का मुद्दा उठाते हुए पालिका की ओर से हो रही कार्यवाही पर जानकारी मांगी और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय प्रताप शाही को सदन में तलब किया तो वो तब तक पहुंचे नहीं थे। इस पर सभासदों ने कार्यवाही की मांग की। इसी बीच एनएसओ डॉ. शाही आये तो सभासद उन पर बरस पड़े और हंगामा खड़ा हो गया। जब डॉ. शाही ने आवारा कुत्तों को पकड़ने के काम को बेहद रिस्की बताया तो सभासदों ने उनको कामकाज छोड़ने के लिए कह दिया। इस पर नाराज डॉ. शाही ने सदन में ही इस्तीफा देने की चेतावनी दे दी। ईओ डॉ. प्रज्ञा के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

वहीं सभासद रितु त्यागी ने निर्माण विभाग के जेई कपिल कुमार की कार्यप्रणाली के लिए कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि वार्डों में सड़क निर्माण या दूसरे विकास कार्यों को सभासदों की जानकारी के बिना ही शुरू करा दिया जाता है। सभासद किसी कार्य पर ऐतराज करते हैं तो अधिकारी और ठेकेदार बदतमीजी करते हैं। उन्होंने जेई को सदन में तलब कराने की मांग की तो वो भी नदारद मिले। ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि सभासद रितु त्यागी की शिकायत पर पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप के आदेश के अनुसार तत्काल प्रभाव से उनके वार्ड से जेई कपिल कुमार को हटाया जा रहा है और जेई राजीव सोनकर को उनके वार्ड का काम सौंपा जायेगा।

डॉ. अजय प्रताप शाही ने बताया कि पालिका के पारित एजेंडे में ही आवारा कुत्तों को पकड़कर उनको शैल्टर करने और नसबंदी कराने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया है। वहलना में पालिका अपनी भूमि पर डॉग शैल्टर बनवाने का काम कर रही है। दो डॉग कैचर खरीदने का प्रस्ताव विभाग ने पारित कराया है। इसके साथ ही सीएमओ को भी पत्र लिखा गया है। एक एनजीओ के साथ पालिका काम करने की तैयारी कर रही है।

मुंबई में वाहनों के कलपुर्जों की दुकानों में आग लगी, कोई हताहत नहीं

मुंबई, (भाषा)। मुंबई के कुर्ला इलाके में सोमवार को वाहनों के कलपुर्जों और कबाड़ सामग्री की कुछ दुकानों में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि कुर्ला (पश्चिम) में सीएसटी रोड पर गुरुद्वारे के पास स्थित 15 से 16 दुकानों में देर रात 2.42 बजे आग लगने की सूचना मिली।

एक अधिकारी ने बताया कि आग वाहनों के कलपुर्जों, बिजली के तारों, टायरों और कबाड़ के सामान तक ही सीमित थी। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम चार दमकल गाड़ियां, पानी के 10 बड़े टैंकर और कई अन्य दमकल वाहन घटनास्थल पर भेजे गए हैं।

उन्होंने बताया कि अग्निशमन अभियान जारी है।

जनपद में युवा एवं महिला मंगल दलों को मिली खेल प्रोत्साहन सामग्री

- जिलाध्यक्ष भाजपा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया वितरण

कोसर चौधरी ब्यूरो नेशनल एक्सप्रेस

मुजफ्फरनगर, युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग, मुजफ्फरनगर के तत्वाधान में आज विकास भवन सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के विभिन्न युवक एवं महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री किट का वितरण किया गया। यह आयोजन शासन के निर्देशानुसार किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव प्रसारित कार्यक्रम को उपस्थित सभी अतिथियों और प्रतिभागियों ने देखकर किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वीरपाल निर्वाल, अध्यक्ष, जिला पंचायत मुजफ्फरनगर एवं सुधीर सैनी, जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी मुजफ्फरनगर ने संयुक्त रूप से उपस्थित विभिन्न युवक एवं महिला मंगल दलों के अध्यक्षों एवं अध्यक्षाओं को खेलकूद प्रोत्साहन किट प्रदान की।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इनमें कंडारकर कमल किशोर देशभूषण (आईएएस), मुख्य विकास अधिकारी, द्विग्विजय नाथ, जिला विकास अधिकारी, तथा राहुल सिंह तेवतिया, जिला कृषि अधिकारी एवं जिला युवा कल्याण अधिकारी, विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अजय कुमार एवं अर्जुन सिंह, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, सन्नी वर्मा, व्यायाम प्रशिक्षक, तथा राजीव कुमार एवं सतीश चंद, वरिष्ठ सहायक के साथ-साथ जनपद के अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लेकर इस पहल को सार्थक बनाया।

कार्यक्रम के दौरान जिन मंगल दलों के प्रतिनिधियों को खेल किट प्रदान की गईं, उनमें प्रमुख रूप से अमन अली (अध्यक्ष, युवक मंगल दल, बागोवाली, सदर), कविता (अध्यक्षा, महिला मंगल दल, कशेरवा, शाहपुर), श्री आसिफ (अध्यक्ष, युवक मंगल दल, ककराला, मोरना), और श्री वंश (अध्यक्ष, युवक मंगल दल, उमरपुर, शाहपुर) शामिल थे।

संपादकीय

शिल्पकार वीरभद्र की मूर्ति

एक राजा जिसने अपनी पूरी ज़िंदगी जनता की सेवा में समर्पित कर दी, आज वही अपने कर्मभूमि के हृदय में अडिग खड़ा है — शिमला के ऐतिहासिक रिज पर स्थापित शिल्पकार वीरभद्र की मूर्ति केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि हिमाचल के इतिहास का जीवंत प्रतीक बन चुकी है। यह मूर्ति उस विरासत की अभिव्यक्ति है जिसने संघर्षों, विकास और जनता की आकांक्षाओं को दिशा दी। वीरभद्र सिंह की यह मूर्ति मानो यह कह रही हो — "निकले थे हम तो खिदमत में तेरी, तूने हमें अपना किरदार बना लिया।"रिज पर स्थापित यह प्रतिमा किसी राजनीतिक प्रदर्शन का हिस्सा नहीं, बल्कि उस युग का प्रतीक है जिसने हिमाचल को आत्मनिर्भरता, शिक्षा और विकास के मार्ग पर अग्रसर किया। वीरभद्र सिंह केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि हिमाचल की आत्मा के शिल्पकार थे। उन्होंने प्रदेश को उस सोच से सजाया, जिसमें पहाड़ केवल सुंदरता का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रगति की परंपरा का वाहक बन जाए। उनकी दृष्टि में राजनीति सेवा का माध्यम थी और जनता उनका परिवार ।वीरभद्र सिंह का युग संघर्ष और सृजन का अद्भुत संगम था। उन्होंने प्रदेश के दूरदराज़ के इलाकों तक शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाईं। उन्होंने संस्थानों को केवल इमारतों के रूप में नहीं, बल्कि एक जागरूक समाज की नींव के रूप में देखा। शिमला से लेकर धर्मशाला तक उनके कार्यों की छाप आज भी स्पष्ट दिखती है। उन्होंने प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की दिशा में साहसी कदम उठाए — शिमला के साथ धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी बनाना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन का प्रतीक था। यह कदम कांगड़ा क्षेत्र की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार कर गया।उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी उनकी संवेदनशीलता। वे सियासत से ऊपर उठकर समाज की धड़कन को समझते थे। उन्होंने यह महसूस किया कि विकास तभी सार्थक है जब वह हर नागरिक तक पहुँचे। चाहे मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास की परंपरा हो या कार्यालयों का विभिन्न क्षेत्रों में स्थानांतरण — इन सभी कदमों के पीछे उनकी यही भावना थी कि शासन जनता के समीप जाए, न कि जनता शासन के पीछे भागे ।उनके आलोचक भी इस बात से इंकार नहीं करते कि वीरभद्र सिंह ने हिमाचल के विकास को एक नई ऊँचाई दी। वे एक सशक्त व्यक्तित्व के धनी थे राजनीतिक दबावों और संघर्षों के बीच उन्होंने अपनी पार्टी और प्रदेश दोनों को संभाला। कांग्रेस की बदलती परिस्थितियों में भी वे उसके स्तंभ बने रहे। सत्ता उनके लिए केवल पद नहीं थी, बल्कि सेवा का अवसर थी ।रिज पर उनकी मूर्ति आज केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उस युग की गवाही देती है जिसने हिमाचल को अपने ही प्रयासों से गौरवशाली बनाया। जब लोग शिमला की रिज पर इस प्रतिमा को निहारते हैं, तो उन्हें केवल एक नेता का चेहरा नहीं दिखता, बल्कि एक ऐसी सोच दिखती है जिसने पहाड़ों को विकास की चोटी पर पहुँचाया। यह प्रतिमा हिमाचल की सामूहिक स्मृति का हिस्सा बन चुकी है — एक ऐसी स्मृति जो इतिहास को जीवित रखती है ।हिमाचल के राजनीतिक इतिहास में अगर कुछ नाम श्रद्धा के साथ लिए जाते हैं, तो उनमें डॉ. वाई. एस. परमार, वीरभद्र सिंह, शांता कुमार और प्रेम कुमार धूमल प्रमुख हैं। इन नेताओं ने अपने कार्य, नीतियों और मिजाज से प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दी। अब रिज इन सभी हस्तियों के योगदान का प्रतीक स्थल बनता जा रहा है, जहाँ हर मूर्ति जनता की स्मृतियों में अमर एक अध्याय की तरह दर्ज है ।हालाँकि, इस परंपरा के साथ एक और विचार भी जुड़ना चाहिए। जब हम नेताओं की मूर्तियाँ स्थापित करते हैं, तो हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इस प्रदेश ने केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि अनेक अन्य क्षेत्रों में भी महान व्यक्तित्व दिए हैं। यहाँ के स्वतंत्रता सेनानी, वीर सैनिक, शिक्षाविद, साहित्यकार, पर्यावरण प्रेमी और कला साधक भी प्रदेश की असली पूँजी हैं। जोराबर सिंह और बजीर राम सिंह पठानिया जैसे योद्धाओं की प्रतिमाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी किसी नेता की। राष्ट्रगान की धुन रचने वाले कैप्टन राम सिंह ठाकुर, पझौता आंदोलन के नायक वैद्य सूरत सिंह या पर्यावरण संरक्षण की प्रतीक किंकरी देवी — ये सभी उस हिमाचली आत्मा के स्वर हैं जिसे सम्मान मिलना चाहिए।

अमीर खान मुत्ताकी ने परोसी कट्टरता की बानगी

डा. रवीन्द्र अरजरिया

तालिबान नेताओं ने सन 1990 के दशक में काबुल पर कब्ज़ा कर लिया था। एक अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्र के अनुसार सन 2001 में अमेरिका ने अफगानस्तान में तालिबान सरकार को सत्ता से हटाने में मदद की तो इस कट्टरपंथी मदरसे और उसके संस्थापक ने आतंकवाद का सहारा लेकर अमेरिका समर्थित सरकार को खौफ के साये में जीने पर मजबूर कर दिया। यही कारण है कि समी उल हक़ को 'तालिबान का जनक' कहा जाता है। सन 2018 में समी उल हक़ की हत्या के बाद उनके पुत्र हामिद उल हक़ ने मदरसों की कमान संभाली थी और देवबंद के सिद्धान्तों को फैलाने में जुट गये।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की दिल्ली स्थित दूतावास में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में कोई महिला पत्रकार मौजूद नहीं थी। पत्रकारों को आमंत्रित करने वाले उत्तरदायी अधिकारियों पर महिला विरोधी मानसिकता वाली तालिबानी सोच को भारत पर थोपने के आरोप लगाये जा रहे हैं। इस तरह के पक्षपातपूर्ण रवैये को तकनीकी समस्या बताकर अफगानिस्तान के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने सफाई देने की कोशिश की। उनके अनुसार यह नीतिगत फैसला नहीं था बल्कि तकनीकी मुद्दा है जिसे भविष्य में ध्यान में रखा जायेगा। उल्लेखनीय है कि तालिबान पर लगातार महिलाओं के अधिकारों को कुचलने के आरोप लगाये जाते रहे हैं जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान देखने को मिला।

इस घटना पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि दूतावास में होने वाली प्रेस ब्रीफिंग में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, यह पूरी तरह से अफगानिस्तान की तरफ से आयोजित की गई थी। ऐसे में अमिर खान मुत्तकी का दौरा पूरा होने के पहले ही विवादास्पद बन गया। प्रेस ब्रीफिंग का मुद्दा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गर्माते हुए ही उत्तरप्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद में हुए उनके दौरे के दौरान महिला पत्रकारों को प्रवेश तो दिया गया मगर उनके लिए तालिबानी शर्त लगा दी गई। दुनिया भर प्रसिद्ध इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद में अमीर खान मुत्ताकी के दौरे के दौरान महिला पत्रकारों से कहा गया कि वे कार्यक्रम के दौरान परदा करके अलग स्थान पर बैठें। आयोजकों ने अपने इस कट्टरपंथी फरमान को परम्परागत व्यवस्था का हिस्सा बताया। ज्ञातव्य है कि इस संस्थान की स्थापना सन् 1866 में की गई थी। मुगुल साम्राज्य का पतन करके अंग्रेजों ने अपनी सत्ता स्थापित की थी। गोरों ने मुस्लिमों की कट्टरपंथी संस्थाओं को बंद करा दिया था। उग्रवादी मुसलमानों को सलाखों के पीछे भेज दिया गया था। विरोध करने वालों को फांसी की सजा तक दी गई थी। इसी मध्य इस्लाम का नारा बुलंद करके गजवा-ए-दुनिया का ख्वाब देखने वालों ने 30 मई 1866 को एक साथ मिलकर देवबंद में चोरी छुपे एक मजहबी मदरसे की स्थापना की जिसमें पढने वालों ने कालान्तर में अन्य भू भागों में जाकर कट्टरपंथ का इकबाल बुलंद किया। दारुल उलूम में तालीम लेने के लिए दुनिया भर से कट्टरपंथी मुस्लिम परिवारों के नवनिहाल आने लगे जिन्होंने अपनी पढाई पूरी करके अनेक देशों में ऐसे ही मदरसे स्थापित किये। यहीं के छात्र शेख अब्दुल हक ने सन्-1947 में पाकिस्तान के पेशावर से लगभग 55 किलोमीटर दूर अकोरा खटक में दारुल उलूम हक्कानिया की स्थापना। देवबंद के दारुल उलूम के सिद्धान्तों पर चलने वाले हक्कानिया मदरसों ने अफगानस्तान में कट्टरपंथियों को संरक्षण दिया और उनके अनेक प्रभावशाली युवाओं को अपने मदरसे के अलावा देवबंद भेजकर भी इस्लाम के कठोर संस्करणों में ढालने की पहल की। शेख अब्दुल हक की मौत के बाद उनके बेटे समी उल हक़ ने सन 1988 में मदरसे की कमान संभाली। मदरसा अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढने लगा। कट्टरता का इकबाल बुलंद करने के लिए अनेक देशों से सहायता, सहयोग और सलाह मिलने लगी। तन, मन और धन की सम्पदा में बेतहाशा इजाफा होता चला गया।

परिणामस्वरूप तालिबान नेताओं ने सन 1990 के दशक में काबुल पर कब्ज़ा कर लिया था। एक अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्र के अनुसार सन् 2001 में अमेरिका ने अफगानस्तान में तालिबान सरकार को सत्ता से हटाने में मदद की तो इस कट्टरपंथी मदरसे और उसके संस्थापक ने आतंकवाद का सहारा लेकर अमेरिका समर्थित सरकार को खौफ के साये में जीने पर मजबूर कर दिया। यही कारण है कि समी उल हक़ को 'तालिबान का जनक' कहा जाता है। सन 2018 में समी उल हक़ की हत्या के बाद उनके पुत्र हामिद उल हक़ ने मदरसों की कमान संभाली थी और देवबंद के सिद्धान्तों को फैलाने में जुट गये। इस अभियान को देवबंदी आन्दोलन का नाम देकर पूरे पहले दक्षिण एशिया और फिर समूची दुनिया में कट्टरपंथ का विस्तार दिया जाने लगा। विशेषकर पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर स्थापित अब्दुल हक़ ने दारुल उलूम हक्कानिया में अफगानस्तान के तालिबानियों को सत्ता हासिल करने के लिए खास तौर पर तैयार किया जाता रहा जिसमें देवबंद के उलेमाओं की सक्रिय भागीदारी दर्ज होती रही। ऐसे में अफगानस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी का यह देवबंद दौरा बेहद अहम हो जाता है जहां उन्होंने उलेमाओं के साथ-साथ दारुल उलूम के संचालकों के साथ बेहद गोपनीय चर्चायें भी की। यहां यह भी रेखांकित करना आवश्यक है कि सन्-2021 में अफगानस्तान की सत्ता में तालिबान की वापिसी के बाद अमीर खान मुत्तकी ने ही कार्यवाहक विदेश मंत्री की हैसियत से सन्-2023 के मई महीने में पाकिस्तान का भी दौरा किया था जिसे वहां की सरकार ने बेहद अहम करार दिया था। उस दौरान भी कट्टरता के अनेक उदाहरण समाने आये थे जिस पर अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया ने जमकर टिप्पणी की थी। वास्तविकता तो यह कि भारत के देवबंद स्थित दारुल उलूम और पाकिस्तान के ख़ैबर पख़्तूनख़्वाह वाले दारुल उलूम हक्कानिया में अफगानस्तान सहित दुनिया भर के अनेक कट्टरपंथी संगठनों के सदस्यों ने इस्लाम की बंदिशों को कठोरता से पालन करवाने के फार्मूले सीखे और उन्हें आतंक की दम पर लागू करवाने में जुट गये।

संसार भर में इस्लाम के 72 फिरके हैं यानी इस्लाम को मानने की 72 पद्धतियां व्यवहार में हैं परन्तु कट्टरता के नाम पर सभी एक होकर गजवा-ए-दुनिया के ख्वाब को अपने-अपने ढंग से पूरा करने में लगे हुए हैं। वर्तमान हालातों में अफगानस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद पहली बार अपनी छः दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचते ही तालिबान ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है। उनका छुपा हुआ पैगाम संकेतों के रूप में सामने आ रहा है कि यदि हमसे संबंध रखना है तो हमारे साथ हमारे उसूलों पर ही हाथ मिलाना होगा, भले ही हमें अभी तक दुनिया ने पूरी तरह मान्यता नहीं दी हो, मगर हम कमजोर नहीं है। इस संकेत के कारण आज दुनिया भर में अफगानस्तान के तालिबानी विदेश मंत्री का भारत दौरा उनकी कट्टरता, महिलाओं पर पाबंदियों और देवबंद के कारण निरंतर सुर्खियों में बना हुआ है। अमीर खान मुत्ताकी के द्वारा परोसी गई कट्टरता की बानगी को भारतीय संस्कृतियों, संस्कारों और सौहार्द पर तालिबानी हमले के रूप में परिभाषित किया जाने लगा है। ऐसे में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को एक बार फिर अफगानस्तान की तालबान सरकार के रवैये की गहन समीक्षा करके नवीन राय स्थापित करना होगी तभी हाथी के दांतों का अन्तर सामने आ सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नयी आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

इतिहास में आज का दिन

14 अक्तूबर का दिन विश्व और भारत के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, निर्णयों और व्यक्तियों से जुड़ा हुआ है। यह दिन केवल तिथियों का संग्रह नहीं, बल्कि उन क्षणों का साक्षी है जिन्होंने इतिहास का स्वरूप बदला ।सबसे प्रमुख और सर्वमान्य घटना 14 अक्तूबर 1066 की है — हैस्टिंग्स की लड़ाई (Battle of Hastings)। इस दिन नॉर्मन आक्रमणकारी विलियम, नॉर्मंडी के ड्यूक, ने इंग्लैंड के राजा हैरोड द्वितीय को पराजित कर दिया।

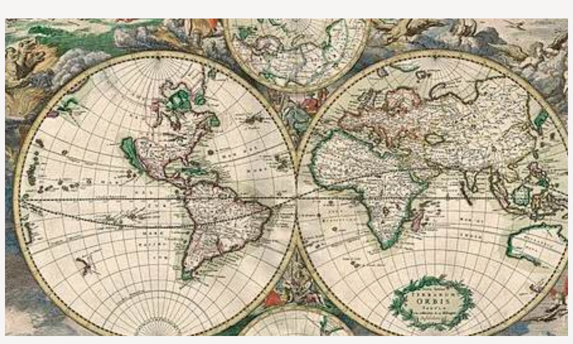

इस विजय ने नॉर्मन शासन की शुरुआत की और इंग्लैंड के इतिहास को एक नए युग में ले गया। इस लड़ाई ने न केवल सत्ता की बागडोर बदली, बल्कि भाषा, संस्कृति, राजनीति और सामाजिक संरचना में गहरा परिवर्तन कर दिया। ब्रिटिश इतिहासकारों के अनुसार इस घटना के बाद अंग्रेजी शाही वंश और सामंती संस्कृति का स्वरूप बदल गया ।भारत की धरती पर भी 14 अक्तूबर एक बेहद महत्वपूर्ण दिन है। 14 अक्टूबर 1956 को डॉ. भीमराव आंबेडकर ने नागपुर में लगभग 3,65,000 अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया। यह परिवर्तन उनके जीवन का एक निर्णायक मोड़ था — केवल एक धार्मिक निर्णय नहीं, बल्कि जाति और सामाजिक असमानता के खिलाफ एक प्रतिशोधात्मक कदम था। आंबेडकर ने इस दिन बौद्ध धर्म को अपना कर यह संदेश दिया कि सत्ता और आत्मसम्मान अधिकारों के साथ भी हो सकता है। यह घटना आधुनिक भारत की सामाजिक चेतना में एक प्रतीक बन गई ।इतना ही नहीं, इस तिथि को विश्व स्तर पर World Standards Day अर्थात विश्व मानक दिवस मनाया जाता है। यह दिन वैश्विक व्यापार, विनियम और उपभोक्ता हितों में मानकीकरण की भूमिका को उजागर करता है। यह याद दिलाता है कि किस तरह तकनीकी, औद्योगिक और सामाजिक मानकों ने आधुनिक दुनिया का बुनियादी ढाँचा तैयार किया है।14 अक्तूबर को इतिहास में विज्ञान और साहस की कई घटनाएँ भी दर्ज हैं। 1947 में इसी दिन, U.S. Air Force के कप्तान Chuck Yeager ने Supersonic Flight, अर्थात ध्वनि त्वरक उड़ान, किया। उन्होंने Bell X-1 विमान से उड़ान भरकर ध्वनि की गति को तोड़ा और वायुगतिकीय इतिहास रच दिया। यह घटना मानव उड्डयन की सीमा को विस्तारित करने वाले उन क्षणों में शामिल हो गई जिसे आज भी वैज्ञानिक और उड़ान प्रेमी स्मरण करते हैं।इसके अलावा, 14 अक्तूबर 1964 का दिन भी भारतीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि उसी दिन मार्टिन लूथर किंग जूनियर को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उनके संघर्ष और अहिंसा की धारा ने अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन को नई गति दी और विश्व स्तर पर समानता एवं न्याय की प्रेरणा बनी ।इतिहास की इस धारा में इसके अतिरिक्त और भी घटनाएँ शामिल हैं — जैसे सच की लड़ाई, सत्ता परिवर्तन, नवप्रवर्तन और संस्कृति की अभिव्यक्ति। 14 अक्तूबर वह दिन है जब युद्ध ने सत्ता बदली, धर्म ने आत्मा बदली और विज्ञान ने सीमाओं को तोड़ा। यदि हम इस दिन को सिर्फ अतीत का स्मरण न मानें, बल्कि आने वाले संसार के लिए प्रेरणा की कड़ी समझें, तो यह हमें यह सिखाता है कि हर वक्त, हर निर्णय और हर प्रयास इतिहास की धारा में अपना योगदान देते हैं।

समसामयिक

ऋषभदेव शर्मा

एनडीए का सीट बँटवारा : को बड़-छोट ?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की दहलीज पर खड़ी राजनीति ने एक महत्वपूर्ण मोड़ ले लिया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के घटक दलों के बीच सीट बँटवारे पर सौहार्दपूर्ण समझौता हो गया है, जो न केवल गठबंधन की एकजुटता का सूचक है, बल्कि बिहार के जातिगत-क्षेत्रीय समीकरणों को भी नया आकार दे सकता है। यह समझौता न केवल 2020 के चुनावी परिदृश्य से भिन्न है, बल्कि एनडीए की रणनीतिक परिपक्वता को भी उजागर करता है।

पहले तो इस बँटवारे की बुनियादी संरचना को समझना ज़रूरी है। सयाने याद दिला रहे हैं कि 2020 में जद(यू) को 115 सीटें मिली थीं और भाजपा को 110, जबकि अब दोनों दलों को बराबर 101 सीटें सौंपी गई हैं। अब न कोई बड़ा, न कोई छोटा! यह बदलाव महज संख्याओं का खेल नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन का सूचक है। नीतीश कुमार की जद(यू) लंबे समय से गठबंधन में 'बिग ब्रदर' की भूमिका निभाती रही, लेकिन गत लोकसभा चुनावों में भाजपा की मजबूत वापसी ने समीकरण उलट दिया। भाजपा, जो 2019 में बिहार में 39 में से 22 सीटें जीत चुकी है, अब विधानसभा स्तर पर भी अपनी बराबरी की माँग को साकार कर रही है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसे 'सौहार्दपूर्ण' बताया, लेकिन वास्तव में यह भाजपा की बढ़ती पकड़ का प्रमाण है। जद(यू) की ओर से राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी इसे 'सहयोगी माहौल' का परिणाम कहा, लेकिन समझना मुश्किल नहीं कि नीतीश कुमार को अपनी 'प्रमुखता' की कुछ कीमत चुकानी पड़ी है!

चिराग पासवान की भूमिका इस समझौते का एक रोचक पहलू है। उनकी एलजेपी (आरवी) को 29 सीटें मिलीं, जो उनकी माँग (40) से कम हैं, लेकिन 2020 की 1 सीट से कहीं अधिक। पासवान 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के नारे पर दलित-ईबीसी वोटों को एकजुट करने में माहिर हैं। वे अब एनडीए का 'ट्रंप कार्ड' बन चुके हैं। वैसे इसे गठबंधन की खातिर दी गई क़ुर्बानी भी कहा जा रहा है! इसी तरह, जीतन राम माँझी की एचएएम और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम को 6-6 सीटें मिलना छोटे दलों की रणनीतिक उपयोगिता को रेखांकित करता है। एचएएम महादलित वोटबैंक (लगभग 16%) का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि आरएलएम कोइरी-कुशवाहा समुदाय (13%) का। ये दल 'महा गठबंधन' के वोटों को तोड़ने में सहायक सिद्ध होंगे, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ जातिगत ध्रुवीकरण चरम पर होता है!

बेशक़, इस बँटवारे से तो एनडीए की स्थिति मजबूत दिखाई देती है। भाजपा-जदयू के बीच समान सीट बँटवारा दोनों दलों को अधिक जिम्मेदारी देता है, जो वोट ट्रांसफर को बढ़ावा देगा। सयानों का क़यास है कि एनडीए का वोट शेयर 45-48% तक पहुँच सकता है, जबकि महा गठबंधन (आरजेडी-कांग्रेस-वाम) का 40% के आसपास। यानी एनडीए एकजुट रहा, तो 150+ सीटें हासिल कर बहुमत (122) की दहलीज पार कर सकता है!

लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि एनडीए की राह निष्कंटक है। बिहार की अर्थव्यवस्था - बेरोजगारी और प्रवासन - चुनावी एजेंडा बनेगी। निर्दलीय ताकतें भी वोट स्प्लिट कर सकती हैं। धार्मिक और जातिगत ध्रुवीकरण के ख़तरे कम नहीं हैं; फिर भी, यह बँटवारा एनडीए को जातिगत गणित (उच्च जाति+ईबीसी+एससी) में लाभ देता दिखाई देता है।

बिहार की सियासत, जो हमेशा गठबंधनों के इर्द-गिर्द घूमती रही, अब स्थिरता की ओर अग्रसर लगती है। यदि एनडीए अपनी एकता को बनाए रखे, तो 14 नवंबर को नतीजे गठबंधन के पक्ष में झुक सकते हैं! कहना न होगा कि यह समझौता न केवल चुनावी दाँवपेंच, बल्कि बिहार के भविष्य की नींव भी साबित हो सकता है!

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

ललित गर्ग

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों।

यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्यः लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है।

विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है।

विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाज़ार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों को एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा का विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या रोक की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो यह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी भलाई में ही अपनी भलाई है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफ या प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे।

किसान दिवस का 15 अक्टूबर को होगा आयोजन

कानपुर देहात उप कृषि निदेशक हरीशंकर भार्गव ने बताया कि शासन के कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु जनपद स्तर पर प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार माती में पूर्वाहन 11:00 बजे से किया जाता है। आयोजित कार्यक्रम में कृषि एवं कृषि समावेशी विभागों यथा उद्यान विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी समिति, लघु सिंचाई विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, कृषि विज्ञान केन्द्र, अग्रणी बैंक मैनेजर, नेडा एवं फसल बीमा कम्पनी के जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजित कर कृषकों की समस्याओं को निस्तारित करने के साथ-साथ उपस्थित कृषकों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों एवं नवीनतम/उन्नत कृषि तकनीकी के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने का कार्य भी किया जाता है उक्त के अनुक्रम में अवगत कराना है कि अक्टूबर 2025 दिनांक 15.10.2025 (दिन बुधवार) को विकास भवन सभागार में पूर्वाहन 11:00 बजे से किया जायेगा। उन्होंने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों से अनुरोध है कि आयोजित किसान दिवस में ससमय प्रतिभाग करें।

कलेक्ट्रेट में औचक जांच, 19 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए

कानपुर नगर, जिलाधिकारी के निर्देश पर आज कलेक्ट्रेट में उपस्थिति की औचक जांच की गई। प्रातः 10:20 बजे एडीएम सिटी राजेश कुमार ने उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया, जिसमें कुल 19 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। कलेक्ट्रेट के जिन कार्मिकों की अनुपस्थिति दर्ज की गई उनमें अराधना मिश्रा, वीरेन्द्र कुमार मिश्र, सुषमा पाण्डेय, धर्मेन्द्र कुमार, ललित किशोर वर्मा, इच्छापूर्ति अवस्थी, आनन्द प्रकाश, निशान्त निगम, संजय कुमार, विनोद सिंह, आकांक्षा सक्सेना, सोमिल दीक्षित, राजेश कुमार श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव और सुनील श्रीवास्तव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त चतुर्थ श्रेणी कार्मिक दुर्गा प्रसाद, छोटेलाल, मिथिलेश कुमारी और मिथिलेश परवीन भी अनुपस्थित पाए गए। इस प्रकार कुल 19 कार्मिकों की अनुपस्थिति दर्ज की गई है।

गर्भवती महिला पर इंटरनल इलियाक आर्टरी बैलून ऑक्लूजन प्रक्रिया द्वारा सफल सर्जरी की गई

कानपुर, रीजेंसी हॉस्पिटल में प्लेसेंटा एक्रीटा सिंड्रोम से पीड़ित एक हाई रिस्क गर्भवती महिला पर इंटरनल इलियाक आर्टरी बैलून ऑक्लूजन प्रक्रिया द्वारा सफल सर्जरी की गई। यह जटिल सर्जरी डॉ. आरती सिंह और डॉ. साकेत निगम की टीम ने अंजाम दी, जिससे मां और बच्चे दोनों की जान बचाई गई। यह तकनीक प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव को नियंत्रित कर जीवन रक्षा में मदद करती है।

डॉ. आरती सिंह ने बताया कि "ऐसे मामलों में टीमवर्क और सटीकता बेहद अहम होती है।" वहीं, डॉ. साकेत निगम ने कहा कि "यह सफलता दिखाती है कि अब मेट्रो शहरों के बाहर भी एडवांस्ड मैटर्नल केयर संभव है। रीजेंसी हॉस्पिटल की यह उपलब्धि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के क्षेत्र में एक बड़ी चिकित्सीय सफलता मानी जा रही है।

माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार में जनपद स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न - प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम

नेशनल एक्सप्रेस उत्कर्ष सिंह

कानपुर देहात, माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में आज महिला व युवा मंगल दल के सदस्यों के साथ एक भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, रेणुका सचान ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा निरंतर रूप से समाज के अंतिम पायदान तक विकास योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश सर्वांगीण विकास की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं। महिला स्वावलंबन, युवाओं को सशक्त बनाने एवं खेलों को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे गांवों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।मा0 जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद के युवा मंगल दल एवं महिला मंगल दल सामाजिक चेतना, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, खेलकूद एवं जनजागरूकता अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। शासन की मंशा है कि ये दल ग्राम स्तर पर सामाजिक परिवर्तन के वाहक बनें। उन्होंने उपस्थित सभी युवाओं का आह्वान किया कि वे शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में जिलाधिकारी कपिल सिंह ने कहा कि शासन द्वारा जारी आदेश के क्रम में यह आयोजन पूरे प्रदेश में एकरूपता से किया जा रहा है। शासनादेश के अनुसार, युवा मंगल दल एवं महिला मंगल दल को खेल सामग्री वितरण के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य है, जिससे ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतिभाओं को आगे लाने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को संगठित कर समाज के उत्थान में योगदान दिया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन ने कहा कि युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेल आवश्यक हैं। शासन की मंशा है कि प्रत्येक गांव में युवा मंगल दल सक्रिय रहें और अपने स्तर पर सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाएं। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार ने कहा कि यह पहल ग्रामीण अंचलों में खेल एवं सहभागिता की भावना को नई दिशा देगी। इस अवसर पर जिला युवा कल्याण अधिकारी देवेन्द्र कुमार ने कहा कि युवाओं का संगठनात्मक विकास, खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना ही इस प्रकार के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने युवाओं को सतत सक्रिय रहने और अपने क्षेत्र में नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। इससे पूर्व लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सभागार में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों एवं प्रतिभागियों द्वारा देखा और सुना गया।

मा0 मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन ने सभी में उत्साह भर दिया। उन्होनें युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए ग्राम स्तर पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान कुल 74 युवा मंगल दल एवं 80 महिला मंगल दल को खेल किट वितरित की गईं। इनमें युवक मंगल दलों को वॉलीबॉल 5, एयर पम्प 1, फुटबॉल 5, फिटनेस ट्यूब 1 एवं वॉलीबॉल नेट 1 प्रदान किए गए, वहीं महिला मंगल दलों को वॉलीबॉल 5, एयर पम्प 1, फुटबॉल 5, स्किपिंग रोप 1 एवं वॉलीबॉल नेट 1 वितरित की गईं।

छात्र संघ बहाली मोर्चा ने दयानंद एंग्लो-वैदिक महाविद्यालय प्रशासन को दी आखिरी चेतावनी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा लगातार कई महीनों से ज्ञापन के माध्यम से विद्यालय प्रशासन की शिक़ायत और खामियों को अवगत कराने का कार्य छात्र नेताओं द्वारा किया जा रहा है तो वहीं छात्रों द्वारा की गई शिकायतों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है वही सोमवार को छात्र संघ बहाली मोर्चा का एक प्रतिनिधि मण्डल छात्र संघ भवन के मरम्मत के लिए महाविद्यालय में प्रधानाचार्य को पहले से दिए गए ज्ञापन पर कार्य ना होने पर मिलने पहुंचे। प्रतिनिधि मण्डल बहुत नाराज़ था की पहले ज्ञापन पर कार्य नही हुआ और जब महाविद्यालय प्रशासन से अपनी मांग रखने हेतु पहुंचे।तो महाविद्यालय प्रशासन की निरंकुसता दिखी और वहां कोई भी मिलने बाहर नही आया तो मोर्चा के पदाधिकारी धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। छात्रों ने प्रधानाचार्य और महाविद्यालय प्रशासन के मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए तब प्रधानाचार्य ने प्रतिनिधि मिले और मोर्चा के पदाधिकारी से लंबी वार्ता होने के बाद महाविद्यालय प्रशासन को आखिरी चेतावनी देते हुए ज्ञापन सौंपा और बोला की हमारी मांगे पूरी नही होती हैं और छात्र संघ भवन का मरम्मत नही होता है तो कुछ ही दिनों में मोर्चा वृहद आंदोलन करेगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।ईस दौरान बहाली मोर्चा के कोर कमेटी सदस्य अभिजीत राय, अनस शाहू, शरद कन्नौजिया, अनुज त्रिपाठी, देव राय, लक्ष्य शुक्ला, नैतिक गुप्ता, आयुष शुक्ला समेत अन्य छात्र मौजूद रहे। वहीं छात्रों का कहना है कि जब तक छात्रहित में की मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा। न्याय प्राप्ति के लिए प्रदर्शन ज़ारी रहेगा।

25 हज़ार इनामिया को काकादेव थाना पुलिस ने मुठभेड़ कर धरदबोचा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर काकादेव थाना क्षेत्र में पुलिस ने शातिर अपराधी को मुठभेड़ कर देर रात गिरफ़्तार कर लिया है, शातिर अभी बीते महीने ही जेल से बाहर आया था। वहीं नौ अक्तूबर की रात क़रीब 8.45 बजे बुजुर्ग घर के पास दीपिका टेलर की दुकान से कपड़े लेने गए थे। वापसी में कुछ दूर चलने पर उनपर हमला कर जेब में रखे नौ हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया गया था। वारदात में उनके चोट लग गई थी। उन्होंने तहरीर देकर अज्ञात पर लूट की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। वहीं काकादेव पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार अपराधी की धड़पकड़ करने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया जिससे अपराधी की शिनाख्त हुई, वहीं सूचना पर पुलिस को शातिर अपराधि की लोकेशन का पता चला कि बीमा अस्पताल की तरफ़ है। बताया जाता है कि शारदानगर निवासी बुजुर्ग पी.एस. बाजपेई को सिर पर रॉड मारकर लूटने वाले शातिर लुटेरा रानीगंज निवासी करन जायसवाल उर्फ रुचि को मुठभेड़ में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविवार देर रात काकादेव इंस्पेक्टर फोर्स के साथ रानीगंज में गुरुद्वारे के पास चेकिंग कर रहे थे, इसी दौरान शातिर पुलिस को देखकर भागा। तो पुलिस को शक हुआ तभी पुलिस ने पीछा करते हुए उसे बीमा अस्पताल के पीछे घेर लिया। अपने आप को पुलिस से घिरा पाया तो उसने पुलिस पर फायर झोंक दिया था। वहीं पुलिस ने अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्यवाही की, बाल-बाल बची पुलिस द्वारा हुई मुठभेड़ में शातिर के दाहिने पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर इलाज के लिए हैलट भेज दिया। इस दौरान काकादेव पुलिस के साथ स्वरूपनगर, फजलगंज थाने का भी फोर्स रहा। मुठभेड़ की सूचना पर मौके पर पहुंचे डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह व एसीपी स्वरूपनगर सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि शातिर पर एक दर्जन से अधिक हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं।

संजय वन पर्यावरण संरक्षण योग जागरूकता समिति(रजि.) के तत्वावधान मे स्वच्छता अभियान एवं गोष्ठी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर, आज किदवई नगर संजय वन में संजय वन पर्यावरण संरक्षण योग जागरूकता समिति रजिस्टर्ड के अंतर्गत सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें कई स्कूलों के लड़के और लड़कियों ने संजय वन परिसर में साफ सफाई करने के उपरांत अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी के सानिध्य में सदस्यता ग्रहण की एवं लोगों को संस्था का सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया कई लोगों ने संस्था की सदस्यता को ग्रहण किया एवं गोष्ठी के उपरांत अध्यक्ष डीके गुप्ता का जन्मदिन बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। डीके गुप्ता द्वारा अपने संबोधन में देश में बढ़ते हुए ग्लोबल वार्मिंग प्रदूषण, बदलते मौसम पर चिंता व्यक्त की एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में संस्था से जुड़कर अधिक से अधिक वृक्षारोपण, जल संचयन, एवं पर्यावरण को सुधारने के लिए प्रयास करने को कहा गया। साथ ही संस्था के द्वारा संजय वन की में साफ सफाई व स्वच्छता एवं वृक्ष रोपण के लिए स्वयंसेवकों की प्रशंसा की गई।

अध्यक्ष वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता का जन्मदिन भी मनाया गया

संस्था के वरिष्ठ संरक्षक कई व्यापार मंडलों में अध्यक्ष के पद पर चर्चित भाजपा नेता अनूप तिवारी के द्वारा संस्था के द्वारा चलाए जा रहे सफाई अभियान एवं सदस्यता अभियान की प्रशंसा की गई। मुख्य रूप से भाजपा नेता अनूप तिवारी, मिश्रा जी, दीपक शुक्ला, सुनील मिश्रा, दीपांकर त्रिपाठी, छोटू यादव, नील रतन उपाध्याय, अमित दीक्षित, राजेश गुप्ता, रमन सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

मत्स्य पालक कल्याण कोष योजना के अन्तर्गत आवेदन आमंत्रित

कानपुर देहात, दिनांक मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित मत्स्य पालक कल्याण कोष योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इस योजना का लाभ ऐसे मत्स्य पालक / मछुआ समुदाय के व्यक्तियों को प्राप्त होगा, जो परम्परागत रूप से मत्स्य आखेटक, केवट, मल्लाह, निषाद, बिन्द, धीवर, कश्यप, बाथम, रैकवार, मांझी, गोडिया, कहार, तुरैहा अथवा तुराहा समुदाय से सम्बन्धित हों, अथवा अन्य कोई व्यक्ति जो एक वर्ष या उससे अधिक अवधि से मत्स्य पालन या मात्स्यिकी क्रियाकलापों से सक्रिय रूप से जुड़ा हो तथा उससे आजीविका अर्जित करता हो।

मिशन शक्ति फेज-05 : छात्राओं को किया गया जागरूक

नेशनल एक्सप्रेस

पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अंतर्गत महिला थाना उन्नाव द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री नारायण गर्ल्स डिग्री कॉलेज सिविल लाइन एवं राधाकृष्णन इंटर कॉलेज में महिला थाना एवं थाना कोतवाली सदर की संयुक्त टीम द्वारा छात्राओं और शिक्षिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, उपनिरीक्षक कंचन सिंह, आरक्षी लक्ष्मी, डॉ. आशीष श्रीवास्तव (प्रभारी परिवार परामर्श समिति), आरक्षी रणविजय, आरक्षी हेमंत, आरक्षी मानवेंद्र, आरक्षी रेखा एवं आरक्षी सचिन उपस्थित रहे। टीम ने बालिकाओं को महिला पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930, तथा स्वास्थ्य सेवाओं हेतु 102 एवं 108 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी। साथ ही, छात्राओं को साइबर सुरक्षा, गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा से संबंधित कानून, एवं महिलाओं के लिए शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को हर परिस्थिति में आत्मविश्वास बनाए रखने, असुरक्षा की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने, और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर टीम ने यह भी बताया कि जनपद के प्रत्येक थाने पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श एवं शिकायत निस्तारण की सुविधा उपलब्ध है।यह कार्यक्रम नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में एक सशक्त पहल रहा।

मेष : योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मिथुन : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क : सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी।

सिंह : अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है।

कन्या : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। बुरी संगति से बचे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है।

तुला : कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग।

मकर : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

कुम्भ : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात्‌ दूर हो जाएगी।

मीन : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

रेडीमेड कपड़ा के कारखाने में लगी भीषड़ आग दीवार तोड़कर आग पर पाया काब

डी के सिंह

कानपुर कर्नलगंज क्षेत्र में तिकोनिया पार्क के पास तीन मंजिला बिल्डिंग में रेडीमेड के कारखाने में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की लपटें देख आसपास रहने वाले लोगों में अफरातफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने दूसरी बिल्डिंग से घुसकर दीवार तोड़ी। इसके बाद हौज पाइप की मदद से करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस व दमकल ने पांच परिवारों के करीब 18 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेडीमेड कपड़ों के जलने से लाखों का नुकसान होने की संभावना है। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार आग की वजह शॉर्ट सर्किट बताई गई है। वहीं आग की हड़कंप से क्षेत्रीय लोगों ने तत्काल क्षेत्रीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित किया, तो वहीं प्लास्टिक का सामान पड़े रहने के चलते पानी डालने पर और आग भड़क रही थी। दमकल कर्मियों ने पड़ोसी अब्दुल रहमान के घर से आग वाली बिल्डिंग की हथौड़े से दीवार तोड़ी फिर इसके बाद सीढ़ी में चढ़कर आग पर काबू पाया।

वही क्षेत्र में भारी भीड़ मौजूद थी तभी तीन थानों की फोर्स ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया ने कार्य किया। क्षेत्रीय पुलिस के अनुसार बताया जाता है कि यह घनी आबादी वाले इलाके में तीन मंजिला दिलदार खान की इमारत में शालू, हनीफ खां, अटई समेत पांच परिवार के कुल 18 लोग रहते हैं। इमारत के दूसरे तल पर इलाके में रहने वाले मजहर खान का रेडीमेड शर्ट का कारखाना भी है। रविवार को कारखाना बंद था। देर रात करीब 11 बजे शॉर्ट सर्किट की वजह से कारखाने में धुंआ उठने लगा। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। क्षेत्रीय पार्षद मोहम्मद नौशाद की सूचना पर कर्नलगंज फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी प्रदीप शर्मा और लाटूश रोड फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी कैलाश चंद्रा मौके पर चार गाड़ियों के साथ पहुंचे। दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से बिल्डिंग में रहने वाले पांच परिवारों की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को सीढ़ी से एक-एक करके सुरक्षित बाहर निकाला। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से कारखाने में आग लगी थी। बिना किसी जनहानि के आग पर काबू पा लिया गया। वही बताया जा रहा है कि इमारत में लगी आग से लाखों का नुकसान हुआ है।

राम कथा श्रवण से मानव का चरित्र निर्माण होता है

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला खत्रियाना स्थित महिला सत्संग भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में चतुर्थ दिवस वृंदावन के विख्यात कथा व्यास भारत भूषण जी महराज ने भगवान राम के विवाह की कथा अंतर्गत वैवाहिक गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालु श्रोता भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्रीराम विवाह उत्सव के शुभ अवसर पर अचानक पड़ोसी विधानसभा मल्लावां के विधायक आशीष सिंह आशु भैया मंच पर जा पहुंचे और उन्होंने भागवताचार्य भूषण का माल्यार्पण एवं पगड़ी पहनाकर कर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इसलिए रामकथा श्रवण से मानव का चरित्र निर्माण होता है। जबकि श्रीमद भगवतगीता के पठन-पाठन से परमात्म दर्शन के साथ ही आत्मबल बढ़ता है। उन्होंने समाज की खासकर युवा पीढ़ी से भगवान राम का चरित्र आत्मसात करने की अपील की। इसके बाद यजमान अशोक रस्तोगी और उनकी धर्मपत्नी अलका रस्तोगी सहित चौधरी दिनेश सिंह, कृष्ण कुमार रस्तोगी, निर्मल रस्तोगी व विष्णु दयाल रस्तोगी ने विधायक श्री आशु भइया को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

स्वरूप नगर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अंतर्राज्यीय गिरोह के 8 सदस्यों को गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस डी के सिंह

स्वरूप नगर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 8 सदस्यों को गिरफ्तार किया। टीम ने आरोपियों के पास से 10 मोबाइल, 11 सिम कार्ड, तीन आधार कार्ड, चार ड्राइविंग लाइसेंस, दो मतदाता पहचान पत्र, दो पैन कार्ड 15 डेबिट कार्ड, एक क्रेडिट कार्ड, सात पासबुक, 15 चेकबुक, नकदी और कार बरामद की। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजने के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश शुरू की।

स्वरूप नगर थाना प्रभारी सूर्यबली पांडेय ने बताया कि रविवार सुबह मुखबिर की सूचना पर स्वरूप नगर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मोतीझील मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी सफेद रंग की स्विफ्ट कार के पास खड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया। टीम ने आरोपियों के पास से दस्तावेज समेत 1,450 रुपये नकद बरामद किए।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह अपने जान-पहचान और गरीब लोगों के नाम पर बैंक खाता खोलते थे। उस खाते को किराये पर लेकर उसका प्रयोग साइबर ठगी की रकम को ट्रांसफर करने में करते थे। आरोपियों के नाम प्रयागराज निवासी मो. सलमान, मो. इमरान, कासिम अली, अरून सिंह, झारखंड निवासी ओम रजवार, मऊ निवासी पियूष सिंह, हरियाणा निवासी पिसोरा सिंह, बलरामपुर निवासी रजत कुमार वर्मा है।

आरोपियों के पास से बरामद दस्तावेजों की साइबर पोर्टल में जांच करने पर उन पर दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, केरल, यूपी, आदि राज्यों में 33 शिकायतें दर्ज है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन में शामिल होंगे 16 देशों के प्रतिनिधि

-27 अक्टूबर को होगा विश्व महारायण यज्ञ

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में आयोजन स्थल दावानल कुंड स्थित उड़िया बाबा आश्रम में पीपाद्वाराचार्य जगद्गुरु बलराम बाबा, महामंडलेश्वर डॉ आदित्यानंद महाराज, महंत श्री रामदेव चतुर्वेदी, महंत श्री चंद्र दास जी महाराज, महंत श्री रामदास जी महाराज, श्री कृष्ण जन्मभूमि के मुख्य याचिका कर्ता पं दिनेश फलाहारी ने भूमि पूजन कर गणेश पूजा की गई। श्री कृष्णा जन्म भूमि के मुख्य याचिका कर्ता पं दिनेश फलाहारी ने संयुक्त रूप से गणेश पूजा कर भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक पं बिहारी लाल वशिष्ठ ने बताया की 27 अक्टूबर को प्रातः बेला में विष्णु महायज्ञ एवं दोपहर को 2 बजे अंतरराष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें 16 देशो के सनातनी हिंदू भाग लेंगे, यह आयोजन श्री कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए आयोजित होगा। पं दिनेश फलहारी महाराज ने कहा कि अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, बर्मा , इंग्लैंड, मॉरीशस, नेपाल, वियतनाम, भूटान, कैलिफोर्निया, जर्मनी से प्रतिनिधि इस आयोजन को दिव्यता प्रदान करेंगे। भागवत आचार्य सुरेश चंद्र शास्त्री एवं अशोक शास्त्री ने कहा कि हिंदू सम्मेलन में विदेश से लेकर सभी प्रदेशों के प्रतिनिधि उपस्थित होकर सनातन धर्म की जय जयकार कर समान नागरिक कानून, परिवार नियोजन, एवं ब्रज चौरासी कोस में मुगलकालीन स्मारकों के नामकरणों को समाप्त कराकर उन्हें वैदिक सनातन परंपरा के अनुरूप रखे जाने की बात होगी। इस अवसर पर सन्यासी साध्वी राधा नंद गिरी, पंडित कुलदीप दुबे ने कहा कि अब समय आ गया है जब सनातन धर्म की पता का संपूर्ण भारतवर्ष में पहरानी होगी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों को कुचलने के लिए युवा वर्ग कुसंगति त्याग कर सदमार्ग को अपनाये। इस अवसर पर अनिल शास्त्री, राजेश कृष्ण शास्त्री, गिरिराज सिंह बाल्मीकि, श्रीधर पंकज, पीयूष आनंद, स्वामी अभिधानंद, ईश्वर चंद्र रावत, बिंदिया देवी, कार्यक्रम का संचालन पं राजेश पाठक ने किया।

अवैध आतिशबाजी बेचते दुकानदार गिरफ्तार

मथुरा। थाना जैंत पुलिस ने अवैध रूप से आतिशबाजी बेच रहे एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में विभिन्न प्रकार की विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह गिरफ्तारी मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम चंद्र नगर स्थित गणेश जनरल स्टोर पर बिना लाइसेंस के आतिशबाजी की बिक्री की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए नयति चौकी प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में कांस्टेबल गौरव कुमार, हेड कांस्टेबल रुकमान और कांस्टेबल प्रदीप कुमार की टीम ने तत्काल स्टोर पर छापा मारा। पुलिस टीम ने मौके पर चंद्रनगर निवासी ललित पाठक (36) को स्टोर पर सफेद प्लास्टिक के बोरे में आतिशबाजी रखकर बेचते हुए रंगे हाथ पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 120 से अधिक आतिशबाजी के पैकेट जब्त किए।

पंचायत भवन परिसर में चल रहे स्वदेशी मेला

पांचवें दिवस में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली चौहान उपस्थित

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ, इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. शेफाली सिंह ने कहा कि स्वदेशी मेला हमारे देश की आत्मा मिट्टी, खादी और कारीगरों की मेहनत को सजीव रूप में प्रस्तुत करता है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे कारीगर और उद्यमी 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को साकार कर रहे हैं। माटी से बने उत्पाद और खादी के परिधान न केवल हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाया गया मजबूत कदम भी हैं।उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करते हैं और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। हर नागरिक को चाहिए कि वह अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दे। मेले में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने भाग लिया और विभिन्न स्टॉलों पर खरीदारी की। लोगों ने विशेष रूप से माटी से बने शिल्प, खादी वस्त्र, घरेलू उत्पादों, आभूषणों और हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुओं में गहरी रुचि दिखाई। डॉ. शेफाली चौहान ने स्वयं भी कई स्वदेशी उत्पाद खरीदे और कारीगरों से बातचीत कर उनके कार्य की सराहना की और इस पहल को सराहते हुए कारीगरों का उत्साहवर्धन किया।

स्वदेशी मेला 2025 में स्थानीय कलाकारों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स ने पारंपरिक कला और स्वदेशी उद्योग को नई पहचान दी है। स्वदेशी मेले में मुज़म्मिल द्वारा लगाया गया चीनी मिट्टी उत्पादों का स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। मुज़म्मिल ने अपने स्टॉल पर चीनी मिट्टी से बने दीये, फूलदान, धूपबत्ती स्टैंड एवं अन्य सजावटी सामानों का प्रदर्शन किया। उनके द्वारा तैयार किए गए ये सभी उत्पाद अपनी सुंदरता, बारीक कारीगरी और उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहे हैं। मेले में आए लोगों ने मुज़म्मिल की कला और उनकी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कारीगर स्वदेशी हस्तकला को नई ऊँचाइयाँ दे रहे हैं और पर्यावरण हितैषी उत्पादों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ा रहे हैं।स्वदेशी मेला 2025 में इस वर्ष स्वदेशी कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उद्यमिता की झलक बखूबी देखने को मिली। मेले में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों और उद्यमियों ने अपने-अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर स्वदेशी भावना को नई ऊँचाइयाँ दीं।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पश्चिमी उ.प्र. मंडलवार समीक्षा बैठक संपन्न

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद। सोमवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की पश्चिमी उत्तर प्रदेश मंडलवार समीक्षा बैठक मुरादाबाद जिला कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय, प्रदेश, मंडल, जिला, विधानसभा, ब्लॉक, महानगर एवं सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का संचालन एवं नेतृत्व राष्ट्रीय सचिव एवं प्रवक्ता, प्रभारी पश्चिम उत्तर प्रदेश दयाराम भार्गव तथा प्रदेश अध्यक्ष सुजीत बंजारा के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठनात्मक मजबूती, तथा जनसंपर्क अभियानों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सभी जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे राजपाल सिंह मंडल अध्यक्ष, मुरादाबाद, रवि चौधरी जिला अध्यक्ष एवं मंत्री प्रतिनिधि मुरादाबाद, अर्पण सक्सेना जिला अध्यक्ष, संभल,सतपाल तोमर जिला अध्यक्ष, अमरोहा, विनोद पटेल जिला अध्यक्ष, रामपुर, अशोक बंजारा जिला अध्यक्ष, बिजनौर, भारतेंदु सोनकर जिला अध्यक्ष, बरेली, राजेश कश्यप जिला अध्यक्ष बदायूं इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति अपने विचार साझा किए और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

नशे के तस्कर को 63 नशीले इंजेक्शन,17 संदिग्ध मोबाइल के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशानुसार अपराध एंव अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध मादक पदार्थो के निर्माण,तस्करी, नशे के कारोबार में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण,मुरादाबाद के कुशल पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी बिलारी व प्रभारी निरीक्षक थाना मैनाठेर के नेतृत्व में सोमवार को थाना मैनाठेर पुलिस द्वारा गश्त,चैकिगं के दौरान अभियुक्त दानिश पुत्र शाबिर निवासी ग्राम घनसूरपुर थाना एचोडा कम्बोह जनपद सम्भल को गिरफ्तार किया गया । जिसके कब्जे से 63 नशीले इंजेक्शन, 17 मोबाईल फोन व एक मोटरसाइकिल बिना नं0 प्लेट बरामद की गयी। गिरफ्तारी,बरामदगी के आधार पर अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध थाना मैनाठेर पर मु0 एक्ट पंजीकृत किया गया है। अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण दानिश पुत्र शाबिर निवासी ग्राम घनसूरपुर थाना एचोडा कम्बोह जनपद सम्भल।

यमुना एक्सप्रेस वे पर अज्ञात वाहन से टकराया कैंटर

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर सोमवार रात नोएडा से आगरा की ओर जा रहा कैंटर सुरीर के समीप झपकी में अनियंत्रित होने पर आगे चल रहे किसी में टकरा गया। जिससे कैंटर में सवार चालक और क्लीनर घायल हो गए। जिनमें क्लीनर की हालत गंभीर बताई गई है। चालक अखिलेश निवासी कानपुर साथी क्लीनर बृजेश कुमार निवासी उन्नाव के साथ यमुना एक्सप्रेस वे पर नोएडा से कैंटर लेकर आगरा की ओर जा रहे थे। सुरीर क्षेत्र में माइल स्टोन 83 के समीप झपकी में अनियंत्रित होने पर कैंटर आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गया। जिससे कैंटर में सवार चालक और क्लीनर घायल हो गए।

श्री साई फर्नीचर एग्जीबिशन का शुभारंभ,विधायक रामवीर ने कहा मुरादाबाद के लिए गर्व की बात

मुरादाबाद। श्री साई फर्नीचर की तरफ से एक एग्जीबिशन व्हाइट हाउस बुद्धि विहार मुरादाबाद में आयोजित की गई। श्री साई फर्नीचर के संचालन सुनील चोपड़ा द्वारा तथा उद्घाटन रामवीर ठाकुर विधायक कुंदरकी ने किया। श्री साइन फर्नीचर के संचालक सुनील चोपड़ा ने बताया कि ये फर्नीचर मुरादाबाद में जो यह एग्जीबिशन लगाई गई है। यह एक मुरादाबाद की जनता के लिए उनके लिए एक गर्व की बात है। यहां पर सभी तरह का फर्नीचर उपलब्ध है। और अच्छे से अच्छा फर्नीचर उपलब्ध है। फर्नीचर का जमकर तारीफ की सस्ता और अच्छा फर्नीचर जिसको जैसे जरूरत हो उसके अनुसार यहां फर्नीचर उपलब्ध है। और उन्होंने कहा अच्छे से अच्छा फर्नीचर अच्छे डिस्काउंट के साथ ऐसा फर्नीचर कहीं नहीं मिल पाएगा कम दामों में।

दो सगे भाइयों में हुआ झगड़ा, पत्थर फेंकने से मची खलबली

सुरीर। गांव लोहई में सोमवार रात बंटवारे के विवाद को लेकर सगे भाइयों में झगड़ा हो गया। जिसमें ईंट पत्थर फिंकने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई और झगड़ा कर रहे दो भाइयों को गिरफ्तार कर लिया।सुरीर के गांव लोहई में सोमवार रात सगे भाई धीरी सिंह और राजेंद्र के मध्य घर की जमीन के बंटवारे के विवाद को लेकर कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। जिसमें ईंट पत्थर फिंकने की सूचना पर थाना पुलिस पहुंच गई।

राज्य कर्मचारी मांगों के लिए फिर करेंगे शक्ति प्रदर्शन

-कर्मचारियों की 14 नवंबर को रामलीला मैदान में विशाल रैली

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। इप्सेफ के नेतृत्व मे राज्य कर्मचारी सयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वधान मे कर्मचारियों की लंबित मांगो को न माने जाने पर पुरे देशभर के कर्मचारी 14 नवंबर को रामलीला मैदान मे विशाल रैली का आयोजन करेंगे जिसके लिए प्रत्येक जनपद मे बैठक कर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अधीन जुड़े सभी घटको के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कर विशाल रैली को सफल बनाने हेतु आगे की रणनीति तैयार की।जिसमे कर्मचारियों की पूर्व से लंबित प्रमुख मांगे जैसे आठवें वेतन आयोग का तत्काल गठन करके 1 जनवरी 2026 से लागू किया जाएपुरानी पेंशन को ही बहाल किया जाए, 50 प्रतिशत से अधिक डी ए हो जाने पर 50 प्रतिशत डीए को वेतन में मर्ज किया जाए जैसा पहले होता आया है,आउटसोर्स तथा अन्य प्रकार के संविदा ठेका आंगनबाड़ी आदि कर्मचारियों को नियमित करने की नीति बनाई जाए जिससे उन्हें जीने लायक वेतन व अन्य सभी सुविधाएं मिल सके ऐसे कर्मचारियों के परिवार की दयनीय दशा है, दीपावली से पूर्व बोनस का भुगतान जैसी तमाम मांगो को जल्द से जल्द पूर्ण करने हेतु इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार रावत एवं महामंत्री अतुल मिश्रा की उपस्थिति मे राजकीय नेत्र परीक्षण अधिकारी संघ के वरिष्ठ प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष पी.डी.गौतम और जिला मंत्री गिर्राज सारस्वत के नेतृत्व मे जनपदीय बैठक का आयोजन एक निजी स्थान पर कर परिषद के सभी विभागीय घटको के पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर प्रतिभाग किया। वही जिलाध्यक्ष पीडी गौतम ने सभी से अपील कर निवेदन किया की उत्तर प्रदेश का पूर्व की भांति नाम रोशन करने के लिए भारी तादाद में जनपद से अधिक से अधिक संख्या मे कर्मचारियों को 14 नवंबर को रामलीला मैदान नई दिल्ली में प्रातः 10 बजे पहुंच कर रैली को सफल बनाने का आह्वान किया गया। वही इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों के कर्मचारियों से अपील की है कि पूर्व की भांति भारी तादाद में रामलीला मैदान में पहुंचकर रैली को सफल बनाएं।

बिना लाइसेंस के चल रहा घी कारोबारी के घर खाद्य विभाग का छापा

नेशनल एक्सप्रेस अरशद

मुरादाबाद। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के आदेश तथा जिलाधिकारी मुरादाबाद के निर्देश के क्रम में सोमवार को सहायक आयुक्त खाद्य एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में ग्राम देवापुर थाना कटघर स्थित मोइन पुत्र तस्वीर हुसैन के घर से घी के पांच नमूने लिए गए मौके पर कारोबार बिना किसी लाइसेंस के संचालित था। उक्त प्रतिष्ठान से नमूनों के उपरांत 155.7 किग्रा घी जब्त किया गया। जिसका मूल्य 78250 रुपए, कारखाना सील कर दिया गया और कारोबार पर रोक लगा दिया गया टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश कुमार एवं श्री प्रजन सिंह, हितेंद्र पाल द्वारा बलदेव पुरी स्थित राधा कृष्ण दूध डेयरी एंड स्वीट्स दुकान से लड्डू का नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिपाल सिंह द्वारा शकरपारा का नमूना बांस मंडी से लिया गया। तहसील कांठ से खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजीव कुमार खुट खेड़ा से से तथा एक नमूना रसगुल्ला का रामायण स्वीट से लिया गया खाद्य सुरक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह द्वारा एक गुड का नमूना तथा ढकिया पीरु से बर्फी का नमूना लिया गया तहसील बिलारी में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कृपा शंकर द्वारा एक क्रीम का नमूना मेंहलोली से लिया गया। इस प्रकार कूल 12 नमूने लिए गए। 16 निरीक्षण किए गए 155.7 किग्रा घी जब्त किया गया, जिसका मूल्य रुपया 78250 है।

विद्युत विभाग की टीम ने सात जगह पकड़ी बिजली चोरी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। शहर के सदर बाजार क्षेत्र में विद्युत टीम ने तड़के अभियान चलाया। यहां टीम ने सात स्थानों पर चोरी पकड़ी और अतिरिक्त केबलों को जब्त किया। सोमवार को एक्सईएन शहरी आशीष गुप्ता के निर्देशन में एसडीओ कैंट राम प्रताप मौर्य द्वारा सदर बाजार के मुकेरियान और मुकेरी क्षेत्र में तड़के अभियान चलाया। मीटर एवं केबलों को चेक किया गया। सात जगह बिजली चोरी के मामले पकड़े गए। स्टीट लाइट से भी विद्युत उपयोग होता मिला। अतिरिक्त केबलों को जब्त किया गया। जब लोग नींद से जागे तो पता चला कि विद्युत टीम चेकिंग कर रही है। इससे अफरा तफरी का माहौल रहा। जेई राकेश यादव, जेई संदीप कुमार,राजवीर सिंह,मोहन सिंह,भरत आदि ने मीटरों को चेक किया। फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की। विद्युत थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभियान की प्रगति से मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता शहरी को अवगत कराया गया है। एक्सईएन आशीष गुप्ता के अनुसार मुख्यालय के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है।

210 स्मार्ट मीटर ने दर्ज कराया ओवरलोड

मथुरा। विद्युत विभाग की टीम ने चेकिंग के दौरान पौने दो सौ संयोजनों को चेक किया। आधा दर्जन स्थानों पर चोरी पकड़ी। दो सैकड़ा से अधिक कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर लगाए। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग के निर्देशन मे विद्युत वितरण खंड वृंदावन के अंतर्गत छटीकरा उप केंन्द्र से पोषित छटीकरा फीडर पर उप खण्ड अधिकारी छटीकरा संदीप कांत वर्मा एवं उप खंड अधिकारी वृन्दावन संदीप वार्ष्णेय वृंदावन के नेतृत्व मे तीन टीम गठित कराकर छटीकरा क्षेत्र पर अलग स्थान पर चेकिंग अभियान चलाया गया। टीम के सदस्यों ने 174 संयोजन चेक किए गए, जिसमें छह संयोजन पर विद्युत चोरी पाई गई। कुल भार लगभग 14 किलावोट है। रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। 26 उपभोक्ताओं के लोड स्वीकृत भार से अधिक पाए गए, जिसका लोड बढ़ाने की कार्यवाही की जा रही है। 46 उपभोक्ताओं के मीटर परिसर से बाहर किए गए।

अपराध नियंत्रण की दिशा में पहल

-चोरी, लूट, डकैती के आरोपियों का पुलिस ने किया सत्यापन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। अपराधों पर नकेल कसने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की बड़ी पहल के तहत थाना जैंत पुलिस ने पिछले दस वर्षों में चोरी, लूट और डकैती के मामलों में शामिल रहे आरोपियों का व्यापक सत्यापन अभियान चलाया है। इस कार्रवाई से अपराधियों में भय का संचार हुआ है और पुलिस को उनका विस्तृत रिकॉर्ड तैयार करने में मदद मिली है। थाना जैंत पुलिस ने इस विशेष अभियान के तहत चिह्नित किए गए सभी आरोपियों को थाने बुलाया। कुछ मामलों में उन्हें पकड़कर भी लाया गया, जहाँ उनकी वर्तमान स्थिति और गतिविधियों की गहन जांच की गई। सत्यापन की यह प्रक्रिया सिर्फ पूछताछ तक सीमित नहीं रही। पुलिस ने सभी आरोपियों के विस्तृत डोजियर भी तैयार करवाए हैं। इन डोजियर में उनके आपराधिक इतिहास से लेकर व्यक्तिगत जानकारी तक का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है, जो भविष्य में किसी भी आपराधिक घटना के बाद पुलिस के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। थाना प्रभारी दी जानकारी की सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, पुलिस ने सभी आरोपियों को अच्छे चाल चलन की शपथ दिलाई। थाना प्रभारी जैंत उमेश चंद्र त्रिपाठी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह कदम आरोपियों को अपराध की दुनिया से दूर रहने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह अभियान अपराधों पर लगाम लगाने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जैंत पुलिस की यह कार्रवाई अपराधों की रोकथाम की दिशा में एक अहम और प्रभावी कदम मानी जा रही है।

विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों व साइबर अपराध की जानकारी देकर छात्राओं को किया जागरूक

मुरादाबाद। सोमवार को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध में मोहम्मद अता उल हक मेमोरियल इंटर कॉलेज व ग्राम कोरबाकू में छात्राओं के साथ गोष्टी आयोजित कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे,विधवा पेंशन योजना,वृध्दावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- वूमेन पावर लाइन-1090,घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181,पुलिस आपातकालीन सेवा -112,स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड हेल्पलाइन -1098,साइबर क्राइम 1930 आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए महिला सुरक्षा टीम 15 थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद।

दैनिक नेशनल एक्सप्रेस
43 वर्षों से निष्पक्ष व निर्भीक समाचार पत्र
आवश्यकता है
नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नेशनल एक्सप्रेस को हिंदी पत्रकारिता में ब्यूरो प्रमुख, अनुभवी पत्रकार / विज्ञापन प्रसार के लिए दिल्ली व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आवश्यकता है। जर्नलिज्म में अपना कैरियर बनाने को इच्छुक व्यक्ति संपर्क कर सकते है।
7080333338 011-49065569
news.vpl@gmail.com
VPL MEDIA PRIVATE LIMITED
S-561, Greater Kailash- II, New Delhi-110048
15/240 G Civil Lines Kanpur - 208001

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'इन्वेस्ट यूपी' के पुनर्गठन प्रस्ताव को दी मंजूरी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'इन्वेस्ट यूपी' के पुनर्गठन प्रस्ताव को सोमवार को मंजूरी दे दी।

आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में सोमवार को संपन्न 'इन्वेस्ट यूपी' शासी निकाय की पहली बैठक में 'इन्वेस्ट यूपी' के पुनर्गठन प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दे दी। साथ ही प्रदेश के औद्योगिक निवेश ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इसमें कहा गया कि नए ढांचे के तहत कपड़ा, मोटर वाहन एवं इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक एवं सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ प्रकोष्ठ गठित किए जाएंगे। साथ ही मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में उपग्रह निवेश संवर्धन कार्यालय स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनर्गठन का उद्देश्य 'इन्वेस्ट यूपी' को अधिक कार्यकुशल, विशेषज्ञता-आधारित और निवेशक-केंद्रित संस्था के रूप में विकसित करना है।

बैठक में 11 महाप्रबंधक/सहायक महाप्रबंधक पदों पर कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। दो संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (पीसीएस संवर्ग) को प्रतिनियुक्ति पर तैनात करने को मंजूरी दी गई। इसके अलावा भूमि बैंक प्रकोष्ठ गठित करने का निर्णय लिया गया जिसमें दो पीसीएस अधिकारी (उप जिलाधिकारी/अपर जिलाधिकारी स्तर) तैनात होंगे।

बयान के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने बीते कुछ वर्ष में औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में करीब 4,000 नई फैक्टरी स्थापित हुईं, जिससे राज्य में इनकी कुल संख्या 27,000 हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन' (रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म) मंत्र के सफल क्रियान्वयन से राज्य के औद्योगिक परिवेश में आए सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है।

लखनऊ में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया एक लाख रुपये का इनामी अपराधी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस ने रविवार रात पारा थानाक्षेत्र में मुठभेड़ में एक लाख रुपये के इनामी अपराधी को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सुरेश सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रविवार रात आगरा एक्सप्रेस-वे के 'जीरो प्वाइंट' की 'सर्विस लेन' पर जांच के दौरान आरोपी को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तभी उसने पुलिस पर गोली चला दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी और उसको अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान एक लाख रुपये के ईनामी बदमाश गुरुसेवक (28) के रूप में हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

बुर्का पहनी महिला मतदाताओं की पहचान संबंधी निर्देश को वापस ले निर्वाचन आयोग: सपा

लखनऊ, (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बुर्का पहनी महिला मतदाताओं की पहचान करने और उन्हें मतदान की अनुमति देने से पहले सत्यापन करने संबंधी निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सोमवार को आपत्ति जताई और कहा कि यह कदम पारदर्शी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के खिलाफ है।

सपा ने आयोग से इस कदम को वापस लेने की मांग की।

सपा ने एक बयान जारी कर कहा कि बुर्का पहनी महिला मतदाताओं की पहचान आंगनवाड़ी सेविकाओं से कराये जाने और जांच के बाद ही उन्हें मतदान करने सम्बन्धित निर्वाचन आयोग के नये निर्देश वापस लिए जायें ताकि देश में पारदर्शी, स्वतंत्र, भयमुक्त निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो सके।

निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों को बिहार विधानसभा चुनाव में इस निर्देश को सख्ती से लागू करने और आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में भी इन नियमों को लागू करने को कहा है।

सपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने लखनऊ में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें आरोप लगाया गया कि ज्ञानेश कुमार द्वारा जारी निर्देश 'आयोग के नियमों के विपरीत' हैं।

ज्ञापन में निर्वाचन अधिकारियों के लिए आयोग की पुस्तिका (पृष्ठ 143, पैराग्राफ 13.6.9) का हवाला दिया गया, जो मतदान अधिकारियों को मतदान के दिन मतदाता पहचान पत्रों की जांच करने का अधिकार देता है।

ज्ञापन के मुताबिक, "नया निर्देश निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता व पारदर्शिता पर सवाल उठाता है और एक खास समुदाय के मतदाताओं को निशाना बनाता प्रतीत होता है। यह अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है।"

प्रदूषण विभाग की बड़ी कार्रवाई, ग्राम दधेड़ू में प्रतिबंधित ईंधन से चल रहे 6 कोल्हू सील

कोसर चौधरी नेशनल एक्सप्रेस

मुजफ्फरनगर। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषकों के खिलाफ प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जनपद के ग्राम दधेड़ू में प्रतिबंधित ईंधन (कपड़ा, प्लास्टिक आदि) से संचालित 6 कोल्हुओं को सील कर दिया है। यह कार्रवाई प्रदूषण अधिकारी गीतेश चंद्रा के दिशा-निर्देशन में की गई।

- पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर चलाया गया अभियान
- प्रदूषण अधिकारी गीतेश चंद्रा के निर्देश पर हुई कार्रवाई
- कपड़ा व प्लास्टिक जलाने से फैल रहा था जहरीला धुआं
- कोल्हू संचालकों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम दधेड़ू के चरथावल मार्ग पर स्थित इन कोल्हुओं का संचालन ग्रामवासियों फ़ैज़ मोहम्मद, फरहान, आबाद, नसीम, इकराम और गुलफाम द्वारा किया जा रहा था। शिकायत मिलने पर जब प्रदूषण अधिकारी गीतेश चंद्रा ने जांच कराई, तो पाया गया कि यह सभी कोल्हू प्रतिबंधित ईंधन जैसे कपड़ा, प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थों का इस्तेमाल कर रहे थे, जिससे आस-पास के इलाकों में जहरीला धुआं फैल रहा था और पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा था।

इसकी सूचना मिलते ही प्रदूषण विभाग की टीम ने पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर तत्काल ग्राम दधेड़ू पहुंचकर सख्त कार्रवाई करते हुए सभी 6 कोल्हुओं को सील कर दिया। इस अचानक हुई कार्रवाई से कोल्हू संचालकों में हड़कंप मच गया है और आस-पास के इलाकों में भी प्रदूषण विभाग के इस कदम की सराहना हो रही है।

माना जा रहा है कि संबंधित कोल्हू संचालकों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रदूषण विभाग के इस कड़े रुख से स्पष्ट है कि अब प्रदूषण फैलाने वालों के साथ कोई रियायत नहीं बरती जाएगी और नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री आवास के पास एक व्यक्ति ने की आत्मदाह की कोशिश

लखनऊ, (भाषा) राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के पास एक व्यक्ति ने कथित रूप से आत्मदाह का प्रयास किया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित उजारबारा के निवासी शिवम कुमार ने सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास के नजदीक विक्रमादित्य मार्ग चौराहे के पास पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर कथित तौर पर आग लगा ली। उन्होंने बताया कि गौतमपल्ली थाना क्षेत्र के बंदरिया बाग पुलिस चौकी के प्रभारी उप-निरीक्षक आदित्य सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वर्मा को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले गए। अधिकारियों के मुताबिक, वर्मा ने बाराबंकी के फतेहपुर थाने में आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक धमकी और शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करने का मामला दर्ज कराया था।

विंध्य-बुंदेलखंड में 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा हर घर नल से जल का संकल्प: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि विंध्य-बुंदेलखंड में 15 दिसंबर तक हर घर नल से जल का संकल्प पूरा हो जाएगा। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री रविवार को 'जल जीवन मिशन-हर घर नल योजना' की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में नमामि गंगे, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, जल निगम और विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में जल जीवन मिशन का कार्य कर रहीं विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र के हर घर में नल से शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 15 दिसंबर 2025 तक की समय सीमा तय की है। उन्होंने कहा है कि तबतक न केवल नल कनेक्शन लगाया जाना है, बल्कि 'थर्ड पार्टी ऑडिट' भी करा लिया जाए। उन्होंने अन्य परियोजनाओं को भी 15 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए।

फिलहाल 75 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके कार्य का समापन मार्च 2026 तक कराने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री का मानना है कि हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह योजना केवल पेयजल आपूर्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य, महिलाओं की गरिमा और ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता से सीधा जुड़ा मिशन है। योगी ने कहा कि योजनाओं की समयसीमा और गुणवत्ता, दोनों पर किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं होगा तथा कहीं भी किसी भी स्तर पर धनराशि की कमी नहीं होने दी जाएगी।

बैठक में बताया गया कि राज्य में कुल 90,223 करोड़ रुपये योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनमें 63 सतही स्रोत आधारित और 548 भूजल स्रोत आधारित योजनाएं शामिल हैं। बैठक में यह भी बताया गया कि अब तक 85,364 गांवों के 1.98 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। वर्तमान में 34,274 गांवों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री को बताया गया कि केंद्र सरकार द्वारा जल जीवन मिशन की अवधि दिसंबर 2028 तक बढ़ाने और परियोजना लागत में वृद्धि करने का प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से कार्यों को निरंतर जारी रखेगी ताकि जनता को योजनाओं का लाभ समय से मिल सके।

नशे की दुनिया की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी को रोकना आवश्यक: राज्यपाल

लखनऊ (भाषा) उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि युवा पीढ़ी के नशे की दुनिया की ओर बढ़ते कदम शिक्षण संस्थानों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनती जा रही है और इसे रोकना आवश्यक है।

राज्यपाल पटेल सोमवार को अयोध्या स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा, "वर्तमान में युवा पीढ़ी नशे की दुनिया की ओर बढ़ रही है, जो कि शिक्षण संस्थानों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनती जा रही है।" आनंदीबेन पटेल ने कहा, "विद्यार्थियों को जो नहीं करना चाहिए, वहीं आज किया जा रहा है और इसे रोकना आवश्यक है। पंजाब इसका जीवंत उदाहरण है।" उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अयोध्या प्रभु श्रीराम की पावन भूमि है इसलिए प्रदेश के सभी युवा इस तरह के अंधकार से स्वयं को दूर रखें। राज्यपाल ने कहा, "पढ़ना है तो बहुत अच्छा पढ़ो, खराब आदतें छोड़ दो और अपने माता-पिता व समाज के लिए एक आदर्श के रूप में स्वयं को स्थापित करो।"

जेल से रिहा होने के बाद सपा नेता आजम खां की सुरक्षा बहाल

लखनऊ, (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खां की सुरक्षा बहाल कर दी गई है। वह करीब 23 महीने जेल में रहने के बाद विगत 23 सितंबर को जमानत पर रिहा हुए थे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ₹उनकी (खां की) सुरक्षा बहाल कर दी गई है।₹

हालांकि, उनकी सुरक्षा का स्तर अब भी स्पष्ट नहीं है।

अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ₹खतरे के आकलन के आधार पर किसी व्यक्ति को कई तरह की सुरक्षा दी जाती है। इस मामले में (आजम खां का प्रकरण) व्यक्ति को पहले से ही वाई सुरक्षा प्राप्त थी। जेल जाने पर यह सुरक्षा वापस ले ली गई थी। अब जब वह जमानत पर रिहा हो गया है, तो उसकी वही सुरक्षा बहाल कर दी गई है।₹

हालांकि, वाई सुरक्षा के दो स्तर हैं - वाई और इसका थोड़ा उच्च संस्करण वाई प्लस। दोनों ही मध्यम सुरक्षा जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए आरक्षित हैं और वाई श्रेणी में लगभग आठ सुरक्षाकर्मी और वाई प्लस श्रेणी में कुछ और सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

रामपुर के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹फिलहाल आजम खां की सुरक्षा में पांच कान्स्टेबल और तीन गनर तैनात हैं। यह वाई श्रेणी सुरक्षा का संकेत देता है।₹

समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां 23 महीने जेल में रहने के बाद 23 सितंबर को जमानत पर रिहा हुए।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव आठ अक्टूबर को रामपुर में उनसे मुलाकात करने गये थे। उन्होंने खां के खिलाफ दर्ज मामलों को 'फर्जी' बताते हुए दावा किया था कि अगर 2027 के विधानसभा चुनावों के बाद सपा की सरकार आने पर खां के खिलाफ दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे।

अपनी रिहाई के बाद, सफ़ेद कुर्ता-पायजामा और काले रंग की जैकेट और धूप का रंगीन चश्मा पहने खान रामपुर पहुँचे, जहाँ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्होंने ₹उनके लिए दुआ करने वालों₹ की प्रशंसा की।

रामपुर से 10 बार विधायक और एक बार सांसद रहे 77 साल के आजम खां 100 से अधिक मुकदमे दर्ज होने के बाद सीतापुर जेल में बंद थे। वह पिछली 23 सितंबर को जमानत पर जेल से रिहा हुए थे।

हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान करना सरकार का मुख्य उद्देश्य: योगी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में फरियादियों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को हर मामले का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक विभिन्न जिलों से आये 50 से अधिक फरियादियों ने पुलिस कार्रवाई, बिजली आपूर्ति, वित्तीय सहायता और भूमि विवाद से संबंधित शिकायतें और निवेदन सामने रखे। मुख्यमंत्री ने हर फरियादी से बातचीत की। उनके आवेदन प्राप्त किये और अधिकारियों को उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

आदित्यनाथ ने जनता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह सिद्धांत उनकी सरकार के गठन के पहले दिन से ही उसका मार्गदर्शन करता रहा है।

आवश्यकता है

कला संकाय पद हेतु विषय: हिंदी, अंग्रेजी, भूगोल, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान। **विज्ञान संकाय हेतु:** गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जंतु विज्ञान, बनस्पति विज्ञान। योग्यता व वेतन यूजीसी के अनुसार। योग्य अभ्यर्थी 07 कार्यदिवसों में अपना आवेदन पत्र समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों सहित तीन प्रतियों में महाविद्यालय में जमा करवाएं। सम्पर्क करें, **प्रबन्धक-मो0-9927404252**

आनन्द डिग्री कॉलेज
चाऊपुरा मौलवी, धनौरा, जनपद अमरोहा

कार्यालय ग्राम पंचायत भीकनपुर सांखिनी विकासखंड हाथवंत जनपद फिरोजाबाद

पत्रांकः मीमो/निविदा/राज्य वित्त/केंद्रीय वित्त/मनरेगा योजना/वर्ष 2025-26 दिनांक:14/10/2025

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत भीकनपुर सांखिनी विकासखंड हाथवंत के अन्तर्गत वित्तिय वर्ष 2025-26 राज्य वित्त / केंद्रीय वित्त/मनरेगा योजना एवं अन्य मदो के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु दिनांक 14/10/2025 समय 10.00 बजे से 19/10/2025 अपराह्न 2:00 बजे तक पंजीकृत फर्मों से मुहरबन्द निविदायें आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रप्रत्र कार्यालय ग्राम पंचायत भीकनपुर सांखिनी से दिनांक 14/10/2025 को 10.00 बजे से प्राप्त किये जा सकते है। निविदायें दिनांक 19/10/2025 को समय 03.00 बजे ग्राम पंचायत भीकनपुर सांखिनी कार्यालय के सील बन्द बॉक्स में डाली जायेगी। जो उसी दिन निविदाओं को उपस्थिति में समय 03.00 बजे टेण्डर समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा मूल्य रू 200.00 धरोहर धनराशि....

क्र.	सामग्री का नाम	सामग्री की मात्रा	इकाई प्रति	इकाई दर	सामग्री का अनुमानित लागत रु0 में
1	सीमेन्ट बैग	680	बैग	371	252280
2	फाइनसैण्ड घन मी0	90	घन मी0	1995	179550
3	कोरसैण्ड	80	घन मी0	2835	226800
4	स्ट्रोन ग्रिट 10-10, एम.एम.घन मी0	80	घन मी0	2179	174320
5	स्ट्रोन ब्लास्ट 40 एम.एमगेज	80	घन मी0	1037	82960
6	प्रथम श्रेणी ईंट सं0 में	20000	प्रति नग	6.3	126000
7	पॉलीथिन	1600	वर्ग मीटर	12	19200
8	ब्रिक ब्लास्ट 40 एम.एम. गेज	120	घन मी0	260	31200
9	इण्टरलॉकिंग ब्रिक्स	20000	प्रति नग	22	440000
10	टाइल्स फ्लोर	80	घन मी0	737	58960
11	टाइल्स बॉल	80	घन मी0	60	4800
12	लोकल सैण्ड (जमुना बालू)	80	घन मी0	1050	84000
13	आयरन (सरिया)	20	कुन्तल	6854	137080
14	आयरन गेट	12	कुन्तल	6854	82248
15					
	योग				1899398

निविदा शर्तें:-

02 प्रतिशत जमानत राशि की एफ.डी.आर. सम्बन्धित ग्राम पंचायत के पक्ष में बंधक होगी। निविदा स्वीकृत व अस्वीकृत करने का अधिकार टेण्डर समिति का होगा। निर्माण सामग्री आवश्यकता अनुसार घट-बढ़ सकती है। पी.डब्लू.डी. के दरो के अनुसार घट-बढ़ सकती है। यदि किसी कारण से उपरोक्त दिनांक को कार्यवाही नहीं हो पाती है तो यह कार्यवाही अग्रीम कार्य दिवस में की जायेगी। किसी भी वाद विवाद की स्थिति में न्यायालय क्षेत्र फिरोजाबाद होगा।

प्रधान ग्रा.पं.भीकनपुर सांखिनी ,वि.खं.हाथवंत

सचिव ग्रा.पं.भीकनपुर सांखिनी ,वि.खं.हाथवंत

संक्षिप्त समाचार

रेलवे सलाहकार समिति ने टूंडला स्टेशन पर किया सघन निरीक्षण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। टूंडला (फिरोजाबाद)। उत्तर मध्य रेलवे की क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों ने सोमवार को टूंडला रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण दल में समिति सदस्य श्रीकृष्ण गौतम, जुबैद उर रहमान, संध्या गौतम एवं भूप सिंह पाल शामिल रहे। सदस्यों ने सबसे पहले हाल ही में रेल ओवरब्रिज की शटरिंग गिरने की घटना स्थल का मुआयना किया और इस हादसे को ह्लबेहद गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्णह्व बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना रेलवे की कार्यप्रणाली और ठेकेदार की लापरवाही को उजागर करती है। समिति सदस्यों ने स्पष्ट कहा कि वे इस पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार को सौंपेंगे, साथ ही दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदार कंपनी पर कठोर कार्रवाई की मांग करेंगे। निरीक्षण के दौरान समिति ने स्टेशन परिसर में निमार्णाधीन नई इमारत, यात्री प्रतीक्षालय, खानपान स्टॉल और यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बेहतर सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सदस्यों ने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कार्यस्थलों पर विशेष सावधानी बरतना और सख्त निगरानी आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान स्टेशन अधीक्षक सुजीत कुमार और चीफ कमर्शियल इंस्पेक्टर मनोज कुमार सहित रेलवे के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

बकाया पैसे मांगने पर अपमान से आहत व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान

नेशनल एक्सप्रेस/ क्राइम रिपोर्टर ।फिरोजाबाद। नारखी थाना क्षेत्र के ओखरा गांव में सोमवार को एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। जमीन विवाद और आर्थिक तनाव से परेशान एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान 50 वर्षीय भगवान सिंह उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, भगवान सिंह ने कुछ समय पहले अपनी करीब 2 बीघा 10 बिस्वा जमीन मदनपुर निवासी बबली पत्नी राकेश को बेची थी। बताया गया कि राकेश ने करीब तीन साल पहले भगवान सिंह को डेढ़ लाख रुपये ब्याज पर दिए थे, और रजिस्ट्री के समय दो-दो लाख रुपये के दो चेक भी दिए गए थे। ग्रामीणों का कहना है कि बीते दिन भगवान सिंह अपने बकाया पैसों की मांग को लेकर राकेश के पास पहुंचे थे, लेकिन वहां कथित तौर पर उन्हें डांटकर भगा दिया गया। इसी अपमान और तनाव से आहत होकर भगवान सिंह ने सोमवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही थाना नारखी पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी ने पंचायतनामा भरवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए फिरोजाबाद मोर्चरी हाउस भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौके पर कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। गांव में इस दुखद घटना से शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विवाद समय रहते सुलझ जाता, तो एक कीमती जान बचाई जा सकती थी। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में महिला सहित तीन अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

पटाखों की दुकानों पर प्रशासन की कड़ी नजर, किया निरीक्षण

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर । फिरोजाबाद/टूण्डला। दीपावली के त्योहार से पहले सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाना शुरू कर दिया है। सोमवार को एसडीएम टूण्डला अंकित वर्मा और क्षेत्राधिकारी टूण्डला अमरीश कुमार ने शहर की प्रमुख पटाखों की दुकानों का निरीक्षण किया। तीन से चार दुकानों पर जाकर प्रशासन ने न केवल पटाखों की स्टॉक और लाइसेंस की जांच की, बल्कि सुरक्षा मानकों और आग से बचाव की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने दुकानदारों को आग और सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए सख्त चेतावनी दी।एसडीएम अंकित वर्मा ने बताया कि इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य त्योहार के समय किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचाव सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।क्षेत्राधिकारी अमरीश कुमार ने कहा कि दुकानों पर सुरक्षा के हर उपाय को सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने जनता से भी आग्रह किया कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त और सुरक्षित दुकानों से ही पटाखे खरीदें। टूण्डला में इस प्रकार का निरीक्षण त्योहार से पहले सुरक्षा की जिम्मेदारी को लेकर प्रशासन की तत्परता को दशार्ता है।

छात्राओं ने पेश किए नवाचार के रंगीन मॉडल, विधायक ने की सराहना

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो । टूंडला। सोमवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में विकसित भारत 2025 का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर और प्रधानाचार्य मुदिता पांडे ने संयुक्त रूप से किया। सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चले इस कार्यक्रम में चार प्रमुख थीम पर छात्राओं ने अपने नवाचार और मॉडल प्रस्तुत किए झ्र आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, लोकल फॉर वोकल और समृद्ध भारत। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अपनी रचनात्मक सोच और इनोवेटिव आईडियाज के माध्यम से विभिन्न मॉडल तैयार किए, जिन्हें देखकर अतिथि गण मंत्रमुग्ध हो गए। भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, महामंत्री और प्रवक्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य और शिक्षिकाएं स्वाति एवं शिवांगी लवानिया ने छात्राओं को मॉडल तैयार करने में पूरी मदद की। विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने छात्राओं के तैयार किए गए मॉडल का निरीक्षण किया और उनकी रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। अतिथियों ने छात्राओं को उनके प्रयासों के लिए उत्साहवर्धन किया। विद्यालय में विकसित भारत 2025 का सजीव प्रसारण भी किया गया, जिससे छात्राओं और उपस्थित अतिथियों को कार्यक्रम की महत्वता का अनुभव हुआ। इस कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि भविष्य की पीढ़ी में देश के विकास और स्वावलंबन की भावना मजबूत है।

यातायात पुलिस का सख्त अभियान 998 चालान, 12 वाहन सीज

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर । फिरोजाबाद। सोमवार को क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस अभियान में सड़क सुरक्षा और महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान काली फिल्म हटवाने, गलत नंबर प्लेट और सरकारी, जाति सूचक शब्द लिखे वाहनों पर कार्यवाही की गई। स्टंटबाजी करने वाले वाहन चालकों को भी चेतावनी दी गई।

फरार दरिंदा फिर चढ़ा पुलिस के हत्थे, मुठभेड़ में दोनों पैरों में लगी गोली

24 घंटे में नाबालिग से दुष्कर्म प्रयास के आरोपी से दो बार मुठभेड़

तीन पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने किया निलंबित

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर (रामपाल चौधरी)

फिरोजाबाद। रसूलपुर पुलिस ने एक बार फिर नाबालिग से दुष्कर्म प्रयास के आरोपी से मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है।

सोमवार की सुबह पुलिस अभिरक्षा से ट्रॉमा सेंटर से फरार हुआ पॉक्सो एक्ट का वांछित संतोष पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त संतोष के दोनों पैरों में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गौरतलब है कि दिनांक 12 अक्टूबर 2025 को थाना रसूलपुर मिशन शक्ति पुलिस टीम ने नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास करने वाले अभियुक्त संतोष को पुलिस मुठभेड़ के दौरान अवैध असलहे सहित गिरफ्तार किया था। उस दौरान भी उसके पैर में गोली लगी थी। उपचार हेतु जिला अस्पताल लाए जाने पर संतोष पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। फरारी की जानकारी मिलते ही एसएसपी ने सौरभ दीक्षित ने तत्काल तीन टीमों का गठन कर अभियुक्त की धरपकड़ के निर्देश दिए। साथ ही अभिरक्षा में लापरवाही बरतने पर तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित भी कर दिया गया। तेजी से की गई घेराबंदी में सोमवार को पुलिस टीम की संतोष से मुठभेड़ हो गई, जिसमें वह फिर से गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, तीन खोखा कारतूस और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, संतोष ने बीते दिनों एक नाबालिग बच्ची को अकेला पाकर दुष्कर्म का प्रयास किया था, जिसके बाद से उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

> मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जनपद में महिला अपराधों से जुड़े अभियुक्तों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फरार अपराधी चाहे जितना चालाक हो, उसे कानून के शिकंजे से बचना नामुमकिन है।
>
> **-एसएसपी सौरभ दीक्षित**

टूटा परिवार फिर जुड़ा, रूठे पति-पत्नी हुए एक, मुस्कान लौट आई बच्चों के चेहरों पर

- महिला ने कहा- आज सच में लगा, पुलिस हमारी अपनी है

नेशनल एक्सप्रेस/ क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे ह्लमिशन शक्ति फेज 5.0ह्व अभियान के तहत थाना रामगढ़ क्षेत्र में एक बेहद सुखद परिणाम सामने आया है। यहां मिशन शक्ति टीम की काउंसलिंग से एक ऐसा परिवार फिर से जुड़ गया, जो पिछले कई महीनों से टूटने की कगार पर था। थाना रामगढ़ क्षेत्र के ताड़ो वाली बगिया की रहने वाली (काल्पनिक नाम) मुबीना पुत्री शौकत ने अपने पति फैसल के खिलाफ शिकायत लेकर थाना रामगढ़ पहुंचकर बताया कि पति आए दिन झगड़ा करते हैं, घर की परेशानियां और काम का तनाव परिवार पर निकालते हैं, जिससे रिश्तों में दरार बढ़ती जा रही है। मुबीना ने बताया कि उसने मिशन शक्ति कार्यक्रम में सुना था कि ऐसे मामलों में थाने की महिला पुलिस और काउंसलिंग टीम आपसी संवाद से समाधान निकालती है। इसी उम्मीद से वह थाने पहुंची थी। शिकायत सुनने के बाद महिला उपनिरीक्षक अलवीना पठान ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को बुलाकर शांतिपूर्ण माहौल में काउंसलिंग की। काउंसलिंग के दौरान पता चला कि दोनों की शादी को आठ साल हो चुके हैं और उनके तीन बच्चे हैं, परंतु पिछले कुछ महीनों से पति-पत्नी अलग-अलग रह रहे थे।काउंसलिंग के दौरान पुलिस अधिकारियों ने दोनों को समझाया कि उनकी आपसी लड़ाई का सबसे बड़ा असर उनके मासूम बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें न तो मां का स्नेह पूरा मिल पा रहा था और न पिता का साया। बातचीत के दौरान दोनों ने एक-दूसरे की भावनाओं को समझा और अपनी-अपनी गलतियों का एहसास किया। आखिरकार, दोनों ने आपसी सहमति से एक साथ रहने का फैसला किया। काउंसलिंग समाप्त होते ही थाने का माहौल भावुक हो गया, जब पति-पत्नी ने एक-दूसरे को मुस्कुराते हुए गले लगाया और बच्चों के साथ घर रवाना हुए। आवेदिका मुबीना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा – आज मुझे एहसास हुआ कि मिशन शक्ति सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि एक परिवार को जोड़ने वाली कड़ी है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने हमारे टूटे हुए घर को फिर से बसा दिया। मैं दिल से धन्यवाद करती हूं।

संविधान और लोकतंत्र की रक्षा को लेकर कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान जारी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

फिरोजाबाद। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को ह्लवोट चोर झ्र गद्दी छोड़ह्व जन आंदोलन के तहत शहर के बस स्टैंड, हाजीपुरा, जनपद न्यायालय परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने कहा कि ह्लकांग्रेस संविधान और लोकतंत्र की चोरी नहीं होने देगी। इसके लिए चाहे कितना भी बड़ा संघर्ष क्यों न करना पड़े, पार्टी पीछे नहीं हटेगी।ह्व उन्होंने आरोप लगाया कि ह्लवोट चोरी कर सत्ता में आई मोदी सरकार लोगों के संवैधानिक अधिकारों को कुचल रही है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। देश का आम नागरिक परेशान है जबकि सरकार कुछ चंद पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है।ह्व जिलाध्यक्ष यादव ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनता को यह जागरूक करना है कि भाजपा सरकार किस तरह जनता के हितों और सुविधाओं की अनदेखी कर रही है। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता हाजी सईद पटेल, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र तिवारी, लक्ष्मी प्रकाश गुप्त, जहीर खाकसर, बाबू राम निशंक, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय यादव, जिला महासचिव अनिल यादव, सुरेश चंद्र कौशल, वलवीर सिंह आजाद, सलीम अहमद (जिलाध्यक्ष दिव्यांग प्रकोष्ठ), डॉ. आसिम, अशोक कुमार, हरिओम, आशिफ शेख, मोहसिन, उवेदुला, अल्का वक्षी, जोगेंद्र गुर्जर, इंद्रजीत व दिनेश चंद्र सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। हस्ताक्षर अभियान में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस के इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

तीन शातिर चोर गिरफ़्तार, चोरी की 7 बाइकें और अवैध तमंचा बरामद

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। थाना पचोखरा पुलिस ने सोमवार को बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की सात मोटरसाइकिलें और एक अवैध तमंचा 315 बोर सहित जिंदा कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम गौरव पुत्र राजकुमार निवासी एटा रोड शिवनगर फिरोजाबाद, गुड्डू खान पुत्र वासुअली तथा राजा पुत्र वासुअली, दोनों निवासी मोहम्मदी थाना रजावली जिला फिरोजाबाद बताए गए हैं। ये सभी लंबे समय से क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। थानाध्यक्ष अमित तोमर के नेतृत्व में गठित टीम ने बीती रात्रि गश्त के दौरान इन अभियुक्तों को पकड़ने में सफलता पाई। पूछताछ में अभियुक्तों ने फिरोजाबाद समेत आसपास के क्षेत्रों से मोटरसाइकिलें चोरी करने की बात स्वीकार की।

व्यापार मंडल ने बाजार में किया जनजागरण अभियान

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष रामतीर्थ सिंह चक के नेतृत्व में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नगर के मुख्य बाजार में जाकर व्यापारियों और ग्राहकों से स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का आग्रह किया। यह अभियान आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाया गया। इस दौरान नगर अध्यक्ष रामतीर्थ सिंह चक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत ने ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि अगर हमें भारत को आत्मनिर्भर बनाना है तो हमें स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना होगा। देश में निर्मित उत्पादों की खरीद को बढ़ावा दें और ऑनलाइन खरीदारी पर पूर्णतः रोक लगाएं।रामतीर्थ सिंह चक ने आगे कहा कि नगर के स्थानीय व्यापारी हमेशा धार्मिक व सामाजिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग करते हैं, इसलिए नगरवासियों का भी दायित्व है कि वे अपने ही स्थानीय दुकानदारों से खरीददारी करें, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके।अभियान के दौरान नगर उपाध्यक्ष उमेश गुप्ता, महेश चंदानी, ललित जैन, तरुण शर्मा, कृष्ण हरेंद्रपाल सिंह, मोनू जैन, अवनीश जैन, आफताब कुरैशी, नसीम खान, अनिल गुप्ता, कुशाग्र कौशल, देवांशू प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

दीपावली से पहले फूटा अवैध पटाखा निर्माण का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

- 6 क्विंटल विस्फोटक बरामद

नेशनल एक्सप्रेस/ क्राइम रिपोर्टर (रामपाल चौधरी)

फिरोजाबाद। आगामी दीपावली त्योहार के मद्देनजर जहां पुलिस प्रशासन सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुस्तैद है, वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना शिकोहाबाद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पटाखा निर्माण में प्रयुक्त होने वाले भारी मात्रा में विस्फोटक एवं ज्वलनशील पदार्थ बरामद कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अवैध पटाखा निर्माण एवं भंडारण करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि फिरोजाबाद पुलिस त्योहारों की खुशियां खतरे में डालने वालों को किसी भी सूरत में बख्शने के मूड में नहीं है।

मुखबिर की सूचना पर छापा, दो भाई गिरफ्तार: थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर बड़ा बाजार मिश्राना मोहल्ला स्थित दो भाइयों के घर व दुकान पर दबिश दी। मौके से अंकित पुत्र स्व. राकेश (40 वर्ष) तथा वत्सल पुत्र स्व. दिनेश (30 वर्ष) निवासी रहटगली, बड़ा बाजार, शिकोहाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया।

गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज: पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

दीपावली पर बढ़ाई जाएगी निगरानी: एसएसपी सौरभ दीक्षित ने स्पष्ट किया कि जनपद में किसी भी प्रकार का अवैध पटाखा निर्माण या विस्फोटक सामग्री का भंडारण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, जो लोग सार्वजनिक सुरक्षा से खिलवाड़ करेंगे, उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। त्योहार खुशियों का प्रतीक है, खतरे का नहीं।

> **छह क्विंटल से अधिक विस्फोटक बरामद**
>
> छापेमारी के दौरान पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से कुल 06 क्विंटल से अधिक ज्वलनशील व विस्फोटक पदार्थ बरामद किया। बरामदगी में 157.565 किलोग्राम पोटाश, 33.635 किलोग्राम गंधक, 28.930 किलोग्राम कोयला पाउडर, 87.775 किलोग्राम सफेद पाउडर, 20.215 किलोग्राम ब्लैक पाउडर, 35.075 किलोग्राम सिल्वर दाना, 16.725 किलोग्राम बदरपुर, 24.110 किलोग्राम टाइल पाउडर, 24.570 किलोग्राम सफेद क्रिस्टल, 52.700 किलोग्राम बैर का चूर्ण, 6.735 किलोग्राम क्लीनिंग पाउडर, 10.245 किलोग्राम सेंधा नमक, एक लोहे का ड्रम, एक प्लास्टिक की कट्टी (80.400 किलोग्राम) ज्वलनशील तरल पदार्थ (तेजाब), एक इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन व एक पन्नी का पैकेट शामिल है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह के साथ सम्मेलन का समापन

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर ।

सिरसागंज। हिंदी पत्रिकारिता के द्विशताब्दी दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं अतिथियों ने हिंदी पत्रिकारिता को सशक्त और समृद्धि बनाने पर मंथन किया। जिसमें पत्रकारों से हिंदी पत्रिकारिता की सुचिता के प्रति समर्पण भाव से काम करने की सलाह दी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि हिंदी भाषा और हिंदी पत्रकारिता देश की आत्मा है। इस अवसर पर देश भर से आए वरिष्ठ पत्रकारों और यूनियन के पदाधिकारियों के साथ ही जनपद के सभी पत्रकारों को प्रतीक चिंह और शॉल उढ़ाकर एवं मूमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कोआपरेटिव बैंक के अध्यक्ष अतुल प्रताप सिंह रहे। मंचासीन अतिथियों में नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट इंडिया के संयोजक प्रमोद गोस्वामी, संरक्षक सुरेंद्र दुबे,वरिष्ठ पत्रकार के बक्स सिंह, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सक्सेना, महामंत्री संतोष भगवन, कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष डीएम शर्मा, उमाकांत पचौरी एडवोकेट, सुनील वशिष्ठ , राजीव शर्मा, अमित उपाध्याय और जितेंद्र शर्मा, एवं चेयरमैन सिरसागंज रंजना सिंह, डा. गुरुदत्त सिंह, बीएसए आशीष पांडे, और जिला विद्यालय निरीक्षक जितेंद्र सिंह का संस्था के जिलाध्यक्ष संजय शर्मा और महामंत्री दिनेश वशिष्ठ ने बुके देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए हिंदी पत्रकारिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हिदी पत्रिकारिता के सामने अनेक चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों को एक पत्रकार ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से कार्य करते हुए निर्वहन कर रहा है। जो समाज की हर अच्छाई, बुराई और समाज में फैली कुरीतियों को जनता के सामने लाकर उजागर करता है और समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास करता है। लेकिन जब पत्रकारिता दिवस आता है तो अभावों में अपने कर्तव्य का पालन करने वाले पत्रकारों के लिए कोई सामाजिक, राजनैतिक या प्रशासनिक संस्थाएं आगे नहीं आती हैं। इस दौरान अरुणतिवारी, प्रमेंद्र यादव, जितेंद्र शर्मा राजीव शर्मा दीपक सोलंकी, विपिन कुमार, निकुंज यादव, राजीव सक्सेना, उमाकांत पचौरी एडवोकेट, सुनील वशिष्ठ, बिजेंद्र सिंह, कौशल राठौर, अश्वनी मोहन शर्मा, संजीव दुबे, अशोक कुमार, संजय कुमार, सचिन जैन व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

तीन हफ्तों में नाबालिग हत्या का आरोपी पाया दोषी, आजीवन कारावास और 62 हजार रुपए जुर्माना

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर ।

फिरोजाबाद। थाना रजावली क्षेत्र के ग्राम गढ़ी पांडेय में 27 अगस्त 2025 को हुई नाबालिग बच्ची की हत्या के मामले में पुलिस की तेज और सटीक कार्रवाई से अपराधी पर न्याय की मुहर लग गई। आज माननीय न्यायालय ने आरोपी ध्यानपाल उर्फ पप्पू को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 62 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई।थाना रजावली की पुलिस टीम ने क्षेत्राधिकारी टूंडला के नेतृत्व में, ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अभियुक्त की पहचान कर केवल तीन दिन में गिरफ्तारी कर ली थी।

गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का मोबाइल फोन बाजरे के खेत से बरामद हुआ, जो साक्ष्य के रूप में निर्णायक साबित हुआ। थानाध्यक्ष रजावली द्वारा सिर्फ 08 दिनों में भौतिक और तकनीकी साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जिसके आधार पर अदालत ने शीघ्र न्याय सुनिश्चित किया।

मामले में अभियोग के वादी, बच्ची की माता, चाचा, डॉक्टर, विवेचक और प्रधानाचार्य के बयान न्यायालय में दर्ज किए गए।

इस कार्रवाई से मृतिका के माता-पिता को न्याय मिला और मिशन शक्ति फेज-05 तथा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत महिला व बालिका अपराधों के खिलाफ पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्यवाही उजागर हुई।

हमास ने सभी जीवित बंधकों को रिहा किया, इज़राइल ने गाजा समझौते के तहत कैदियों को रिहा किया

दीर अल बला, (एपी) हमास ने सोमवार को युद्धविराम के तहत सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया। इस युद्धविराम ने गाजा पट्टी में दो साल से चल रहे युद्ध को रोक दिया है, जिसमें हज़ारों फलस्तीन मारे गए।

इस समझौते के तहत, इजराइल ने 1,900 से ज़्यादा फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है बंधकों की यह रिहाई ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजराइल और हमास के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम एवं बंधक समझौते का जश्न मनाने के लिए इज़राइल में हैं।

उन्होंने घोषणा की कि इस समझौते ने युद्ध को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है और पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

इस समझौते के तहत, इज़राइल ने 1,900 से ज़्यादा फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है और अकालग्रस्त गाजा में खाद्य और सहायता सामग्री की आपूर्ति बढ़ाने की अनुमति दी है। ट्रंप सोमवार को बाद में मिस्र में अन्य नेताओं के साथ अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते और युद्धोत्तर योजनाओं पर चर्चा करेंगे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि पिछले 24 घंटों में नष्ट हुई इमारतों के मलबे के नीचे से 60 फलस्तीनियों के शव बरामद किए गए हैं और उन्हें अस्पतालों में पहुंचाया गया है। इस तरह, इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम लागू होने और इज़राइली सैनिकों के गाजा के कुछ हिस्सों से पीछे हटने के बाद से पिछले चार दिनों में बरामद शवों की संख्या 200 हो गई है।

मंत्रालय का कहना है कि कई मृत लोग अब भी मलबे के नीचे दबे हैं, खासकर उन इलाकों में जहां बचावकर्मियों के लिये पहुंचना मुश्किल है।स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में इज़राइल के अभियान में 67,800 से ज़्यादा फलस्तीनी मारे गए। मंत्रालय नागरिकों और लड़ाकों में कोई अंतर नहीं करता, लेकिन उसका कहना है कि मृतकों में लगभग आधे महिलाएं और बच्चे थे।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने अपने हितों और अमेरिका की 'एकतरफा नीति' के आधार पर मिस्र में शर्म अल-शेख शिखर सम्मेलन में भाग लेने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है।मंत्रालय के प्रवक्ता, इस्माइल बघाई ने संवाददाताओं को बताया कि यह निर्णय मंत्रालय के अंदर और देश में अन्य निर्णय लेने वाली संस्थाओं के साथ चर्चा के बाद लिया गया है।

गाजा के भविष्य पर मिस्र शिखर सम्मेलन से पहले शांति के अवसर का लाभ उठाए इजराइल : ट्रंप

यरुशलम, (एपी) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इजराइली सांसदों से कहा कि उनके देश को युद्ध के मैदान में और कुछ हासिल नहीं करना है तथा हमास के खिलाफ दो साल के युद्ध तथा हिजबुल्ला और ईरान के साथ झड़पों के बाद पश्चिम एशिया में शांति के लिए काम करना होगा।

इजराइल और हमास के बीच अमेरिका की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम समझौता हालांकि अब भी नाजुक स्थिति में है, फिर भी ट्रंप क्षेत्रीय सद्भाव को कायम करने के अवसर का लाभ उठाने के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

उन्होंने इजराइली संसद नेसेट में घोषणा की, "अब से आने वाली पीढ़ियां इसे उस क्षण के रूप में याद करेंगी जब सब कुछ बदलना शुरू हुआ।" इजराइली संसद में उनका एक नायक के रूप में स्वागत किया गया।

ट्रंप ने कहा, "इजराइल ने हमारी मदद से हथियारों के बल पर वह सब कुछ हासिल कर लिया है जो वह कर सकता था। आप जीत गए हैं। मेरा मतलब है, आप जीत गए हैं। अब समय आ गया है कि युद्ध के मैदान में आतंकवादियों के खिलाफ इस जीत को पूरे पश्चिम एशिया के लिए शांति और समृद्धि के अंतिम पुरस्कार में बदला जाए।"

ट्रंप ने फलस्तीनियों से "आतंक और हिंसा के रास्ते को हमेशा के लिए त्यागने" का आग्रह करते हुए संघर्ष के दौरान तबाह हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण में मदद का वादा किया।

"अत्यधिक पीड़ा, मृत्यु और कठिनाई के बाद, अब समय आ गया है कि इजराइल को तोड़ने की कोशिश करने के बजाय अपने लोगों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाए।"

ट्रंप ईरान के प्रति भी नरमी भरा संकेत देते दिखे, जहां उन्होंने इस वर्ष के शुरू में इजराइल के साथ हुए संक्षिप्त युद्ध के दौरान तीन परमाणु स्थलों पर बमबारी की थी, तथा कहा है कि "मित्रता और सहयोग का हाथ हमेशा खुला है"।

अमेरिकी राष्ट्रपति दो दर्जन से अधिक देशों के साथ शिखर सम्मेलन के लिए मिस्र जाएंगे, हालांकि वह कई घंटे देरी से पहुंच रहे हैं क्योंकि नेसेट में भाषण अपेक्षा से अधिक लंबा चला।

ट्रंप के रुख से वैश्विक जलवायु कार्रवाई पर क्या असर पड़ सकता है ?

ब्रिस्बेन, (द कन्वरसेशन) संयुक्त राष्ट्र में पिछले महीने दिए गए एक विवादास्पद भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को ''दुनिया के साथ किया गया सबसे बड़ा छलावा'' बताया। यह दावा वैज्ञानिक साक्ष्यों की पूरी तरह अवहेलना करता है, जो स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन एक वास्तविक और गहन संकट है।यह भाषण एक चुनावी रैली जैसा अधिक लगा, न कि विश्व नेताओं के बीच दिया गया कोई कूटनीतिक संबोधन। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह रुख ब्राज़ील में आगामी सीओपी30 जलवायु सम्मेलन से पहले इस वैश्विक चिंता का विषय बन गया है कि अमेरिका जलवायु मुद्दों से एक बार फिर पीछे हट सकता है।

ट्रंप का रुख जलवायु परिवर्तन को नकारने वालों और झूठी जानकारी फैलाने वालों को बल देने वाला रहा है। वे अपने पुराने नारे 'ड्रिल, बेबी, ड्रिल' और अब 'माइन, बेबी, माइन' के अनुरूप कोयला और तेल उद्योग को खुला समर्थन दे रहे हैं।

ट्रंप ने ही पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को हटा लिया। उनकी घोषणा के बाद पिछले माह 1.3 करोड़ एकड़ संघीय भूमि को कोयला खनन के लिए खोला गया। उनके आदेश पर जलवायु डेटा वेबसाइटों से हटाया गया, और शोध के लिए सरकार की सीधी फंडिंग बंद कर दी गई।

उनके कदमों से निश्चित रूप से 'इन्फ्लेशन रिडक्शन एक्ट' कमजोर हुआ जो नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को बढ़ावा देने वाला, बाइडेन प्रशासन का प्रमुख कानून था।

इन नीतियों के चलते सात अरब टन अतिरिक्त कार्बन उत्सर्जन होने की संभावना है, जो कि वैश्विक दो डिग्री तापमान घटाने के लक्ष्य को पाने के लिए बचे कार्बन बजट का लगभग 20 फीसदी है।अमेरिका जैसे बड़े उत्सर्जक देश का पीछे हटना, यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों की वैधता को चुनौती देता है। इससे रूस, खाड़ी देशों जैसे अन्य उच्च उत्सर्जक राष्ट्रों पर दबाव कम हो सकता है।जलवायु वित्त का सवाल एक बार फिर प्रमुख रूप से आगे आया है । वैसे भी विकासशील देशों के लिए जरूरी सहायता ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के चलते कठिन हो सकती है। बहरहाल, उम्मीद कायम है क्योंकि कुछ आशाजनक संकेत हैं। वैश्विक उत्सर्जन संभवतः अपने चरम पर पहुंच चुका है, और अब पहली बार गिरावट की ओर बढ़ रहा है।

अर्थशास्त्र के नोबेल के साथ पुरस्कारों की घोषणा प्रक्रिया पूरी हुई, तीन अर्थशास्त्रियों को मिला नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम, (एपी) आर्थिक विकास पर नवाचार के प्रभाव की व्याख्या और 'रचनात्मक विनाश' नाम की एक प्रमुख आर्थिक अवधारणा पर शोध के लिए जोएल मोकिर, फिलिप एगियन और पीटर हॉविट को सोमवार को इस साल के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की घोषणा के साथ सभी श्रेणियों में विजेताओं के ऐलान की प्रक्रिया पूरी हो गई।

नोबेल शांति पुरस्कारों की घोषणा शुक्रवार को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में की गई थी, जबकि बाकी सभी पुरस्कारों की घोषणा स्टॉकहोम में की गई। पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर को इसके संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर आयोजित किए जाएंगे

छह अक्टूबर को, मैरी ई ब्रुनको, फ्रेड रैमस्डेल और शिमॉन साकागुची को 'पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस' से संबंधित उनकी खोजों के लिए इस साल का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

ब्रुनको (64) सिएटल स्थित इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी में वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक हैं। रैमस्डेल (64) सैन फ्रांसिस्को स्थित सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स के वैज्ञानिक सलाहकार हैं, वहीं 74 वर्षीय साकागुची जापान के ओसाका विश्वविद्यालय के इम्यूनोलॉजी फ्रंटियर रिसर्च सेंटर में प्रोफेसर हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली में विषाणु, जीवाणु और अन्य हानिकारक कारकों का पता लगाने और उनसे लड़ने के लिए कई प्रणालियां होती हैं। टी कोशिकाओं जैसे प्रमुख प्रतिरक्षा योद्धाओं को हानिकारक कारकों की पहचान करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। अगर कुछ कारक इस तरह से गड़बड़ा जाते हैं कि स्वप्रतिरक्षी (ऑटो इम्यून) रोग उत्पन्न हो सकते हैं, तो उन्हें थाइमस में नष्ट कर दिया जाना चाहिए - इस प्रक्रिया को 'सेंट्रल टॉलरेंस' (केंद्रीय सहनशीलता) कहा जाता है।

नोबेल विजेताओं ने शरीर द्वारा इस प्रणाली को नियंत्रित रखने के एक अतिरिक्त तरीके का खुलासा किया। सात अक्टूबर को, जॉन क्लार्क, माइकल एच डेवोरेट और जॉन एम मार्टिनिस को डिजिटल प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने वाली 'क्वांटम टनलिंग' पर शोध के लिए भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की गई। इससे एमआरआई मशीनों द्वारा अति संवेदनशील माप प्राप्त करना संभव हुआ और बेहतर मोबाइल फोन तथा तेज कंप्यूटर के लिए आधार तैयार हुआ है। क्लार्क (83) ने अपना शोध कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में किया। वहीं, मार्टिनिस(67) ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में तथा डेवोरेट (72) ने येल में और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में भी अपना शोध किया।

क्वांटम यांत्रिकी का यह 100 साल पुराना क्षेत्र, असंभव प्रतीत होने वाले उप-परमाणु जगत से संबंधित है, जहां स्विच एक ही समय पर चालू और बंद हो सकते हैं और परमाणुओं के कुछ हिस्से अभेद्य प्रतीत होने वाली बाधाओं को भेदकर सुरंग बना सकते हैं। पुरस्कार विजेता तिकड़ी के काम ने इसे विश्व फलक पर व्यापक रूप से ले जाने में मदद की है, जहां इसमें कंप्यूटिंग और संचार को गति देने की क्षमता है।

आठ अक्टूबर को, तीन वैज्ञानिकों को रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला, क्योंकि उन्होंने नई आणविक संरचनाएं विकसित की हैं जो भारी मात्रा में गैस को अपने अंदर समाहित कर सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कार्य वायुमंडल से ग्रीनहाउस गैसों को सोखने या रेगिस्तानी वातावरण से नमी इकट्ठा करने का आधार तैया करता है।

खेल एक्सप्रेस

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान के सबसे उम्रदराज क्रिकेट वजीर मोहम्मद का निधन

कराची, (भाषा) पाकिस्तान के सबसे बुजुर्ग क्रिकेटर वजीर मोहम्मद का सोमवार को 95 वर्ष की आयु में बर्मिंघम (इंग्लैंड) में निधन हो गया। टेस्ट खिलाड़ी हनीफ, मुश्ताक और सादिक मोहम्मद के बड़े भाई वजीर ने 1952 से 59 के बीच 20 टेस्ट मैच खेले। वह 1952 में पहली बार टेस्ट श्रृंखला खेलने वाली पाकिस्तानी टीम के सबसे बुजुर्ग जीवित सदस्य थे। प्रसिद्ध मोहम्मद बंधुओं के परिवार में सबसे बड़े वजीर ने संन्यास के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सलाहकार के रूप में भी काम किया। इसके बाद वे ब्रिटेन चले गए जहां उनका निधन हुआ। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और पाकिस्तान क्रिकेट में वजीर के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। अपने अन्य भाइयों की तरह कलात्मक बल्लेबाज वज़ीर ने पाकिस्तान की शुरुआती टेस्ट जीत में कुछ यादगार पारियां खेलीं। इसमें 1957-58 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में खेली गई 189 रनों की मैराथन पारी भी शामिल है, जिसने पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह 42 रन के साथ 1954 में ओवल टेस्ट जीत दर्ज करने वाली पाकिस्तान टीम के शीर्ष स्कोरर भी रहे।

भारत के सामने एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के करो या मरो मैच में सिंगापुर की चुनौती

मडगांव (गोवा) (भाषा) भारतीय फुटबॉल टीम की एएफसी एशियाई कप 2027 के लिए क्वालीफाई करने की मामूली उम्मीदों को बनाये रखने के लिए मंगलवार को यहां के फतोर्दा स्टेडियम में ग्रुप सी मैच में सिंगापुर के खिलाफ दो चरण वाले दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी। कोच खालिद जमील के लिए हालांकि अच्छी बात यह है कि मोहन बागान सुपरजायंट के डिफेंडर शुभाशीष बोस और मिडफील्डर लालेनगमाविया 'अपुइया' राल्ते की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। संदेश झिंगन के निलंबन के चलते बोस और अपुइया जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी भारत के लिए काफी अहम होगी। टीम की रक्षापंक्ति ने सिंगापुर में पहले चरण 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में काफी संघर्ष किया था। सिंगापुर के तेज-तर्रार फॉरवर्ड इकसान फांदी और शावल अनवर के धार को कुंद करने के लिए बोस और अपुइया की मौजूदगी टीम के लिए अहम होगी। अपुइया मिडफील्ड के माहिर खिलाड़ी है और वह रक्षापंक्ति तथा अग्रिम पंक्ति के बीच मजबूत कड़ी साबित होंगे। भारतीय टीम इस मैच में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने का पूरी कोशिश करेगी। रहीम अली ने नौ अक्टूबर को पहले चरण के मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही भारतीय टीम के लिए गोल कर स्कोर बराबर किया था। इस मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू से टीम एक और बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। इस ड्रॉ मैच के बाद भारत ग्रुप तालिका में हांगकांग (सात अंक), सिंगापुर (पांच अंक) के बाद दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी

भारत श्रृंखला में क्लीनस्वीप करने से 58 रन दूर

नयी दिल्ली, (भाषा) वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में अच्छी चुनौती पेश की लेकिन यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि भारत को दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच को जीतने और श्रृंखला में क्लीनस्वीप करने के लिए अब केवल 58 रन की जरूरत है। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में 390 रन बनाकर भारत के सामने 121 रन का लक्ष्य रखा। भारत ने सोमवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 63 रन बनाए हैं। अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच को पारी और 140 रन के अंतर से जीतने वाले भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 248 रन ही बना पाई थी और उसे फॉलोऑन करना पड़ा था।

जॉन कैम्पबेल (199 गेंदों पर 115 रन) और शाई होप (214 गेंदों पर 103 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन जोड़कर संघर्ष करने का जज्बा दिखाया। लेकिन अगर मैच पांचवें दिन में चला गया तो उसका श्रेय जस्टिन ग्रीवस (नाबाद 50) और जेडन सील्स (32) को जाता है जिन्होंने दसवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की।

भारत ने 80 ओवर के बाद नई गेंद ली। इसके बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की कमजोरी खुलकर सामने आ गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव ने तीन-तीन, मोहम्मद सिराज ने दो तथा रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया। छोटे लक्ष्य के सामने भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहली पारी में 175 रन बनाने वाले यशस्वी जयसवाल (08) का विकेट जल्दी गंवा दिया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जोमेल वारिकन की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर आसान कैच दिया। इसके बाद केएल राहुल (नाबाद 25) और आर साईं सुदर्शन (नाबाद 30) ने कोई झटका नहीं लगने दिया जिससे भारत ने एक और बड़ी जीत सुनिश्चित कर दी। इससे पहले वेस्टइंडीज ने सुबह अपनी दूसरी पारी दो विकेट पर 173 रन से आगे बढ़ाई। उसके लिए इस मैच में सांत्वना वाली बात यह रही कि उसकी तरफ से दो शतक लगे और उसने भारत को दूसरी बार बल्लेबाजी के लिए मजबूर करने के अलावा मैच को पांचवें दिन तक खींचा।भारतीय गेंदबाजी इकाई इस तथ्य से उत्साहित हो सकती है कि उसने सभी 20 विकेट लिए, जबकि परिस्थितियां स्पिन या तेज गेंदबाजी के लिए अनुकूल नहीं थीं। अगर वेस्टइंडीज के बल्लेबाज संघर्ष कर पाए तो उसका श्रेय फिरोजशाह कोटला की पिच को जाता है जिससे गेंदबाजों को खास मदद नहीं मिल रही थी।

उसके बल्लेबाजों ने अपनी गलतियों से विकेट गवाएं। एक समय खेल इतना नीरस हो गया था कि प्रसारणकर्ता भी मैदान पर खेले जा रहे खेल का विश्लेषण करने में ज्यादा रुचि नहीं दिखा रहे थे और इसके बजाय उन्होंने अपने विश्लेषकों से कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले एकदिवसीय श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करें, जिसमें सभी की निगाहें दो अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी हैं, जिनका एकदिवसीय भविष्य संदेह के घेरे में है। सुबह कैम्पबेल ने जडेजा की गेंद पर काउ कॉर्नर पर स्लॉग स्वीप से छक्का लगाकर 25वें टेस्ट मैच में अपना पहला शतक पूरा किया। इसके बाद वह गलत शॉट का चयन करके पवेलियन लौटे।

कलाई का स्पिनर होने के कारण कुलदीप को पिच से ज्यादा मदद मिली: वाशिंगटन

नयी दिल्ली, (भाषा) वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में तीन और मैच में आठ विकेट लेने वाले कुलदीप यादव की तारीफ करते हुए भारतीय टीम के उनके साथी वाशिंगटन सुंदर ने कहा कि कलाई का स्पिनर होने के कारण उन्हें पिच से दूसरे गेंदबाजों के मुकाबले ज्यादा मदद मिली। भारतीय गेंदबाजों को दूसरे और अंतिम टेस्ट में वेस्टइंडीज़ को दूसरी पारी में आउट करने के लिए 118.5 ओवरों की जरूरत पड़ी क्योंकि अरुण जेटली स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए आसान थी। कुलदीप ने गेंदबाजों के लिए मुश्किल पिच पर दोनों पारियों को मिलाकर 55.5 ओवर में 186 रन देकर आठ विकेट लिये जबकि उनकी, वाशिंगटन और रविंद्र जडेजा की स्पिनरों की तिकड़ी ने इस मैच में कुल 13 विकेट चटकाये। अनुभवी जडेजा ने कुल 52 ओवरों में चार विकेट लिए।

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी 390 रन पर सिमटी जिससे मैच के पांचवें दिन भारत को जीत के लिए और 58 रन की जरूरत है। वाशिंगटन ने दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे लगता है कि उन्होंने (कुलदीप) बहुत अच्छी गेंदबाजी की। कलाई के स्पिनर होने के नाते, उन्हें इससे निश्चित रूप से पिच से अधिक मदद मिली।'' उन्होंने कहा, '' दूसरे गेंदबाजों ने भी अच्छी गेंदबाजी की। तेज गेंदबाजों को भी कड़ी मेहनत करनी पड़ी। इस पिच पर 20 विकेट चटकाना एक बड़ी उपलब्धि है।''

सुंदर ने कहा कि कोटला की पिच के इस रवैये से उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई क्योंकि यहां वर्षों से ऐसा ही होता आया है। उन्होंने कहा, '' मैं कहूंगा कि यह दिल्ली की पारंपरिक विकेट जैसी ही है, जहां ज्यादा उछाल नहीं है और जाहिर है, इस मैच में भी स्पिनरों को ज्यादा टर्न नहीं मिली। अलग-अलग मैदानों पर परिस्थितियां काफी अलग होती है और यही इस प्रारूप की खास खूबसूरती है।'' वेस्टइंडीज को फालोऑन दिये जाने के कारण भारतीय गेंदबाजों को लगभग 200 ओवर लगातार गेंदबाजी करनी पड़ी।

पहले बल्लेबाजी चुनने वाली बांग्लादेश के बल्लेबाजों का खराब फॉर्म जारी रहा

बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका को दिया 233 रन का लक्ष्य

विशाखापत्तनम, (भाषा) बांग्लादेश के लिये महिला क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाली बल्लेबाज बनी शोरना अख्तर के आखिरी ओवरों में आतिशी प्रदर्शन से उनकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला विश्व कप के मैच में सोमवार को छह विकेट पर 232 रन बनाये । एक समय लग रहा था कि बांग्लादेश टीम 200 रन तक भी नहीं पहुंच सकेगी लेकिन शोरना ने आखिरी पांच ओवरों में तस्वीर बदल दी । उन्होंने 35 गेंद में तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 51 रन बनाकर टीम को संकट से निकाला । रितु मोनी ने उनका बखूबी साथ देते हुए आठ गेंदों में नाबाद 19 रन बनाये ।इसी मैदान पर भारतीय टीम ने रविवार को वनडे क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर 330 रन बनाया था और गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करके जीत भी दर्ज की थी लेकिन बांग्लादेश की शुरूआत से लग रहा था कि वह 200 रन नहीं बना सकेगी लेकिन शोरना ने अपनी 'पावर हिटिंग' से काफी प्रभावित किया ।

पहले बल्लेबाजी चुनने वाली बांग्लादेश के बल्लेबाजों का खराब फॉर्म जारी रहा और कोई भी दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को खुलकर खेल नहीं सकीं ।पिछले मैच में भारत को हराने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज दक्षिण अफ्रीका ने लगभग खाली पड़े एसीए वीडीसीए स्टेडियम में 'जाइंट किलर' बांग्लादेश को मैच में पकड़ नहीं जमाने दी । बल्लेबाजों पर दबाव का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बांग्लादेश की पारी का पहला चौका छठे ओवर में लगा जब मसाबाता क्लास की गेंद पर फरजाना हक ने गेंद को मिडआफ में खेलकर सीमारेखा पर पहुंचाया । वहीं पारी का पहला छक्का 42वें ओवर में शोरना अख्तर ने स्पिनर क्लो ट्रायोन को जड़ा ।यही नहीं 19वें से 24वें ओवर के बीच सिर्फ नौ रन बने । पहले मैच में पाकिस्तान को हराने के बाद इंग्लैंड और न्यूजीलैंड से हारी बांग्लादेश की टीम के लिये शोरना ने ही सौ से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये ।उन्होंने 46वें ओवर में मध्यम तेज गेंदबाज टुमी सेखुखुने को लांग आन पर एक छक्का और दो चौके समेत 18 रन निकाले जो बांग्लादेश की पारी का सबसे अच्छा ओवर भी रहा ।

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में 69 रन पर आउट होने के बाद से शानदार वापसी करके न्यूजीलैंड और भारत को हराने वाली दक्षिण अफ्रीका टीम की नजरें रनरेट बेहतर करने पर लगी हैं जिसे अगले दो मैच तालिका में निचले स्थान की टीमों पाकिस्तान और श्रीलंका से खेलना है ।बांग्लादेश की शुरूआत बेहद धीमी रही और मरियाने काप के पहले ओवर में सिर्फ तीन रन बने जबकि दूसरे छोर से क्लास ने भी बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए पहले ओवर में एक ही रन दिया । काप के पहले तीन ओवर में सात और क्लास के पहले दो ओवर में दो ही रन बने । वहीं सेखुखुने ने पहले चार ओवर में सिर्फ पांच रन दिये । पावरप्ले के ओवरों में सिर्फ 28 रन बने ।

सलामी बल्लेबाजों हक और रूबिया हैदर स्ट्रोक्स नहीं लगा पा रहीं थी और इक्के दुक्के रन चुराने में भी उन्होंने दिलचस्पी नहीं दिखाई ।दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी 91 गेंद में पूरी हुई ।इसके कुछ देर बाद ही ट्रायोन ने दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाते हुए हैदर को मिड आन पर नडाइन डि क्लर्क के हाथों लपकवाया । हैदर ने 52 गेंद में 25 रन बनाये जिसमें सिर्फ दो चौके शामिल थे ।

नई दिल्ली, मंगलवार 14 अक्टूबर 2025

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

FRONT PAGE 2

राज्य भर में 1.05 लाख से ज्यादा युवक व महिला मंगल दल सक्रिय हैं और उन्हें जमीनी स्तर पर खेलों व सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन रैकेट और अन्य उपकरणों से युक्त खेल किट प्रदान की गई हैं।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उ.प्र.

दयाशंकर सिंह को विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित चतुर्थ बुद्ध धम्म मेले का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों, विद्वानों एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ।

ब्रह्मलीन जगदीश जैन को सैकड़ो लोगों ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई मंत्रियों और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उनकी राष्ट्र की सेवाओं को याद किया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

समाजसेवी एवं आदर्श व्यक्तित्व के धनी श्रद्धेय श्री जगदीश जी जैन (जन्मः 1 जनवरी 1954 – निधनः 2 अक्टूबर 2025, सूरत) की पुण्य स्मृति में आज नई दिल्ली में एक भावपूर्ण पुष्पांजलि एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।यह आयोजन बाबा नथू सिंह वाटिका, रोड नं. 41, लक्ष्मी रोड, पंजाबी बाग पश्चिम में अपराह्न 3 से 4 बजे तक संपन्न हुआ। इसमें परिवारजनों, शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अनेक प्रतिष्ठित नागरिकों ने भाग लेकर श्रद्धेय जैन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धेय श्री जगदीश जी जैन, भाई श्री सुरेश जैन (वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारत विकास परिषद) के बड़े भाई थे। वे समाज सेवा, संगठन निर्माण और राष्ट्रहित के कार्यों में गहरी आस्था रखने वाले सरल, सौम्य और प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में सर्वप्रिय रहे।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा गया —> ''श्री जगदीश जी जैन का जीवन सेवा, सादगी और समर्पण का प्रतीक रहा है। उनकी स्मृतियाँ सदैव समाज को प्रेरणा देती रहेंगी।

''सभा में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और गणमान्य अतिथियों ने उनके समाजहितैषी कार्यों का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन से जो निस्वार्थ सेवा, सौहार्द और मानवीयता का उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।शोक संवेदना प्राप्त हुई श्रद्धेय श्री जगदीश जी जैन के निधन पर देश के अनेक शीर्ष नेताओं, न्यायमूर्तियों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों और उद्योगपतियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

परिवार को प्राप्त प्रमुख शोक संदेशों में —माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, पर्यावरण एवं वन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव, विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, तथा वृंदावन की साध्वी ऋतम्भरा के साथ-साथ देशभर की 65 से अधिक सामाजिक संस्थाएँ शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त निम्न प्रमुख गणमान्य व्यक्तित्वों ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की —श्री रामलाल जी (अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), डॉ. हर्षवर्धन (पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार), न्यायमूर्ति आदर्श गोयल (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारत विकास परिषद), सरदार गजेंद्र सिंह संधू (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारत विकास परिषद), श्री दुर्गा दत्त शर्मा (राष्ट्रीय महामंत्री, भारत विकास परिषद), श्री कर्नल सिंह (राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख, भारत विकास परिषद एवं पूर्व निदेशक, ई.डी.), श्री जयभगवान यादव (उपमहापौर, दिल्ली), श्री राजीव जैन (महापौर, सोनीपत), श्री संजय गोयल (विधायक, दिल्ली), श्री राजकुमार भाटिया (विधायक), श्री संजय भाटिया (पूर्व सांसद, करनाल), श्री राम गोपाल धानुका (CMD, धानुका ग्रुप), श्री राधेश्याम रंगा (सुप्रसिद्ध उद्यमी एवं संरक्षक, भारत विकास परिषद – उत्तर पश्चिम), न्यायमूर्ति विद्याप्रकाश (दिल्ली), पूर्व न्यायमूर्ति सुभाष जैन (दिल्ली), पूर्व न्यायमूर्ति लक्ष्मण जी (जोधपुर), सरदार एच. एस. गिल (चेयरमैन, आदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़), श्री रूपेश जी (सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), सरदार मंजीत सिंह (अध्यक्ष, अकाली दल – दिल्ली प्रदेश), श्री मंजीत सिंह औलख (सदस्य, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी), सरदार अमन बक्शी (उद्योगपति एवं समाजसेवी), सरदार सविंदर सिंह गिल (संरक्षक, भारत विकास परिषद), श्री कृष्ण कुमार गुप्ता (चेयरमैन, भारत रसायन), श्री विकास गुप्ता (रजिस्ट्रार, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. निरंजन कुमार (डीन – प्लानिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय), न्यायमूर्ति अजय नागपाल (दिल्ली हाई कोर्ट), डॉ. इंदरजीत कौर (समाज सेविका), और श्रीमती जसविंदर कौर (समाज सेविका) श्री जगदीश जी जैन को श्रद्धांजलि देने वालों में कुछ प्रमुख लोगों में श्री जगदीश मित्तल संस्थापक राष्ट्रीय कवि संगम, श्री जयप्रकाश जी अध्यक्ष सूर्या रोशनी ग्रुप श्री यशपाल गुप्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष वैश्य वर्ल्ड फाउंडेशन, श्री वासुदेव गर्ग ''एकल'' (लोक शिक्षा परिषद) ब्रज कला केंद्र, श्री विपिन गुप्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष ''भारतीय मतदाता संगठन'' (नेशनल एक्सप्रेस समूह) श्री रमेश अग्रवाल अध्यक्ष (विद्या भारती) अग्रवाल मूवर्स ग्रुप, श्री अतुल सिंघल फाउंडर (नमो इंपैक्ट चैनल) शामिल हैं।

इन सभी महानुभावों ने श्रद्धेय जैन जी के व्यक्तित्व और योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन सेवा, सादगी और राष्ट्रभक्ति का जीवंत उदाहरण था। उन्होंने परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

परिवार की ओर से आभारशोकाकुल परिवार में पत्नी श्रीमती हैमलता जैन, भाई सतबीर जैन, अनिल जैन, संजय जैन, ससुर मास्टर जयकिशन गोयल, पुत्र-पुत्रवधू अमीरा जैन – नीधि जैन, अंकित जैन – शिवानी जैन, तथा पुत्री-दामाद सोनिया – सुनीत सिंघल शामिल हैं।सभा के अंत में सभी उपस्थित जनों ने श्रद्धेय श्री जगदीश जी जैन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

परमार्थ निकेतन में पांच दिवसीय एक्यूपंक्चर कैम्प का शुभारम्भ

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती, डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती और अमेरिका से आये एक्यूपंक्चर चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम ने किया शुभारम्भ

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

- परमार्थ निकेतन की स्वास्थ्य कल्याण के क्षेत्र में नूतन पहल
- सेवा और मानवता का मार्ग भौगोलिक सीमाओं से परेस्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में एक नया प्रयास आरंभ हुआ है। आज पांच दिवसीय एक्यूपंक्चर कैम्प का शुभारम्भ किया। अमेरिका से आए 15 विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और डा साध्वी भगवती सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में दीप प्रज्वलित कर कैम्प का शुभारम्भ किया। इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य गंगा तट पर आकर रोगियों को एक्यूपंक्चर चिकित्सा के माध्यम से राहत प्रदान करना है।

अमेरिका से आए विशेषज्ञ चिकित्सक अपने अनुभव और कौशल से रोगियों का उपचार कर रहे हैं, साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें परमार्थ निकेतन का गंगा तट यहां खींच लाया है। यहां की शान्ति अद्भुत व अलौकिक है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि सेवा और मानवता का मार्ग भौगोलिक सीमाओं से परे है। यह कैम्प एक अद्वितीय उदाहरण है कि कैसे विशेषज्ञ चिकित्सक अपने वेकेशन को सेवा के लिए समर्पित कर रहे हैं। यहां आकर वे न केवल दूसरों की सेवा करते हैं बल्कि इस पवित्र वातावरण में आकर स्वयं को भी रिचार्ज करते हैं; ऊर्जावान बनाते हैं।स्वामी जी, ने कहा कि इस प्रकार की सेवाएँ हमें यह स्मरण कराती हैं कि यह केवल एक चिकित्सा कैम्प नहीं है, बल्कि यह सेवा, करुणा और मानवता का प्रकाशस्तंभ है। जब हम अपने ज्ञान, अनुभव और कौशल को दूसरों के कल्याण के लिए समर्पित करते हैं, तब जीवन का सबसे बड़ा सुख और तृप्ति हमें प्राप्त होती है। अमेरिका से आए चिकित्सक यह संदेश दे रहे हैं कि सेवा कोई सीमा, कोई देश या समय नहीं देखती। वे अपने वेकेशन में भी यहाँ आए, केवल मानवता की सेवा के लिए। यही सच्चा आध्यात्मिक अभ्यास है। साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि यह कैम्प शरीर को स्वस्थ करने के साथ हृदय को भी सशक्त करने का अवसर है।

गंगा के पावन किनारे, जहाँ प्रत्येक सांस में पवित्रता और शांति है, यहाँ की सेवा यह स्मरण कराती है कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। हमारी छोटी-सी कोशिश किसी के जीवन में अमूल्य राहत और आनंद ला सकती है। उन्होंने सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों का अभिनन्दन करते हुये कहा कि अपने कार्य में प्रेम, धैर्य और समर्पण रखें।

डबल इंजन सरकार में युवा शक्ति बन रही है राष्ट्र शक्ति : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 'डबल इंजन' सरकार (केन्द्र और राज्य) में युवा शक्ति 'राष्ट्र शक्ति' बन रही है।

मुख्यमंत्री योगी, युवक एवं महिला मंगल दलों को प्रोत्साहन खेल सामग्री के वितरण के लिए लखनऊ में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' सरकार में युवा शक्ति 'राष्ट्र शक्ति' बन रही है। योगी ने कहा कि राज्य भर में 1.05 लाख से ज्यादा युवक व महिला मंगल दल सक्रिय हैं और उन्हें जमीनी स्तर पर खेलों व सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन रैकेट और अन्य उपकरणों से युक्त खेल किट प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा, ''खेल व्यक्तियों को स्वस्थ रखते हैं और टीम वर्क की भावना को मजबूत करते हैं। गांव में शुरू होने वाली प्रतियोगिता विधायक और सांसद स्तर के खेल टूर्नामेंट में विकसित हो सकती हैं।''

मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजनों की शुरुआत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा समाज में प्रगति की कुंजी है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर जारी विधायक खेल महोत्सव हजारों युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान कर रहा है। योगी ने युवक और महिला मंगल दलों से खेलों से आगे बढ़कर गांवों में सामाजिक, सांस्कृतिक और लोक परंपराओं को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''जैसे हम खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं, वैसे ही लोकगीतों और प्रदर्शनों के माध्यम से हमारी पुश्तैनी परंपराओं को पुनर्जीवित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम होने चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने 'मिशन शक्ति' के जारी पांचवें चरण में महिला मंगल दलों की भूमिका पर भी जोर दिया और उनसे ग्राम स्तर पर महिला कल्याण योजनाओं व सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

तेज प्रताप महुआ से लड़ेंगे बिहार चुनाव, उनकी पार्टी ने 21 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की

पटना, (भाषा) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव आगामी बिहार विधानसभा चुनाव महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। उनकी नवगठित पार्टी जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) ने सोमवार को 21 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की।

राज्य के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने मई माह में अपने पिता द्वारा राजद से निष्कासित किए जाने के बाद यह नई पार्टी बनाई है। जेजेडी के प्रदेश अध्यक्ष मदन यादव ने उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए कहा, "हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव वैशाली जिले की महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।" तेज प्रताप इससे पहले 2015 में महुआ से विधायक चुने गए थे, लेकिन 2020 के चुनाव में राजद ने उन्हें हसनपुर सीट से उम्मीदवार बनाया था। जेजेडी ने जिन अन्य उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, उनमें मधेपुरा से संजय यादव, नरकटियागंज से तौरीफ रहमान, बरौली से धर्मेंद्र और कुचायकोट से ब्रज बिहारी भगत शामिल हैं।

कांग्रेस शासित राज्यों की अनदेखी कर रही केंद्र सरकार, हिमाचल को पर्याप्त मदद नहीं मिली: प्रियंका

शिमला, (भाषा) कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आपदा प्रभावित हिमाचल प्रदेश को पर्याप्त मदद नहीं देने का आरोप लगाया और दावा किया कि केंद्र, कांग्रेस शासित राज्यों की ''उपेक्षा'' कर रहा है।

प्रियंका ने यह टिप्पणी छह बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे दिवंगत वीरभद्र सिंह की एक प्रतिमा का अनावरण किये जाने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए की। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान स्थित दौलत सिंह पार्क में वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा, ''सुखविंदर सुक्खू के मुख्यमंत्री बनने के बाद हिमाचल में भारी बारिश हुई, लेकिन केंद्र सरकार ने कई बार अनुरोध करने के बावजूद कांग्रेस शासित राज्य को पर्याप्त मदद नहीं दी।''

प्रियंका ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार केवल चुनाव जीतने में रुचि रखती है और उसने कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश के साथ भेदभाव किया है। इस मानसून में जून से सितंबर तक राज्य में बादल फटने की 47, अचानक बाढ़ की 98 और बड़े भूस्खलन की 148 घटनाएं हुईं, जिनमें वर्षाजनित घटनाओं में 270 लोग मारे गए। कुल नुकसान 5,426 करोड़ रुपये आंका गया। राज्य प्राधिकारियों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भी हिमाचल प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

दिवंगत नेता वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण के दौरान प्रियंका ने अपनी मां सोनिया गांधी के साथ मिलकर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। बाद में उन्होंने उनके जीवन और विरासत पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी भी देखी।

छह फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ वाईएस परमार, महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं की प्रतिमाओं के पास स्थापित की गई है।

बाद में रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, ''हमें महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और वीरभद्र सिंह जैसे नेताओं की जरूरत है, जो हमेशा ईमानदारी और सच्चाई के मार्ग पर चलते हुए लोगों के विकास के लिए समर्पित रहे।''

प्रियंका ने कहा, ''दुर्भाग्यवश देश में इस रास्ते पर चलने वाले बहुत कम नेता हैं, लेकिन कांग्रेस के राहुल गांधी निडर होकर लोगों के मुद्दे उठा रहे हैं।''

उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों के वास्ते काम करने के लिए ''सोशल मीडिया और पीआर'' से आगे जाने की जरूरत है।

कांग्रेस महासचिव ने वीरभद्र सिंह को एक ऐसे नेता के रूप में याद किया, जिनका दिल हमेशा हिमाचल प्रदेश के कल्याण के लिए धड़कता रहा। उन्होंने राज्य के साथ अपने परिवार के जुड़ाव पर ज़ोर दिया, जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से लेकर उनके अपने परिवार तक फैला हुआ है।

प्रियंका ने कहा, ''जब मैं पिछले चुनावों में प्रचार के लिए आई थी, तो लोगों ने मुझे वीरभद्र सिंह के लोगों से जुड़ाव और उनके सरल व्यवहार के बारे में बताया था, जैसा कि कांग्रेस नेताओं की परंपरा रही है और मुझे खुशी है कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया है'' उन्होंने कहा, ''यह सच है कि हम इस भूमि, पहाड़ों और घाटियों से प्यार करते हैं।'' उन्होंने सभी से पहाड़ियों को बचाने का आह्वान किया। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस 'हमारे पूर्वजों के संजोए सपने'' को पूरा करने का प्रयास करेगी, और इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र के विकास के लिए सही सोच और ईमानदार राजनीति जरूरी है। उन्होंने राज्य के लोगों को

दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी वीरभद्र सिंह की प्रशंसा करते हुए उन्हें ''सड़क, बिजली और विकास का नेता'' बताया।

सुक्खू ने कहा, ''वह लोगों से इतने जुड़े हुए थे कि उन्होंने एक छात्र के लिए भी स्कूल खोल दिया।'' उन्होंने राज्य के विकास में गांधी परिवार के सहयोग की भी सराहना की और आईआईटी मंडी, आईआईएम सिरमौर और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना जैसी पहलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के आवास ने शिमला में पर्यटन को बढ़ावा दिया है।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने वीरभद्र सिंह के सम्मान में आयोजित रैली में शामिल होने के लिए सोनिया और प्रियंका गांधी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह का राज्य के लोगों से भावनात्मक रिश्ता है। उन्होंने कहा, ''लोग इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।''

अग्निहोत्री ने इंदिरा गांधी की भी सराहना की, जिन्होंने 1971 में प्रधानमंत्री के रूप में रिज मैदान से हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की घोषणा की थी।

वीरभद्र सिंह रामपुर-बुशहर राजघराने के वंशज थे। उन्होंने पहली बार आठ अप्रैल, 1983 को मुख्यमंत्री का पद संभाला। इसके बाद अगले चार दशकों तक वह सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे। उन्होंने पांच बार और मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। लंबी बीमारी के कारण 2021 में उनका निधन हो गया।

उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह पार्टी की राज्य इकाई की प्रमुख हैं और उनके पुत्र विक्रमादित्य सिंह हिमाचल प्रदेश सरकार में लोक निर्माण मंत्री हैं। दोनों नेताओं ने लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव महसूस किया और इस अवसर पर उपस्थित होने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

प्रतिभा सिंह ने अनावरण को एक भावनात्मक और खुशी का अवसर बताया, जबकि विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि यह अवसर केवल एक औपचारिक समारोह नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं और प्रेम को दर्शाता है तथा उन्होंने अपने पिता के आदर्शों पर चलने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रतिमा अनावरण और उसके बाद रैली का आयोजन विक्रमादित्य सिंह ने किया, जो राजा वीरभद्र सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष भी हैं।

पहले प्रतिमा का अनावरण वीरभद्र सिंह की जयंती पर 23 जून को होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया।

इस प्रतिमा का निर्माण प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी सुतार और उनके बेटे अनिल राम सुतार से संबद्ध एक कंपनी ने 40 लाख रुपये की लागत से किया, जिसमें 24 लाख रुपये निर्माण पर और 16 लाख रुपये इसे स्थापित करने पर खर्च हुए। राम सुतार वही मूर्तिकार हैं, जिन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 फुट ऊंची प्रतिमा बनाई है। गुजरात में स्थापित यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' है।

इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ता और आम लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी और लगभग 400 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। यातायात और पार्किंग के लिए विशेष योजना के साथ शहर को पांच सुरक्षा क्षेत्रों में विभाजित किया गया था। शहर के भीतर परिवहन, 'यूटिलिटी' वाहनों और भारी वाहनों की आवाजाही अपराह्न तीन बजे तक स्थगित कर दी गई थी।

प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, सचिन पायलट और दीपेंद्र हुड्डा भी उपस्थित थे। राज्य में पार्टी की प्रभारी रजनी पाटिल और कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला भी प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्वामी वी.पी.एल. मीडिया प्रा. लि. के लिए प्रकाशक व मुद्रक वेंकटेश गुप्ता द्वारा आर.डी प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स प्रा. लि. ए-41, सेक्टर 8, नोयडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित व फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048 से प्रकाशित। DELHIN/2015/65411, संपादक : विपिन कुमार गुप्ता।
संपादकीय कार्यालय- फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048, ईमेल -news.vpl@gmail.com फोन नं.-011 49066569। प्रसार व विज्ञापन विभाग -ईमेल vplmedia@yahoo.com, समस्त विवाद के लिए न्याय क्षेत्र नई दिल्ली ही मान्य होगा।